हरिभूमि
रायपुर भूमि

- शिकायत और जांच के आधार पर कोच से वेटिंग यात्रियों को बाहर निकाल रहे टीटीई और आरपीएफ
- ट्रेन में टीटीई और यात्रियों के बीच बन रही विवाद की स्थिति, कोच से उतरने वेटिंग यात्री तैयार नहीं

वेटिंग यात्रियों को बाहर निकालने में छूट रहा टीटीई का पसीना हर दिन विवाद की स्थिति, अब आरपीएफ ने संभाला मोर्चा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

ट्रेनों के भीतर अनावश्यक भीड़ कम करने रेलवे ने टीटीई और आरपीएफ को सख्त निर्देश दिया है। लंबी दूरी की ट्रेनों में शिकायत और जांच के आधार पर अब जनरल कोच का टिकट लेकर स्लीपर में सफर करने वाले यात्री और बिना टिकट के यात्रियों पर कार्रवाई लगातार जारी है, लेकिन वेटिंग टिकट के यात्रियों को कोच से बाहर निकालना अब भी मुश्किल कार्य बना हुआ है। हर दिन ट्रेन में यात्री और टीटीई के बीच विवाद की स्थिति ⏭शेष पेज 15 पर

हर दिन ट्रेनों में जांच और कार्रवाई

ट्रेनों की भीड़ कम करने टीटीई और आरपीएफ हर दिन जांच और कार्रवाई कर रही है। इन दिनों ज्यादातर यात्री जनरल का टिकट लेकर स्लीपर में सफर करने लगे हैं। कई बार अधिक भीड़ होने से टीटीई भी जांच करने नहीं पहुंचते। शिकायत के ⏭शेष पेज 15 पर

लगातार कार्रवाई जारी

यात्रियों की शिकायत पर आरपीएफ टीटीई की मदद से यात्रियों की टिकट जांच और लगातार कार्रवाई की जा रही है। कोच में वेटिंग यात्रियों से लेकर बिना टिकट के यात्रियों को कोच से उतारा जा रहा है।

- संजय गुप्ता, कमांडेट, आरपीएफ

खबर संक्षेप

शादी करने का झांसा देकर महिला डॉक्टर से रेप

रायपुर। टिकरापारा थाने में एक महिला डॉक्टर ने कोचिंग संचालक के खिलाफ शादी का झांसा देकर रेप करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। महिला डॉक्टर की शिकायत पर पुलिस ने आरोपी मयंक मिश्रा को गिरफ्तार किया है। महिला डॉक्टर ने पुलिस को बताया कि मयंक से उसका परिचय फेसबुक के माध्यम से हुआ था। इसके बाद उन दोनों के बीच दोस्ती हुई। मयंक ने महिला डॉक्टर को शादी करने का झांसा देकर रेप किया। शादी करने दबाव बनाने पर मयंक ने शादी करने से इनकार कर दिया।

नौकरी लगाने का झांसा देकर की ठगी, गिरफ्तार

रायपुर। गुढ़ियारी पुलिस ने नौकरी लगाने के नाम पर 18 लाख रुपए ठगी करने के आरोप में विद्युत विभाग में पूर्व में काम करने वाले एक कर्मी को गिरफ्तार किया है। अविनाश धरडे की शिकायत पर अविनाश सिंह ठाकुर को गिरफ्तार किया है।

राजधानी के निजी अस्पताल में हुई थी घटना, योजना से बर्खास्तगी के आसार

बीजू कार्ड का खेल....पैर में दर्द और छाती का आपरेशन, ओडिशा की नोडल एजेंसी कर रही जांच

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पैर दर्द के मरीज का बीजू कार्ड के माध्यम से छाती का ऑपरेशन करने वाले निजी अस्पताल के खिलाफ ओडिशा स्वास्थ्य विभाग की नोडल एजेंसी ने जांच शुरू कर दी है। रिपोर्ट में अगर गंभीर लापरवाही पाई जाती है, तो उसे योजना से बर्खास्त भी किया जा सकता है।

हरिभूमि फॉलोअप

पिछले दिनों राजधानी के शंकरा हास्पिटल में बीजू कार्ड के हितग्राही की इलाज के दौरान मौत और परिजनों द्वारा लगाए गए गंभीर आरोप के आधार पर इस स्वास्थ्य योजना की निगरानी करने वाली ओडिशा स्वास्थ्य विभाग की नोडल एजेंसी ने अपनी जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का दावा है कि अगर पैर के दर्द वाले मरीज की छाती का ऑपरेशन करने का आरोप सही पाया जाता है, तो संबंधित अस्पताल को योजना से बर्खास्त करने की कार्रवाई की जाएगी। उस दौरान अस्पताल में इलाज के लिए लाए गए अन्य मरीजों से भी फीडबैक लिया जाएगा।

अस्पताल में 16 जून को सीमा क्षेत्र से लगे ओडिशा के गांव से छह मरीजों को इलाज के लिए लाया गया था। इसमें गेंदलाल सोनी नामक मरीज की इलाज के दौरान मौत हो गई थी। मौत के बाद परिजनों का गुस्सा भड़क गया था और नौबत मारपीट तक पहुंच गई थी। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने दो डाक्टरों के खिलाफ मारपीट का अपराध भी दर्ज किया था।

आयुष्मान ही नहीं, बीजू कार्ड में भी खेल, ओडिशा तक अस्पतालों के एजेंट, वाहनों में भरकर लाए जा रहे मरीज

मरीज ढोने की शिकायतों पर भी जांच

ओडिशा से लाए गए मरीज की निजी अस्पताल में मौत के बाद हंगामा, नाराज परिजनों को डाक्टरों ने पीटा

बीकेएसवाय के नोडल अफसर का कहना है कि छत्तीसगढ़ के अस्पतालों में योजना के हितग्राही मरीजों को अच्छा उपचार देने ढोकर ले जाने की शिकायत भी उन तक पहले भी पहुंची है। इस मामले में भी विभागीय स्तर पर जांच की जा रही है। निजी अस्पताल के एजेंट वाहन लेकर सीमा से लगे ओडिशा के गांव में बीजू कार्ड और छत्तीसगढ़ के गांव में आयुष्मान योजना के हितग्राहियों की तलाश में भटकते रहे हैं।

पिछले साल दो बर्खास्त

जानकारी के अनुसार बीजू स्वास्थ्य कार्यक्रम योजना के तहत हितग्राहियों के इलाज के लिए राज्य के करीब साठ अस्पताल इंपैनल्ड सूची में शामिल हैं। इनमें 47 रायपुर जिले से संबंधित हैं। पिछले साल दो अस्पतालों को इसी तरह की गड़बड़ी की वजह से योजना से बर्खास्त किया गया था। वहीं करीब आठ अस्पताल को कारण बताओ नोटिस जारी किया गया था। इन अस्पतालों पर कार्रवाई अभी विचाराधीन है।

जांच की जा रही

मरीज की मौत के मामले को संज्ञान में लेकर इन्वेस्टीगेशन शुरू किया गया है। पहले भी आला अधिकारियों द्वारा कुछ अस्पतालों पर कार्रवाई की गई थी। स्वास्थ्य योजना को लेकर अस्पतालों की बराबर निगरानी की जा रही है।

- डॉ. प्रमोद गिरी, नोडल अफसर बीएसकेवाय, ओडिशा

रोड क्रॉस करते युवक की ट्रक से कुचलकर मौत

रायपुर। कबीर नगर थाना क्षेत्र में गुरुवार को रोड क्रॉस कर रहे एक युवक की ट्रक से कुचले जाने पर मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो पाई है। रिंगरोड दो स्थित एक ढाबे के सामने से एक 30-35 साल का युवक रोड पार कर रहा था।

गॉस मेमोरियल मैदान में

"मौज और मस्ती होगा डबल
क्योंकि अब झूले के रेट्स हो गये एफोर्डेबल!"

जी हाँ! रायपुरियन्स की डिमाण्ड पर झूलों के रेट्स अब कम कर दिये गये हैं

जल्दी करें मेला कुछ दिन और

फन एण्ड फिश वर्ल्ड

हैण्डलूम और हैण्डीक्राफ्ट मेला

अब तक का सबसे बड़ा मेला फिश टनल के साथ...

रायपुर में पहली बार
दुबई फिश टनल और एक्वेरियम

स्थान
गॉस मेमोरियल मैदान
आकाशवाणी, काली मंदिर के सामने, सिविल लाइन्स, रायपुर

sumit

खबर संक्षेप

अतिरिक्त सचिव काटिया सेवानिवृत्त, दी विदाई

रायपुर। विधि विधायी कार्य विभाग, मंत्रालय में पदस्थ अतिरिक्त सचिव उमेश कुमार काटिया सेवानिवृत्त हो गए। शुक्रवार को उन्हें विभागीय अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने विदाई दी। वे मध्यप्रदेश एवं छत्तीसगढ़ में कुल मिलाकर 35 साल सरकारी सेवा में रहे। विदाई के दौरान अधिकारियों-कर्मचारियों ने उनके स्वर्णिम भविष्य की कामना की। इस दौरान विभाग के प्रमुख सचिव रजनीश श्रीवास्तव, अतिरिक्त सचिव मोहन गुप्ता, शहाबुद्दीन कुरैशी, उपसचिव प्रशांत भास्कर, मंत्रालयीन कर्मचारी संघ के उपाध्यक्ष हीरा सिंह बघेल, अवर सचिव योगेंद्र सिंह, दिलीप कुमार सेन, बीपी सोहगौरा, पंखुरी वर्मा, शैल साहू आदि उपस्थित रहे।

गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग

रायपुर। सतनाम रक्षा मंच द्वारा छत्तीसगढ़ में संचालित संगठन सतनामी समाज भारत देश ने बलौदाबाजार तोड़फोड़ मामले में जांच की मांग की है तथा सतनामी समाज के लोगों की गिरफ्तारी पर रोक लगाने की मांग की है। मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष शैलेंद्र बंजारे ने विज्ञप्ति के माध्यम से कहा है कि मुख्यमंत्री कार्यालय में ज्ञापन सौंपकर मांग की है कि प्रदेश में शराबबंदी लागू की जाए, समाज का राष्ट्रीय मुख्यालय बनाने नवा रायपुर में जमीन दी जाए।

रामायण महोत्सव एवं रामलीला उत्सव शुरू

रायपुर। आदर्श नगर में श्री शिव हनुमान मंदिर प्रांगण में श्री रामायण महोत्सव एवं रामलीला उत्सव की शुरुआत शुक्रवार से हो गई। जहां गोस्वामी तुलसीदास द्वारा रचित रामायण एवं रामलीला का मंचन किया जा रहा है। यह आयोजन 8 जुलाई तक चलेगा, जिसका समय शाम 7.30 से रात्रि 10.30 बजे तक है। कार्यक्रम के संचालक पं. विजय कुमार तिवारी हैं।

छत्तीसगढ़ को मिले केंद्रीय कैबिनेट मंत्री

रायपुर। समाजवादी पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष नवीन गुप्ता ने विज्ञप्ति के माध्यम से जारी बयान में कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य से 3 तीसरी बार लोकसभा चुनाव में अच्छी सीटें देने के बावजूद छत्तीसगढ़ को सिर्फ एक राज्यमंत्री ही मिला है। छत्तीसगढ़ राज्य को कम से कम एक केंद्रीय मंत्री मिलना चाहिए था। उन्होंने आगे कहा कि छत्तीसगढ़ राज्य को तेजतर्रार मुख्यमंत्री की आवश्यकता है। भाजपा की साय सरकार का छत्तीसगढ़ की जनता ने बलौदाबाजार में हुए घटना देख ही लिया है, जो एक कमजोर सरकार का नतीजा है। साय सरकार की नाकामी के कारण छत्तीसगढ़ की जनता भुगत रही है और केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ राज्य के विश्वास को अनदेखा कर रही है।

निगम में एमआईसी की बैठक 1 जुलाई को

रायपुर। नगर निगम के सचिवालय द्वारा महापौर एजाज ढेबर के आदेशानुसार मेयर इन काउंसिल, एमआईसी की बैठक 1 जुलाई सोमवार को दोपहर 12 बजे निगम मुख्यालय भवन महात्मा गांधी सदन के तृतीय तल स्थित सभाकक्ष में बुलाई गई है। यह जानकारी निगम के अपर आयुक्त एवं सचिव विनोद पाण्डेय ने दी।

निधन

हीरानंद लालवानी

रायपुर। गुलमोहर पार्क रामनगर निवासी एडवोकेट हीरानंद लालवानी का निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा 29 जून को सुबह 11 बजे निवास स्थान से कोटा मुक्तिधाम के लिए निकलेगी। वे रोहित, जितेंद्र, हितेश के पिता थे।

इलेक्ट्रिक गाड़ियों को चार्जिंग स्टेशन में 18 से 19 रुपए प्रति यूनिट लगेगा शुल्क

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

शहर में इलेक्ट्रिक गाड़ियों का क्रेज लगातार बढ़ रहा है। इसी के साथ ई-रिक्शा, दोपहिया वाहन से लेकर फोर व्हीलर गाड़ियों की संख्या लगातार बढ़ रही है, वहीं आगामी सितंबर या अक्टूबर से निगम की एक सौ इलेक्ट्रिक सिटी बसें भी शहर में दौड़ने लगेंगी, जिसके लिए तैयारी भी की जा रही है।

खास खबर

इलेक्ट्रिक सिटी बसें शुरू हों, उससे पहले निगम प्रशासन ने शहर में फोर व्हीलर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन खोलने की पहल कर दी है। इसे लेकर निगम प्रशासन ने इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आईओसीएल) से एमओयू किया है। इसके तहत पहले चरण में 5 स्थानों पर फोर व्हीलर इलेक्ट्रिक चार्जिंग स्टेशन खोले जा रहे हैं, जहां दोपहिया, ई-रिक्शा से लेकर चारपहिया वाहन चार्जिंग करा पाएंगे।

10 प्रतिशत हिस्सा निगम का बढ़ाएगा राजस्व, पहले चरण में 5 स्थानों पर खुलेंगे

कार चार्जिंग का 60 से 80 रुपए लगेगा शुल्क

सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार एक इलेक्ट्रिकटू-व्हीलर को चार्ज करने में 1 से 1.5 यूनिट तक बिजली खर्च होती है, जबकि कार को चार्ज करने में 3 से 4 यूनिट तक बिजली खर्च होती है। चार्जिंग स्टेशन पर टू-व्हीलर को फुल चार्ज करने में 20 से 30 रुपये और फोर-व्हीलर को चार्ज करने में 60 से 80 रुपये खर्च आएगा।

प्रति यूनिट 19 रुपए शुल्क, 10 प्रतिशत हिस्सा निगम को देगी कंपनी : नगर निगम अधिकारियों के अनुसार चार्जिंग स्टेशनों में बाजार मूल्य में यानी 18 से 19 रुपए प्रति यूनिट की दर से शुल्क लिया जाएगा। इस आय का 10 प्रतिशत हिस्सा कंपनी निगम प्रशासन को देगी, जिससे निगम का राजस्व भी बढ़ेगा।

चार्जिंग स्टेशन खुलने से इलेक्ट्रिक गाड़ियों को मिलेगा बढ़ावा

कलेक्टर की मौजूदगी में कंपनी के साथ एमओयू हुआ है। आगामी 15 दिनों के भीतर चयनित 5 स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन खुल जाएंगे। चार्जिंग स्टेशन खुलने से इलेक्ट्रिक गाड़ियों को बढ़ावा मिलेगा। यह पर्यावरण संरक्षण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

- अबिनास मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम रायपुर

दूसरे चरण में 5 और स्टेशन होंगे स्थापित, स्थल का किया जा रहा चयन

निगम अधिकारियों ने बताया कि कंपनी के सहयोग से शहर में दूसरे चरण में 5 और फोर व्हीलर चार्जिंग स्टेशन की स्थापना की जाएगी। इसके लिए स्थानों के चयन की प्रक्रिया जारी है। अधिकारियों ने बताया कि इसके अलावा प्राइवेट अन्य कंपनियों से भी चार्जिंग स्टेशन खोलने के लिए बातचीत की जा रही है।

चार्जिंग स्टेशन के सेटअप का पूरा खर्च कंपनी करेगी वहन

निगम प्रशासन और आईओसीएल के बीच हुए एमओयू के तहत शहर में पहले चरण में 5 प्रमुख जगहों पर फास्ट चार्जिंग स्टेशन स्थापित किए जाएंगे। इनमें सुभाष स्टेडियम परिसर, पुराना स्मार्ट सिटी ऑफिस परिसर, गांधी उद्यान, अनुपम गार्डन और जवाहर बाजार पार्किंग स्थल शामिल है। सभी स्थानों पर चार्जिंग स्टेशन सेटअप का पूरा खर्च कंपनी उठाएगी। इसके एवज में कंपनी चार्जिंग स्टेशन का संचालन करेगी।

राजधानी में यातायात व्यवस्था बनाने के लिए ट्रैफिक व निगम के अफसर करवाएंगे सर्वे

50 लाख के स्प्रिंट पोस्ट गायब, ट्रैफिक सिग्नल पर लेफ्ट-राइट टर्न बनाने नए सिरे से प्लानिंग

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

चौराहों के पास लेफ्ट व राइट टर्न की सुविधा देने के लिए लगाए गए स्प्रिंट पोस्ट गायब हैं। इसे लगाने पर निगम व ट्रैफिक पुलिस ने मिलकर दो साल पहले 50 लाख से ज्यादा खर्च किया था। ट्रैफिक व्यवस्था बनाने के लिए प्लास्टिक के पोस्ट भी लगाए थे। इससे लेफ्ट व राइट साइड आने-जाने वाले लोगों को सिग्नल बंद होने पर रुकने की जरूरत नहीं पड़ती थी। सिग्नल खुलने पर अव्यवस्था की स्थिति भी नहीं बनती थी। अभी स्प्रिंग पोस्ट गायब होने से लोग सिग्नल के पास अंतिम छोर तक जमे होते हैं, इससे सुविधा बाधित हो रही है।

हरिभूमि सरोकार

राजधानी में करीब 55 चौराहे ऐसे हैं, जहां दो साल पहले स्मार्ट सिटी और ट्रैफिक पुलिस ने मिलकर वाहन चालकों की सुविधा के लिए प्लास्टिक के स्प्रिंट पोस्ट लगवाए थे। इनको रात में प्रवेश करने वाले भारी वाहन चालकों ने नुकसान पहुंचाया। पाइपलाइन बिछाने के लिए प्रमुख चौराहों के पास की गई खोदाई के दौरान भी प्लास्टिक पोस्ट को 10 स्थानों से निकाला गया। जिन चौराहों पर यह अव्यवस्था की गई, उन सभी चौराहों की निगरानी इंटेलिजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम (आईटीएमएस) से की जाती है। इसके बाद भी लेफ्ट व राइट टर्न के लिए लगाए गए स्प्रिंट पोस्ट को तोड़ने वालों पर कोई कार्रवाई नहीं की गई। अब निगम द्वारा सभी प्रमुख सड़कों का डामरीकरण किया गया है। इसके चलते बचे हुए लेफ्ट व राइट टर्न को निकाल दिया है। अभी तक निगम व ट्रैफिक पुलिस के अधिकारी नए सिरे से प्लानिंग भी नहीं कर पाए हैं।

इन चौराहों से व्यवस्था गायब

पड़ताल के दौरान बंजारी वाले बाबा चौक के पास से भी राइट व लेफ्ट टर्न के लिए लगाया गया स्प्रिंट पोस्ट गायब मिला। अंबेडकर चौक के पास लेफ्ट व राइट टर्न के लिए लगाए गए प्लास्टिक के पोस्ट टूट-फूट के शिकार हैं। पंडरी चौक से केनाल रोड जाने के लिए टर्निंग के पास से स्प्रिंट पोस्ट गायब हो गया है। इसी तरह की स्थिति लोधीपारा चौक के पास भी देखने को मिली। जयस्तंभ चौक, कालीबाड़ी चौक, बिजली ऑफिस चौक के साथ फाफाडीह चौक पर भी लोगों की सुविधा के लिए बनाया गया सिस्टम ध्वस्त हो चुका है। इससे ऑटो चालक मनमाने तरीके से अब गाड़ी भी खड़ी करने लगे हैं।

चौक-चौराहों पर करवाएंगे काम

जिन-जिन चौराहों पर प्रस्तावित काम हो चुके हैं, ऐसे स्थानों पर दोबारा लेफ्ट व राइट टर्न की सुविधा देने के लिए सर्वे करवाया जाएगा। वहां स्थाई सुविधा के लिए प्लानिंग की जा रही है। इसके बाद व्यवस्था बनाने के लिए जरूरी काम करवाए जाएंगे।

- अबिनाश मिश्रा, आयुक्त, नगर निगम, रायपुर

वाहन चालक कर रहे मनमानी

कालीबाड़ी से बिजली ऑफिस चौक जाने वालों ही नहीं, बल्कि बिजली ऑफिस से महिला थाना की तरफ जाने वालों को भी अब सिग्नल पर रुकना पड़ रहा है। कालीबाड़ी चौक से पुलिस लाइन जाने वालों को भी सुविधा नहीं मिल रही है। यहां दिन में कई बार अव्यवस्था की स्थिति बनती है। इसी तरह फाफाडीह, शंकर नगर, लोधीपारा चौक के पास भी लेफ्ट व राइट टर्न की सुविधा वाहन चालकों को नहीं मिल रही है, क्योंकि सिग्नल बंद होने से जल्दी निकलने के चक्कर में आटो चालक आगे आ जाते हैं। इससे जिन लोगों को आगे नहीं जाना होता है, ऐसे वाहन चालक भी सिग्नल पर रुकने लगे हैं।

रेस्टोरेंट, ढाबा सहित 23 दुकानों में मिली गंदगी निगम ने लगाया जुर्माना

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

बारिश का सीजन शुरू होने के साथ शहर में नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम रेस्टोरेंट, ढाबा, होटल सहित अन्य दुकानों का औचक निरीक्षण कर सफाई व्यवस्था की जांच कर रही है। इस कड़ी में शुक्रवार को जोन-8 के बाजार क्षेत्र में ठेला गुमटी, ढाबा, रेस्टोरेंट सहित अन्य करीब 23 दुकानों की जांच की गई है। इस दौरान इन सभी जगह गंदगी पसरी मिली। निगम ने सभी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए उनसे कुल 10 हजार 2 सौ रुपए जुर्माना वसूल किया है। इस कार्रवाई में जोन स्वास्थ्य अधिकारी गोपीचंद देवांगन, कार्यसहायक रवि घृतलहरे, हेमंत दास मौजूद रहे।

निगम अमले ने हटवाए 30 ठेले

रायपुर। जनशिकायत मिलने पर नगर निगम आयुक्त अबिनाश मिश्रा एवं जोन-3 जोन कमिश्नर सुश्री प्रीति सिंह के निर्देश पर जोन नगर निवेश विभाग के सहायक अभियंता सुशील अहीर के नेतृत्व में उपअभियंता रंजीत बारवा की उपस्थिति में राजधानी शहर के पंडरी मुख्य मार्ग में एलआईसी ऑफिस से लोधीपारा चौक तक मार्ग के दोनों ओर अभियान चलाकर मार्ग को जनहित में जनसुविधा के लिए कब्जामुक्त कराया गया। इस दौरान कार्यवाही करते हुए 30 अवैध ठेलों को हटवाया गया। आगे भी अभियान मॉनिटरिंग करके चलाने एवं मार्ग को जनहित में जनसुविधा के लिए सुगम व सुव्यवस्थित बनाए रखने के निर्देश जोन अमले को दिए गए हैं।

अहाता के बाद भी शराब दुकानों के आसपास संचालित हो रहे चखना सेंटर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राजधानी सहित राज्य में खुले में शराब सेवन रोकने शराब दुकान के पास अहाता संचालित करने का ठेका दिया गया है, बावजूद इसके शहर के अलग-अलग स्थानों पर संचालित शराब दुकानों के पास लोग अब भी खुले में शराब सेवन कर रहे हैं। शराब दुकान के सौ मीटर के दायरे में चखना सेंटर संचालित करना प्रतिबंधित किया गया है, बावजूद इसके खमतराई, उरला सहित कई इलाकों में शराब दुकान के सौ मीटर के दायरे में चखना सेंटर संचालित किया जा रहा है।

गौरतलब है कि राजस्व में वृद्धि के साथ खुले में शराब सेवन रोकने अहाता संचालित करने ठेका देने पर शासन को करोड़ों रुपए का राजस्व मिला है। शहर में संचालित कई शराब दुकानों के भीतर शराब पीने वालों को बाहर से खाने-पीने के आयटम लाने पर अहाता संचालकों ने रोक लगा दी है।

बावजूद इसके शराब दुकान के बाहर कई ऐसी दुकान संचालित हो रही हैं, जहां लोग ठेले, खोमचे में जाकर खाने पीने का सामान खरीदने के साथ शराब सेवन कर रहे हैं।

- अब तक बैंक गारंटी जमा नहीं की अहाता संचालकों ने
- खाने-पीने के आयटम लाने पर अहाता संचालकों ने रोक लगा दी

मुनाफा की जगह हो रहा घाटा

अलग-अलग अहाता संचालकों से बात करने पर उन लोगों ने बताया कि उन लोगों ने कमाई की आस में ऊंची दर पर बोली लगाकर अहाता का ठेका ले लिया है, लेकिन उन्हें इससे मुनाफा की जगह घाटा हो रहा है। अहाता का ठेका जितनी दरों पर लिया गया है, उतनी दरों पर ठेका जाने की उम्मीद आबकारी अफसरों को भी नहीं थी। इसके कारण जिन लोगों ने अब तक बैंक गारंटी जमा नहीं की है, उन लोगों का अहाता का ठेका निरस्त नहीं किया गया है। ठेका निरस्त होने की स्थिति में ठेकेदार को नुकसान होने के साथ ही नए सिरे से ठेका देने पर आबकारी विभाग को जो पूर्व में बोली लगाई गई है, वह दर नहीं मिलेगी।

आधे से ज्यादा लोगों ने बैंक गारंटी जमा नहीं की

जिले में संचालित देशी-विदेशी शराब दुकानों के लिए 55 स्थानों पर अहाता संचालित करने ठेके दिए गए हैं। अहाता संचालित करने वालों को 15 मई तक दो महीने की बैंक गारंटी जमा करनी थी, लेकिन उनमें से आधे से ज्यादा लोगों ने अब तक बैंक गारंटी जमा नहीं की है। आबकारी अफसरों के मुताबिक वर्तमान में केवल 20 के करीब अहाता संचालकों ने बैंक गारंटी जमा की है।

- ऑपरेशन कराने मरीजों को निजी अस्पताल में पैसे खर्च करने की मजबूरी

एसीआई में एबीजी किट नहीं, तीन दर्जन से ज्यादा मरीजों की अटकी ओपन हार्ट सर्जरी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

राज्य के एकमात्र हृदय रोग के इलाज करने वाले एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में पिछले तीन माह से ओपन हार्ट सर्जरी नहीं हो पा रही है। इसकी एक प्रमुख वजह एबीजी किट को बताया जा रहा है जो कई डिमांड के बाद भी अस्पताल तक नहीं पहुंच पाई है। इस किट का उपयोग रक्त में ऑक्सीजन और कार्बन डाइआक्साइड की मात्रा को मापने के लिए किया जाता है।

हृदय की बीमारियों से पीड़ित कई मरीजों को एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट से राहत मिलती है, मगर इस एकमात्र सरकारी अस्पताल को सुविधायुक्त बनाने में अब तक विभाग सफल नहीं हो पाया है। राज्य में हृदय संबंधी शिकायतें बढ़ रही हैं और उपचार की सुविधा नहीं होने की वजह से मरीजों को निजी अस्पताल में जाकर रुपए खर्च करने पड़ रहे हैं। एसीआई की हार्ट सर्जरी विभाग में हर महीने बारह से पंद्रह ओपन हार्ट सर्जरी कर मरीजों की समस्या का समाधान किया जाता था, पिछले तीन माह से यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पा रही है। गंभीर स्थिति में इलाज के लिए आने वाले मरीजों के लिए इधर-उधर से इंतजाम किया जा रहा है अथवा उन्हें दूसरे अस्पताल जाकर अपना इलाज कराने की सलाह दी जा रही है। सूत्रों के मानें, तो अस्पताल से पिछले तीन माह में तीन दर्जन से ज्यादा मरीज ओपन हार्ट सर्जरी करवाने के लिए निजी अस्पताल की ओर जा चुके हैं। इसकी एक बड़ी वजह धमनी रक्त (एबीजी) परीक्षण करने के किट का अभाव है। अस्पताल सूत्रों का कहना है कि इसकी डिमांड काफी समय पहले की जा चुकी है, मगर किट की सप्लाई करने वाली सीजीएमएससी द्वारा अब तक इसकी सप्लाई नहीं की गई है। इसका खामियाजा मरीजों को भुगतना पड़ रहा है।

निजी अस्पताल में तीन लाख तक खर्च

ओपन हार्ट सर्जरी की सुविधा निजी अस्पतालों में भी इसके लिए वहां तीन से चार लाख रुपए तक खर्च करना पड़ता है। वहीं शासकीय अस्पताल में आयुष्मान योजना के तहत मरीजों पर इलाज के लिए कोई आर्थिक भार नहीं पड़ता। ऑपरेशन बंद होने की वजह से अभी मरीजों को इतनी बड़ी रकम इलाज के लिए खर्च करनी पड़ रही है।

एनीस्थिया के डाक्टर भी नहीं

इस संस्थान की एकमात्र एनीस्थिसिया डाक्टर के छह माह पहले इस्तीफा दे दिया था। तब से दूसरी नियुक्ति नहीं हो पाई है, जिसका असर भी मरीजों के ऑपरेशन पर हुआ है। आवश्यकता होने पर चिकित्सकों द्वारा दूसरे अस्पतालों से प्रति ऑपरेशन की दर से राशि का भुगतान कर एनेस्थेटिस्ट बुलाए जाते हैं। कई बार उनकी व्यस्तता की वजह से मजबूरी में सर्जरी कैंसिल भी करनी पड़ती है।

मॉड्यूलर ओटी बनाने अब तक टेंडर नहीं

एडवांस कार्डियक इंस्टिट्यूट में दो एक करोड़ से अधिक राशि खर्च कर बनाए जाने वाले ऑपरेशन थियेटर का सिविल वर्क काफी समय पूरा हो चुका है, मगर इसे मॉडयूलर बनाने का काम अब तक प्रारंभ नहीं किया जा सका है। निर्माण की जिम्मेदारी सीजीएमएसी के पास है और मॉडयूलर ओटी बनाने एजेंसी तय की जानी है, जिसका टेंडर अब तक जारी नहीं किया जा सका है।

कोई चारा नहीं

जिन मरीजों को शीघ्र ही ओपन हार्ट सर्जरी की आवश्यकता होती है, उन्हें दूसरे अस्पताल जाने की सलाह देने के अलावा कोई चारा नहीं है। सर्जरी के लिए जांच आवश्यक होती है, जिसके नहीं होने की वजह से ऑपरेशन नहीं हो पा रहे हैं।

- डॉ. कृष्णकांत साहू, सर्जन, सीटीवीएस विभाग एसीआई

- निर्माणाधीन मकान में लोगों की आंखों के सामने दौड़ते हुए सीढ़ियों के रास्ते ऊपर चढ़ी और पलक झपकते ही कूद गई
- घटना टिकरापारा थाना क्षेत्र के बोरियाखुर्द की

मानसिक रूप से कमजोर महिला ने आठवें माले से कूद कर की खुदकुशी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

टिकरापारा थाना क्षेत्र के बोरियाखुर्द में शुक्रवार दोपहर एक महिला द्वारा निर्माणाधीन बिल्डिंग के आठवें माले से कूदकर खुदकुशी करने की घटना सामने आई है। पुलिस के अनुसार महिला मानसिक रूप से बीमार थी, आत्महत्या के कारणों का अब तक पता नहीं चल पाया है। परिजनों से पूछताछ के बाद आत्महत्या के काराण का पता चल पाएगा।

पुलिस के मुताबिक आरडीए कालोनी में रहने वाली 41 वर्षीय अविवाहित शबनम बानो ने निर्माणाधीन मकान की छत से कूदकर खुदकुशी कर ली। ऊंचाई से सिर के बल गिरने की वजह से महिला का सिर फटने से मौके पर ही मौत हो गई। घटना दोपहर 12 बजे के करीब है। महिला अपने परिवार वालों के साथ हती थी।

पुलिस ने लाश अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मरचुरी रवाना कर दी है।

देखते ही देखते महिला छत पर चढ़कर कूद गई

प्रत्यक्षदर्शियों ने पुलिस को बताया कि वे मौके पर खड़े थे, इसी दौरान एक महिला दौड़ते हुए निर्माणाधीन बिल्डिंग की सीढ़ियों में चढ़ने लगी। लोग कुछ समझ पाते इसके पहले महिला ने बगैर किसी तरह की आवाज किए छत से लोगों की नजरों के सामने कूद गई। मौके पर उपस्थित लोग मौके पर पहुंचे, तब तक महिला मर चुकी थी। इसके बाद लोगों ने घटना की जानकारी पुलिस तथा मृतक के परिजनों को दी।

- तेलीबांधा थाना क्षेत्र में दो वर्ष पूर्व की घटना

खाने-पीने के विवाद पर दादा की हत्या, उम्रकैद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

तेलीबांधा थाना क्षेत्र के सीमा नगर में दो वर्ष पूर्व शादी समारोह में खाने-पीने के विवाद पर पोता द्वारा अपने दादा की हत्या करने के आरोप में कोर्ट ने आरोपी को आजीवन कारावास के साथ डेढ़ हजार रुपए जुर्माना लगाया है। जुर्माने की राशि नहीं पटाने पर कोर्ट ने आरोपी को अतिरिक्त तीन माह कैद की सजा सुनाई है।

मामले की सुनवाई अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश वंदना दीपक देवांगन की कोर्ट में हुई है। लोक अभियोजक राजेंद्र जैन के मुताबिक तुलसी मोंगराज की हत्या के आरोप में कोर्ट ने श्रीपति मोंगराज उर्फ डॉक्टर को कैद तथा जुर्माने की सजा सुनाई है। लोक अभियोजक के मुताबिक श्रीपति ने 10 मार्च 2022 को तुलसी की हत्या की थी। घटना दिनांक को शाम साढ़े सात बजे दोनों परिवार के शादी समारोह में भोजन कर रहे थे। इसी दौरान खाने-पीने की बात को लेकर दोनों के बीच विवाद हो गया। इसी विवाद के चलते श्रीपति ने लोहे के खोरपा से तुलसी के चेहरे पर वार कर गंभीर रूप से घायल कर दिया, जिसकी अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई।

खबर संक्षेप

पेंशनधारी कल्याण संघ की मासिक बैठक 30 को

तिल्दा नेवरा। छत्तीसगढ़ पेंशनधारी कल्याण संघ तहसील शाखा तिल्दा के समस्त सेवानिवृत्त साथियों की नियमित मासिक बैठक प्रत्येक माह की अंतिम दिवस को सम्पन्न होती है इसी परिपेक्ष्य में इस माह की नियमित मासिक बैठक 30 जून रविवार को दोपहर 1:00 बजे कर्मचारी भवन तिल्दा में आयोजित की गई है।पिछले माह की नियमित मासिक बैठक अत्यधिक गर्मी के कारण स्थगित कर दी गई थी, अतः इस बैठक में पिछले और इस माह जिनका जन्मदिन पड़ रहा है उनका इस माह एक साथ जन्मदिन मनाया जाएगा। संघ तहसील शाखा अध्यक्ष रामावतार पांडेय, सचिव सेवादास वैष्णव ने बैठक में शामिल होने की अपील की है।

लंबित प्रकरणों की सुनवाई प्रतिदिन दोपहर दो बजे से

आरंग। लंबे समय से विभिन्न कारणों से लंबित प्रकरण की सुनवाई एसडीएम कार्यालय आरंग में नही हो पा रहा था। इसी को ध्यान में रखते हुए शुक्रवार को तदर्थ अधिवक्ता संघ आरंग सहित मातृ संस्था जिला अधिवक्ता संघ रायपुर और जिला अधिवक्ता संघ महासमुंद के अधिवक्तागण के साथ प्रकरण के सुनवाई नियत समय पर तय किए जाने व समस्या निराकरण हेतु आरंग एसडीएम को आवेदन पत्र दिया गया। आवेदन पत्र पर विचार कर प्रकरण की सुनवाई हेतु एसडीएम पुष्पेंद्र शर्मा द्वारा प्रत्येक कार्य दिवस के दोपहर 2 बजे का समय निर्धारित किया गया है।

बोली मीनल- महापौर ने पहले ही हार मान ली

रायपुर। नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने महापौर एजाज ढेबर और कांग्रेस पार्षदों के द्वारा नगरीय निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में परिणाम अनुकूल नहीं आने के कारण महापौर घबरा गये हैं और अनर्गल मांग कर रहे हैं। शहर की जनता जागरूक जनता है और आधुनिक तकनीक से अपने जीवन को आसान बना रही है। नगर निगम से विभिन्न पेंशन योजना का लाभ भी हितग्राही एटीएम कार्ड के माध्यम से ले रही है। ऐसे में जनता को पीछे ढकेलने की सोच समझ से परे है। ईवीएम से एक भी वोट व्यर्थ नहीं जाता है। बैलेट पेपर से चुनाव की मांग से यह स्पष्ट है कि महापौर नगरीय निकाय चुनाव में भी चुनाव से पहले ही हार मान लिए हैं। निष्पक्ष चुनाव से घबरा रहे हैं।

मुख्यमंत्री निवास में अयोध्या में श्रद्धालुओं की सेवा करके लौटे रामभक्तों का किया स्वागत

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

6 समितियों को शॉल, श्रीफल एवं एवं श्री रामलला की धातु की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अयोध्या से श्रद्धालुओं की सेवा कर लौटे प्रदेश के सभी राम सेवकों का अपने निवास परिसर में स्वागत एवं अभिनंदन किया। अयोध्या में शबरी प्रसादालय के माध्यम से 60 दिनों तक रामभक्तों के लिए निःशुल्क भंडारे का आयोजन करने वाली छत्तीसगढ़ की 6 समितियों को शॉल, श्रीफल एवं एवं श्री रामलला की धातु की मूर्ति भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर मुख्यमंत्री श्री साय ने अयोध्या में 60 दिनों तक रामभक्तों की सेवा करनेवाली तिल्दा नेवरा की शिवमहापुराण समिति सहित सभी 6 समिति के सदस्यों के साथ भोजन भी किया। इस दौरान समारोह में कुछ देर के लिए भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव भी सम्मलित हुए और उन्होंने सभी समितियों का उत्साहवर्धन किया और उनके निःस्वार्थ सेवा भाव की जमकर प्रशंसा की।

धर्मलाल कौशिक ने सेवकों की सराहना की

सम्मान समारोह में विधायक एवं अयोध्या दर्शन समिति के संयोजक धर्मलाल कौशिक ने सभी समितियों की सेवा भाव की प्रशंसा करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ के लिए सम्मान की बात है 6 समितियों ने अयोध्या जाकर पूरी निष्ठा और लगन के साथ रामभक्तों की सेवा की। अयोध्या दर्शन समिति की सहसंयोजक एवं भाजपा की प्रदेश उपाध्यक्ष श्रीमती लक्ष्मी वर्मा ने कहा छत्तीसगढ़ प्रभू श्रीराम का ननिहाल है और हम सब अत्यंत ही सौभाग्यशाली हैं की हमे अयोध्या जाकर रामभक्तों की सेवा का अवसर प्राप्त हुआ।

ये रहे शामिल

शिव महापुराण सेवा समिति के घनश्याम अग्रवाल और महेश अग्रवाल ने बताया कि दिनांक 24 जनवरी से 24 मार्च तक छत्तीसगढ़ की 6 समितियों ने अयोध्या में लगभग 4 लाख रामभक्तों को तीनो समय का निःशुल्क भोजन उपलब्ध कराया था। इस दौरान अयोध्या दर्शन समिति के सदस्य विधायक संपत अग्रवाल, डॉ ललित मखीजा, वीरेंद्र श्रीवास्तव, रामलखन पैकरा सहित शिव महापुराण सेवा समिति तिल्दा नेवरा के घनश्याम अग्रवाल, पूर्व नगरपालिका अध्यक्ष महेश अग्रवाल, रामगोपाल मुनका, देवेंद्र अग्रवाल, सूरजनारायण शर्मा, रमेश रिंकू अग्रवाल, कौशल वर्मा आदि उपस्थित थे।

शिक्षा सत्र : शिक्षकों ने शिक्षा की महत्ता बता पढ़ाई की प्रेरणा दी

कन्या शाला प्रवेशोत्सव में छात्राओं ने सरस्वती वंदना कर गाया राजकीय

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

शासकीय कन्या उच्चतर माध्यमिक विद्यालय आरंग में शाला प्रवेश उत्सव हर्षोल्लास मय मनाया गया कार्यक्रम का प्रारंभ मां सरस्वती एवं मां भारती के छायाचित्र पर पूजा अर्चना के साथ अतिथियों के करकमलों द्वारा किया गया। सरस्वती वंदना मोनिका साहू व साथियों द्वारा प्रस्तुत की गई। छत्तीसगढ़ राज्य के सम्मान में राजकीय गीत व अतिथियों के सम्मान में अतिथि स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। अतिथि स्वागत पुष्पहार तथा भाषण से संस्था की प्राचार्या सरोजनी केरकेट्टा ने अतिथियों का सम्मान करते हुए नवप्रवेशी छात्रें के साथ सभी छात्रें को विद्यालय विशेष की अनुशासन तथा पठन–पाठन को बेहतर बनाते हुए जीवनोपयोगी बहुत सारी बातों को रखी। साथ ही विद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रओं को प्रेरणा मानकर सभी विद्यार्थियों के लिए इसी तरह के उत्कृष्ट प्रदर्शन करने कामना की। इस अवसर पर नव प्रवेशी छात्रओं को मुंह मीठा करा करके तथा पाठ्य पुस्तक एवं गणेश वितरण कर तिलक चंदन वंदन के साथ अतिथियों द्वारा सम्मान किया गया। इस अवसर पर चंद्रकला साहू भूतपूर्व शाला विकास प्रबंधन समिति के अध्यक्षा ने अपने उद्बोधन से विद्यार्थियों को संबल देते हुए उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सभी विद्यार्थियों को प्रतिदिन विद्यालय आने व शिक्षकों के सानिध्य में बतायें गये राह में चलने प्रेरित की। उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाली छात्रओं को दानदाताओं व विद्यालय की ओर से रजत पदक व सम्मान प्रदान किया गया। शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर अध्यक्ष नगर पालिका परिषद आरंग चन्द्र शेखर चंद्राकर ने अपने श्रीमुख से सभी विद्यार्थियों को विद्यालय प्रवेश पर बधाई प्रेषित करते हुए विद्यालय, नगर, माता–पिता को गौरवान्वित करने तथा विद्या मंदिर में पढ़ायें गये व शिक्षकों के मार्गदर्शन में अपने जीवन को बेहतर बनाने की प्रेरणा प्रदान किये। विद्यालय की नेहा जलक्षत्री, सरिता अजगर व भूमिका जलक्षत्री ने अपने–अपने विचार रखते हुए विद्यालयीन जीवन के विभिन्न बातों को रखी। वक्ता छात्रओं ने विद्यार्थियों जीवन के बेहतरीन भविष्य के निर्माण के लिए सशक्त साधन विद्यालय व शिक्षकों को बतायें।

बांसटाल स्कूल में न्योता भोज का किया आयोजन

तिल्दा नेवरा। शासकीय बांसटाल स्कूल क्रमांक 1 तिल्दा में न्योता भोज का आयोजन अग्रवाल आभूषण के तत्वावधान में शुक्रवार को किया गया। उल्लेखनीय है- अग्रवाल परिवार के विशाल व श्रेया अग्रवाल की वैवाहिक वर्षगांठ के उपलक्ष्य में यह आयोजन किया गया। न्योता भोजन पाकर सभी बच्चे प्रफुल्लित हुए। इस अवसर पर बीएनबी विद्यालय के प्राचार्य राजेश चंदानी सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक शिक्षिकाएं , जनप्रतिनिधि एवं गणमान्य नागरिक गण उपस्थित हुए।

प्रवेशोत्सव में बच्चों का स्वागत किया

अभनपुर। बजरंग दास पूर्व माध्यमिक शाला अभनपुर में शाला प्रवेशोत्सव हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर उपस्थित अथितियो द्वारा बच्चो को फूल भेंट, तिलक लगाकर एवं मिठाई खिलाकर स्वागत किया गया। इस दौरान खोरपा तहसीलदार राममूर्मि दीवान,शाला प्रबंधन समिति अध्यक्ष घासु राम साहू उपाध्यक्ष कपूर भारती,प्राचार्य श्रीमति इला सेंगर ,संकुल समन्वय सीताराम यादव बतौर अतिथि उपस्थित रहे।

उपस्थित अतिथियो ने बच्चो को गणवेश व कॉपी पेन वितरण कर कहा कि शिक्षा मे अनुशासन बहुत ही आवश्यक है अनुशासन से ही विद्यार्थी की पहचान होती है पढ़ाई के साथ-साथ खेलकूद सहित अन्य गतिविधियो मे भाग लेने से मानसिक व शारीरिक विकास होता है। प्रवेशोत्सव के दौरान न्योता भोज का भी आयोजन किया गया। इस मौके पर प्रधानपाठिका श्रीमती जानकी साहू,शिक्षक श्रीमती सुलोचनी वर्मा, श्रीमती अम्म्बी कोसरिया,नेहा साहू, शशि ध्रुव, अहिल्या तिवारी,श्रीमती इंदिरा सिन्हा,पालकगण सहित छात्र छात्राऐ मौजूद रहे।

लखौली के प्रवेशोत्सव में मिठाई और किताबें बांटीं

आरंग। गुरुवार को शासकीय प्राथमिक शाला भाटापारा लखोली में नई शिक्षा सत्र 2024–25 के नवप्रवेशी छात्रें को तिलक लगाकर मिठाई, चॉकलेट, बिस्कुट, खिलाकर पाठ्य पुस्तक, स्टेशनरी सामग्री व गणवेश प्रदान कर स्वागत किया गया। प्रवेश उत्सव में केसरी चंद्राकर सरपंच, राज्यश्री गुप्ता नोडल प्राचार्य शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय लखोली तथा शाला प्रबंधन विकास समिति के अध्यक्ष राकेश कुमार लहरी, पलक सदस्य ज्योति साहू, धनेश्वरी साहू व अन्य पलकों तथा शिक्षिका उर्वशी चौहान, पार्वती भगत की उपस्थिति गरिमा मय रही। नोडल प्राचार्य व संस्था प्रमुख रमेश कुमार यादव व सरपंच के द्वारा छात्रें के सवांर्गीण विकास के लिए आशीष शुभकामनाएं दी। तत्पश्चात शाला प्रांगण में वृक्षारोपण किया गया। मध्यान भोजन (न्योता भोज) संस्था प्रमुख द्वारा खीर, पुरी, सेव, बूंदी, बालूशाही, गुलाब जामुन, केला, अचार, पापड़, सलाद, आदि खिलाकर शाला प्रवेश उत्सव बड़े ही हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

देवरी स्कूल में प्रवेशोत्सव एवं न्योता भोज से बच्चे हुए खुश

धरसींवा। ग्राम पंचायत देवरी के शासकीय स्कूल में शाला प्रवेश उत्सव मनाया गया. इस कड़ी में विधान सभा के निलजा, सहित कई स्कूलों में प्रवेश उत्सव मनाया गया. इस दौरान छात्रों को तिलक, पुष्पगुच्छ और पुस्तक भेंट कर शाला प्रवेश कराया गया इन सभी जगहों पर धरसींवा विधायक अनुज शर्मा ने उपस्तिथ हो कर बच्चो का हौसला बढ़ाया इस अवसर पर ग्राम पंचायत देवरी स्कूल में भोज का भी कार्यक्रम रखा गया इस अवसर पर भारी संख्या में पालक और भाजपा कार्यकर्ताओं की उपस्थिति रही।वही ग्राम पंचायत बरतनारा में भी शाला प्रवेश उत्सव के साथ भोज कार्यक्रम रखा गया था।

शाला प्रवेश उत्सव कार्यक्रम के तहत ग्राम देवरी हाई स्कूल में शाला विकास समिति और स्थानीय जनप्रतिनिधियों समेत धरसींवा विधायक श्री अनुज शर्मा भी शामिल हुए. विधायक ने छात्रों को तिलक लगाकर शाला प्रवेश कराया। वही नव प्रवेश बच्चो को गणवेश वितरण किया गया इस अवसर पर विधायक अनुज शर्मा ने शिक्षा के स्तर में सुधार लाने के लिए शिक्षकों की कमी को दूर करने की भी बात कही और सभी बच्चों को शुभकामनाएं देता हूं और साथ ही शिक्षकों को भी शुभकामनाएं देता हूं, जो स्कूल खुलते ही शाला प्रवेश का कार्यक्रम किया गया है. जिससे बच्चों में पढ़ाई लिखाई को लेकर एक उत्साह देखने को मिल रहा है. अभिभावक और शिक्षकों, दोनों को ही बच्चों का मार्गदर्शन करना चाहिए।

इनकी भी रही उपस्थिति

जिला पंचायत सदस्य राकेश यादव,मण्डल अध्यक्ष डाक्टर के के वर्मा, ग्राम के सरपंच अशोक मेहर, सौम्य कुमार, सरपंच परसतराई हेमंत वर्मा, युवा मोर्चा अध्यक्ष टीनू कांत वर्मा,राजेन्द्र साहू सरपंच प्रतिनिधि,शाला **Reply** समिति अध्यक्ष मिथलेश वर्मा,बद्री वर्मा,भोज वर्मा, सहित ग्रामवासियों की बड़ी संख्या में उपस्थिति रही।

कर्मा विद्यालय समोदा में प्रवेशोत्सव की धूम

आरंग। कर्मा विद्यालय समोदा में नवप्रवेशी बच्चो के लिए प्रवेश उत्सव भव्य रूप से मनाया। जिसमे मुख्य अतिथि सृजल साहु नायब तहसीलदार समोदा द्वारा मां सरस्वती के चित्र पर माल्यार्पण कर पुजा अर्चना कर नवप्रवेशी बच्चो का मिठाई खिलाकर मुंह मीठा कराया गया। साथ ही बच्चों को पुस्तक, पेंसिल भेट करते हुए प्रोत्साहित किया गया। विद्यालय प्रबंधन द्वारा गुणवत्ता पूर्ण अच्छी शिक्षा का आ"वासन दिया गया। तत्पश्चात सृजल साहु का मेंमेंटो व श्रीफल देकर सम्मान किया गया। इस अवसर पर नंदकुमार साहु, सुनीता साहु, घनश्याम साहु, प्रकश साहु, नवसाकार फाउंडेशन समिति के पुजा साहु, टिके"वरी मानिकपुरी, खिलेश्वरी साहु, सुमन चक्रधारी, सोमनाथ साहु, शिक्षकगण पालकगण भगवती ध्रुरवंशी, यादराम साहु, तुलाराम निशाद, छबीराम साहु, रानू साहु, सुलोचना साहु, केयर टेकर तथा स्कूली बच्चे अधिक संख्या में उपस्थित होकर नवप्रवेशी उत्सव मनाया गया।

केमिस्टों को ऑनलाइन ड्रग लाइसेंस प्रक्रिया बताई गई

हरिभूमि न्यूज ⏭ आरंग

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र आरंग में खाद्य एवं औषधि प्रशासन रायपुर द्वारा विकासखंड आरंग में स्वास्थ्य विभाग एवं केमिस्ट एसोसिएशन के सहयोग से "आनलाईन नेशनल ड्रग लाइसेंस सिस्टम" की कार्यशाला का आयोजन किया गया। जिसमें औषधि निरीक्षक प्रीति उपध्याय ने ब्लॉक के सभी औषधि अनुज्ञप्तिधारीयो को ओएनडीएलएस पोर्टल के माध्यम से ऑनलाइन ड्रग लाइसेंसिंग सिस्टम से संबंधित जानकारी प्रदान की। साथ ही नारकोटिक एवं साइकॉट्रॉपिक दवाइयां के क्रय विक्रय रिकॉर्ड संधारण के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गई। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ केंद्र आरंग के बीएमओ डॉ वी.एल. अनंत ने केमिस्टों को कई महत्वपूर्ण जानकारियां देते हुए गर्भवती महिलाओं को अपना पंजीयन सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में कराने के लिए प्रेरित करने का आग्रह किया ताकि जच्चा बच्चा के वैक्सिनेशन में दिक्कत ना हो। नए सॉफ्टवेयर के संदर्भ में केमिस्टों को विस्तार से जानकारी प्रदान की गई तथा केमिस्टों के शंकाओं का समाधान भी किया गया। औषधि निरीक्षक ने कहा कि अगर उन्हें इसके बाद भी कोई परेशानी आती हो तो वे विभाग की मदद ले सकते हैं। उन्होंने सदस्यों से कहा कि एक माह के अंदर अपनी दुकान के दस्तावेज अपलोड कर दें। इस अवसर पर सामुदायिक स्वास्थ के बीपीएम दीपक मीरे, महेश चंद्रकार, वरिष्ठ केमिस्ट विनोद गुप्ता, ब्रजेश सोनी, संतोष चंद्राकर, मनोज चंद्राकर सहित अंचल के केमिस्ट उपस्थित थे।

गर्मी और उमस ने किया बेहाल वर्षा की प्रतीक्षा

आरंग। इन दिनों भारी गर्मी और उमस से लोग काफी परेशान है। प्रदेश में मानसून दस्तक दे चुके हैं। पर तेज गर्मी और नमी भरी मौसम में उमस से लोगों को काफी परेशानी हो रही है। दिनभर लोगों का पसीना बह रहा है। बिना पंखे समय व्यतीत करना मुश्किल हो रहा है। हालाकि कहीं–कहीं बारिश भी हो रही है पर उमस भरी गर्मी से लोग काफी हलाकान है। वहीं मौसम परिवर्तन से लोगों का स्वास्थ्य बिगड़ रहा है। लोगों को अच्छी बारिश का बेसब्री से इंतजार है।

झमाझम हुई बारिश घरों में घुसा पानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ तिल्दा नेवरा

शुक्रवार की शाम से नगर में जमकर बारिश हो रही है, और इस तरह की पहली ही झमाझम बारिश ने शहर की सफाई व्यवस्था की पोल खोलकर रख दी है, नालियां जाम पड़ी है सफाई नहीं होने से बरसात का पानी लोगो के घरों में घुस रहा है। तिल्दा के वार्ड 15 निवासी नागरिक पीएस संतोष, सेवियर जी के घर में बरसात का पानी घुस गया, देर शाम तक टुल्लू पंप लगाकर पानी की निकासी उनके द्वारा की जा रही है।

उन्होंने बताया की घर में पानी घुसने की जानकारी उनके द्वारा तत्काल नगर पालिका के अधिकारियों को दी गई लेकिन देर शाम तक कोई देखने तक नहीं आया। पीड़ित परिवार किसी तरह टुल्लू पंप के सहारे बरसात का पानी निकालने मजबूर है।

सरल संगीत मानस मंडली की प्रस्तुति ने किया भावविभोर

आरंग। मां कौशिल्या जिला मानस संघ एवं राजा मोरध्वज मानस शक्ति केंद्र आरंग से संबद्ध उभरते हुए सरल संगीत मानस मंडली ने हीरालाल साहू और अशोक साहू के मार्गदर्शन में छत्तीसगढ़ अंचल के कांकेर, बालोद, राजनांदगांव, दुर्ग, धमतरी, महासमुंद, बेमेतरा, कवर्धा, बलौदा बाजार, गरियाबंद जिलों के विभिन्न गांवों के प्रतियोगिता मंच, श्री रामचरित मानस सम्मेलन मंच, अखंड रामायण मंच में शबरी प्रसंग, केवट प्रसंग, रामजन्म कथा, अहिल्या उद्धार, धनुष यज्ञ, शिव पार्वती विवाह आदि कथा प्रसंगों को छत्तीसगढ़ी बोली में मधुर गीत–संगीत व भजनों के माध्यम से श्रोताओं को आनंदित किया। श्रोतागण भी भाव–विभोर होकर भगवान की कथा श्रवण किए तथा बड़ी श्रद्धा से भगवान की भक्ती में झूमने लगे। रामचरित मानस के प्रति जनमानस की आस्था ने सत्संग की शोभा को और भी बढ़ा दिया। टोकेश साहू मानस शक्ति केंद्र आरंग के मीडिया प्रभारी ने बताया कि इस मंडली को भिन्न भिन्न मंचो के आयोजक समितियों द्वारा प्रशस्ति पत्र भेंट कर प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्रदान किया गया। सरल संगीत मानस मंडली के संचालक व मुख्य गायक परमानंद जलक्षत्री और व्याख्याकार अवध विश्वकर्मा है तथा पारंपरिक लोकगीतों व भजनों में अपनी मधुर वाद्ययंत्रें की प्रस्तुति प्रदान करने वाले साथी कलाकारों में तबला वादक दौलत राम साहू, बेंजो वादक अशोक साहू, बांसुरी वादक सुरेश अग्निहोत्री, ढफली व घुंघरू हरक राम सभी ने बखूबी संगत प्रदान किया।

एआईसीसी को रिपोर्ट सौंपेंगे, फिर बड़े नेता निर्णय करेंगे : मोइली

मोइली ने कहा- चुनावों में हार की समीक्षा से मजबूत होगी कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कर्नाटक के पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा, छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर आगामी दिनों की रणनीति भी तैयार की जाएगी। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत करना है। बड़े चेहरों और स्थानीय चेहरों को मजबूत करने के लिए आए हैं। बैठक के बाद रिपोर्ट सौंपेंगे, फिर बड़े नेता निर्णय करेंगे। रायपुर पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से चर्चा में वीरप्पा मोइली ने कहा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था, क्योंकि छत्तीसगढ़ में कई बेहतरीन लीडरशिप है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस से कहां गलती हुई, इसका पता लगाएंगे।

पहले दिन दो लोकसभा की बैठक और बड़े नेताओं के साथ अलग से करेंगे। बैठक में सचिन पायलट भी रहेंगे। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने बहुत अच्छा काम किया है। हमारी लीडरशिप बहुत अच्छी है। राज्य में ग्रासरूट लेवल पर भी हमने बेहतर काम किया है। आखिर गलती कहां हुई? इसका हम पता लगाएंगे।

ये भी रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू की मौजूदगी में शुरू हुई। कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मोहम्मद अकबर, उमेश पटेल, अमरजीत भगत, गुरू रूद्र कुमार, प्रेमसाय सिंह, डॉ. शिव डहरिया, अमितेश शुक्ला, छाया वर्मा, विकास उपाध्याय, राजेंद्र तिवारी, राजेश तिवारी, शैलेष नितिन त्रिवेदी, प्रभारी सचिव चंदन यादव, विजय जांगिड़ भी मौजूद थे।

हार का ठीकरा बड़े नेताओं पर फूटा

कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचने पर दोपहर 3 बजे से प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। पहली बैठक में वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी ने वरिष्ठ नेताओं से यह जाना कि चुनाव में किस कारण हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पांच साल सरकार के दौरान कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दिए जाने और जो कार्यकर्ता अपनी बात रखने की कोशिश करता, उन्हें प्रताड़ित करने को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, संगठन में अंदरूनी गुटबाजी हावी रही, लोग एक दूसरे पर खुलेआम आरोप लगाकर पार्टी की छवि को कमजोर करने का काम करते रहे। वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर बड़े नेताओं पर हार का ठीकरा फोड़ा। कवासी लखमा ने बस्तर चुनाव में हार को संगठन के नेताओं में आपसी गुटबाजी को बताया। उन्होंने कहा वहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता एक दूसरे के खिलाफ ही षड्यंत्र को जिम्मेदार बताया।

न्यायालय तहसीलदार तिल्दा–नेवरा
जिला रायपुर (छ.ग.)
//उद्घोषणा//

आवेदक श्री संतराम यादव पिता स्व. श्री भुख्ड राम यादव निवासी - ग्राम नकटी (खपरी) पा. मढ़ी थाना व तहसील तिल्दा-नेवरा जिला रायपुर छ०ग० द्वारा अपने पुत्र स्व. श्री दानी राम यादव जो जिला पुलिस बल रायपुर में आरक्षक के पद पर पदस्थ थे। जिनकी मृत्यु दिनांक 10.08.2023 को हो गई है। एवं उनकी पत्नि दीपिका यादव की मृत्यु 15.04.2021 को हो गई हैं । पिता की मृत्यु के पश्चात उनके 07 वर्षीय पुत्र नभ्य यादव को जिला पुलिस बल रायपुर में बाल आरक्षक के पद पर अनुकम्पा नियुक्त हुई है। किन्तु नाबालिक होने के कारण उनके वेतन एवं पेंशन प्राप्त करने हेतु भारतीय स्टेट बैंक शाखा तिल्दा में बैंक खाता खोलने हेतु पालक नियुक्ति / संरक्षक प्रमाण पत्र की मांग आवेदक से की गई हैं। आवेदक द्वारा आवेदन माननीय न्यायालय द्वारा कलेक्टर के समक्ष आवेदन प्रस्तुत किया गया हैं।

तहसीलदार
तिल्दा नेवरा, जिला रायपुर (छ.ग.)

खबर संक्षेप

एसबीआई जोन ऑफिस प्रबंधन ने 16 लाख से अधिक बकाया राशि का किया भुगतान

रायपुर। संपत्ति कर बकाया राशि वसूली अभियान के तहत शुक्रवार को नगर निगम के राजस्व विभाग ने शुक्रवार को पंडित भगवतीचरण शुक्ल वार्ड क्रमांक 57 में बड़े बकायेदारों से बकाया राशि वसूली करने अभियान चलाया। इस दौरान एसबीआई जोन ऑफिस प्रबंधन से 16 लाख 338 हजार 994 रुपए की बकाया राशि वसूल की। प्रबंधन ने चेक के माध्यम से बकाया राशि का भुगतान किया।

2 बकायेदारों को 3 दिन की मोहलत, नहीं तो करेंगे सील

राजस्व टीम ने अभियान के दौरान वार्ड 57 और वार्ड 35 में दो बड़े बकायेदारों को नोटिस थमाया है। इस नोटिस के जरिए चेतावनी दी गई है कि अगर 3 दिन के भीतर बकाया राशि का भुगतान नहीं किया जाता है तो तालाबंदी की कार्रवाई की जाएगी। इनमें एक बकायेदार पर 34 लाख 12 हजार एवं दूसरे पर 5 लाख 93 हजार रुपए बकाया है।

छत्तीसगढ़ को मिला सम्मान

रायपुर। विज्ञान भवन नई दिल्ली में आयोजित आयुष्मान भारत, गुणवत्ता स्वास्थ्य कार्यक्रम के अंतर्गत राज्य के बलौदाबाजार के आयुष्मान आरोग्य मंदिर उप स्वास्थ्य केन्द्र सहसा व जिला चिकित्सालय कोंडागांव की टीम का दिल्ली में सम्मान किया गया। विदित हो कि स्वास्थ्य सेवाओं के गुणवत्ता पूर्ण प्रदायगी व राष्ट्रीय स्तर कड़े मानकों पर खरा उतरने वाले अस्पतालों को ही केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय द्वारा गुणवत्ता प्रमाणपत्र जारी किए जाते हैं। छत्तीसगढ़ के स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों कर्मचारियों ने अभूतपूर्व प्रदर्शन करते हुए बेहतर स्वास्थ्य सेवा प्रदायगी व अस्पताल की सेवाओं और संतुष्टि स्तर पर खरा उतरते हुए यह सम्मान प्राप्त किया है । आयुष्मान भारत, गुणवत्त स्वास्थ्य कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्य मंत्री, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय, अनुप्रिया पटेल द्वारा सम्मान प्राप्त सभी राज्यों के प्रतिनिधियों को सम्मानित किया गया ।

बोलीं मीनल- महापौर ने पहले ही हार मान ली

रायपुर। नगर निगम की नेता प्रतिपक्ष मीनल चौबे ने महापौर एजाज ढेबर और कांग्रेस पार्षदों के द्वारा नगरीय निकाय चुनाव बैलेट पेपर से कराने की मांग को लेकर प्रतिक्रिया दी है। उन्होंने कहा, विधानसभा और लोकसभा चुनाव में परिणाम अनुकूल नहीं आने के कारण महापौर घबरा गये हैं और अनर्गल मांग कर रहे हैं। शहर की जनता जागरूक जनता है और आधुनिक तकनीक से अपने जीवन को आसान बना रही है। नगर निगम से विभिन्न पेंशन योजना का लाभ भी हितग्राही एटीएम कार्ड के माध्यम से ले रही है। ऐसे में जनता को पीछे ढकेलने की सोच समझ से परे है। ईवीएम से एक भी वोट व्यर्थ नहीं जाता है। बैलेट पेपर से चुनाव की मांग से यह स्पष्ट है कि महापौर नगरीय निकाय चुनाव में भी चुनाव से पहले ही हार मान लिए हैं। निष्पक्ष चुनाव से घबरा रहे हैं।

नगरीय निकाय चुनाव बैलेट से कराने की मांग

रायपुर। महापौर एजाज ढेबर समेत कांग्रेसी पार्षदों ने छत्तीसगढ़ राज्य निर्वाचन आयुक्त अजय सिंह से मुलाकात की और बैलेट पेपर से निकाय चुनाव कराने की मांग की है। महापौर एजाज ढेबर ने कहा, नगरीय निकाय चुनाव ईवीएम की जगह मतपत्र से कराने की मांग रखी गई है। परिसीमन से संबंधित समस्याओं के निराकरण की मांग भी की है। महापौर ने कहा कि कुल 4 मांग हम लोगों द्वारा की गई है। हमें विश्वास है, इस पर निर्णय लिया जायेगा। ईवीएम से मुझे कोई दिक्कत नहीं है, लेकिन बैलेट पेपर से चुनाव करवाना सही होगा। परिसीमन में यदि कोई गड़बड़ी होती है, तो कोर्ट का रास्ता खुला है। हम किसी भी तरह से गलत नहीं होने देंगे। कई वार्ड ऐसे हैं जहां के लोग दूसरी जगह जाते हैं, ऐसे में उन लोगों के लिए मतदान केंद्र निर्माण करने की मांग रखी।

जलजीवन मिशन का काम अधूरा, प्रभारी ईई हटाए गए, सहायक अभियंता को दिया जिम्मा

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग ने जल जीवन मिशन के कार्यों में संतोषजनक प्रगति नहीं पाए जाने पर बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता को हटा दिया है। विभागीय समीक्षा बैठक में बलरामपुर जिले में जल जीवन मिशन के कार्यों में वांछित प्रगति नहीं होने तथा लक्षित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने में कठिनाई पाए जाने पर विभाग ने वहां के प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप को तत्काल प्रभाव से हटा दिया है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के प्रमुख अभियंता द्वारा इस संबंध में आदेश जारी किया गया है। प्रमुख अभियंता द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि विगत 20 जून को हुई राज्य स्तरीय समीक्षा बैठक में यह परिलक्षित हुआ है कि बलरामपुर जिले में जल जीवन मिशन का कार्य संतोषजनक नहीं है। इससे स्पष्ट होता है कि बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता द्वारा अपने दायित्वों एवं कर्तव्यों के निर्वहन में उदासीनता बरतने के कारण विभागीय कार्य प्रभावित हो रहे हैं। जल जीवन मिशन के लक्षित कार्यों को समय-सीमा में पूर्ण करने के लिए वांछित गति नहीं दिए जाने से बलरामपुर जिले में मिशन के उद्देश्यों के अनुरूप वांछित प्रगति प्राप्त करने में कठिनाई आ रही है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग के बलरामपुर खंड के प्रभारी कार्यपालन अभियंता आदित्य प्रताप को आगामी आदेश तक बिलासपुर परिक्षेत्र के मुख्य अभियंता कार्यालय में कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं। उनके स्थान पर लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंडल अंबिकापुर के अधीक्षण अभियंता कार्यालय में सहायक अभियंता सुशील कुमार सिन्हा को बलरामपुर खंड के कार्यपालन अभियंता का प्रभार सौंपा गया है।

एक हफ्ता पहले हुई थी विभागीय समीक्षा बैठक

जिला सहकारी बैंक के तत्कालीन सीईओ और संवर्ग अधिकारी निलंबित

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

जिला सहकारी बैंक राजनांदगांव में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की अवैधानिक नियुक्ति एवं वेतन भुगतान किए जाने के संबंध में मुख्य कार्यपालन अधिकारी एसके वर्मा और सुधीर कुमार सोनी संवर्ग अधिकारी को निलंबित करने का आदेश आयुक्त सहकारिता एवं पंजीयक सहकारी संस्थाएं ने आदेश जारी किया है।

अपैक्स बैंक के एमडी केएन कांडे ने जारी आदेश में कहा है कि सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित राजनांदगांव में वर्ष 2020-21 एवं 2021-22 में पदस्थापना के दौरान सीईओ एसके वर्मा ने दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की नियुक्ति की थी। श्री वर्मा वर्तमान में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक अंबिकापुर में सीईओ के पद पर पदस्थ हैं। निलंबन के बाद उन्हें निर्देशित किया गया है कि मुख्य लेखापाल एसपी सिंह को पदभार सौंप कर तत्काल बैंक मुख्यालय नया रायपुर में उपस्थिति देवें। वहीं एक अन्य आदेश में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक राजनांदगांव में वर्ष 2022-23 में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारियों की अवैधानिक नियुक्ति और वेतन भुगतान के मामले में सुधीर कुमार सोनी संवर्ग अधिकारी अपैक्स बैंक को निलंबित करने का आदेश किया गया है।

राष्ट्रीय अध्यक्ष के साथ सभी राज्यों के संगठन चुनाव पर रहेगा फोकस

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति जुलाई के पहले सप्ताह और प्रदेश की दूसरे सप्ताह में

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भाजपा की राष्ट्रीय कार्यसमिति 30 जून को रखी गई थी, लेकिन इस दिन इसको नहीं किया जा रहा है। अब यह जुलाई के पहले सप्ताह में लोकसभा का सत्र 3 जुलाई को समाप्त होने के बाद होगी। राष्ट्रीय कार्यसमिति में नए राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर फैसला होगा। पहले जिनको राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना है उनको तत्काल में कार्यकारी अध्यक्ष का जिम्मा दिया जाएगा, इसके बाद राज्यों के स्तर से चुनाव की प्रक्रिया होगी, इसके बाद नियमानुसार राष्ट्रीय अध्यक्ष का चुनाव होगा। राष्ट्रीय कार्यसमिति के ठीक बाद जुलाई के दूसरे सप्ताह में प्रदेश कार्यसमिति होगी। इसमें संगठन चुनाव को लेकर चर्चा होगी।

भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा का कार्यकाल लोकसभा चुनाव के कारण 20 जून तक के लिए बढ़ाया गया था। केंद्र में एनडीए की सरकार बनने के बाद श्री नड्डा को केंद्रीय मंत्री भी बनाया गया है। ऐसे में अब उनके स्थान पर किसी और को भाजपा का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया जाना है। इसके लिए भाजपा ने राष्ट्रीय कार्यसमिति करने का फैसला किया है।

प्रदेश कार्यसमिति 11-12 को संभावित

राष्ट्रीय कार्यसमिति के बाद प्रदेश कार्यसमिति 11 और 12 जुलाई को संभावित है। इसमें राष्ट्रीय कार्यसमिति में तय संगठन के चुनाव की प्रक्रिया की पूरी जानकारी देकर मंडल स्तर से चुनाव प्रारंभ किए जाएंगे। मंडल के बाद जिला और फिर राज्य स्तर का चुनाव होगा। कार्यसमिति में लोकसभा चुनाव को लेकर भी चर्चा होगी। इसमें लोकसभा स्तर पर की गई समीक्षा की रिपोर्ट रखी जाएगी और देखा जाएगा कि कहां पर भाजपा कमजोर रही है। इसको मजबूत करने पर रणनीति बनेगी, क्योंकि आने वाले समय में इस साल के अंत में नगरीय निकाय के चुनाव होने हैं।

ये होगा राष्ट्रीय कार्यसमिति में

राष्ट्रीय कार्यसमिति में सबसे पहले तो लोकसभा चुनाव को लेकर बात होगी। इसमें एक राजनीतिक प्रस्ताव लाया जाएगा। इसमें नरेंद्र मोदी के लगातार बार प्रधानमंत्री बनने को लेकर बात होगी। इसके बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष को लेकर ऐलान होगा कि किनको जेपी नड्डा के स्थान पर पहले कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जा रहा है। इसी के साथ संगठन चुनाव की प्रक्रिया की तिथियां तय होंगी। इसमें राज्यों में कब से किस स्तर के चुनाव होंगे, यह तय किया जाएगा। सभी राज्यों में चुनाव के बाद राष्ट्रीय अध्यक्ष का विधिवत चुनाव होगा। हालांकि यह एक औपचारिकता ही होगी, क्योंकि जिनको कार्यकारी अध्यक्ष बनाया जाएगा वे ही आगे चलकर स्थाई अध्यक्ष होंगे। भाजपा में वैसे भी अब तक अध्यक्ष के चुनाव की नौबत नहीं आई है।

भारत से निकल कर पूरी दुनिया में पहुंच रहा है आयुर्वेद

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

इंदिरा गांधी कृषि विश्वविद्यालय में तीन दिवसीय आरोग्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन करते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने कहा कि भारत से निकलकर आयुर्वेद पूरी दुनिया में पहुंच रहा है। उन्होंने नियमित रूप से आयुर्वेद से संबंधित कार्यक्रम आयोजित करने पर जोर दिया।

पीएचडी चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज द्वारा आयुष मंत्रालय, भारत सरकार के सहयोग से 28 से 30 जून तक विवि परिसर स्थित कृषि मंडपम में आरोग्य मेले का आयोजन किया जा रहा है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि दुनियाभर के लोग दोनों हाथों से आयुर्वेद को अपना रहे हैं। हमें विभिन्न देशों में आयुष और आयुष उत्पादों को दृढ़ता से बढ़ावा देने और बड़े जैविक और पोषक अंतर्राष्ट्रीय बाजारों का लाभ उठाने की आवश्यकता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य आयुष, आयुर्वेद, जैविक उत्पाद, यूनानी, सिद्ध, हर्बल, प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थ, कोल्ड चेन, उद्योग और कोल्ड सप्लाई चेन नेटवर्क पर ध्यान केंद्रित करना है, जिसका उद्देश्य निवेश और व्यापार के अवसरों को बढ़ाना है। इस मेले में आयुर्वेद, होम्योपैथी, यूनानी, सिद्धा और औषधीय पौधों के डॉक्टरों से निशुल्क स्वास्थ्य जांच और दवाइयां उपलब्ध कराई जा रही हैं। कुलपति गिरीश चंदेल ने भी स्वच्छ भोजन खाने पर जोर दिया। छत्तीसगढ़ में उत्पन्न चावल में कई औषधीय गुण और विशेषताएं हैं। उन्होंने आश्वासन दिया कि वह राज्य में बाजरा और जैविक खेती को प्रोत्साहित करेंगे।

राव के वनबल प्रमुख बनाए जाने के निर्णय पर कैट ने लगाई मुहर

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

वन विभाग में प्रधान मुख्य वन संरक्षक के पद पर पदस्थ वी. श्रीनिवास राव को वनबल प्रमुख (हेड ऑफ फॉरेस्ट) बनाए जाने के फैसले को कैट ने उचित करार दिया है। श्री राव के हेड ऑफ फॉरेस्ट बनाए जाने को लेकर पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ सुधीर अग्रवाल ने चुनौती दी थी। कैट ने अपने आदेश में कहा कि राज्य की विशेष चयन समिति ने श्रीनिवास राव का वन बल प्रमुख के तौर पर चयन उनके पांच साल के रिकार्ड के आधार पर किया। हेड ऑफ फॉरेस्ट बनाने विशेष चयन समिति ने श्री राव के कामकाज को बेहतर माना। साथ ही समिति ने सुधीर अग्रवाल सहित सभी पीसीसीएफ के रिकार्ड का अध्ययन किया। समिति को केवल मेरिटोरियस का चयन करना था। इस तरह श्री राव को वन बल प्रमुख बनाने का फैसला मेरिट के आधार पर लिया गया।

इसलिए कैट में चुनौती दी गई

गौरतलब है कि एक वर्ष पूर्व भारतीय वन सेवा के अफसर श्रीनिवास राव की नियुक्ति पीसीसीएफ के पद पर की गई है। इस फैसले को आईएफएस अफसर सुधीर अग्रवाल ने कैट में चुनौती देते हुए अपना पक्ष रखते हुए कहा श्रीनिवास राव जूनियर हैं, इसलिए श्री राव वनबल प्रमुख नहीं बनाए जा सकते। कैट ने अपने फैसले में कहा है कि पीसीसीएफ रैंक के किसी अफसर को वन बल प्रमुख बनाने का आधार मेरिट है, न कि जूनियरिटी या सीनियरिटी। श्री राव के 5 साल का परफार्मेंस गुण-दोष के आधार पर बेहतर माना गया, इसलिए उन्हें वन बल प्रमुख की जिम्मेदारी दी गई।

संजय श्रीवास्तव बोले

कांग्रेस ने नगरीय निकाय चुनाव से पहले हार मानी

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश महामंत्री संजय श्रीवास्तव ने कहा, महापौर एजाज ढेबर को अभी से निकाय चुनाव में हार का डर सताने लगा है। महापौर एजाज ढेबर की कुर्सी जाती हुई दिखाई दे रही है, इसलिए बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग की है।

कांग्रेस पार्टी हमेशा हार का ठीकरा ईवीएम पर फोड़ती है। जिन राज्यों में कांग्रेस की सरकार नहीं बनती है वहां पर ईवीएम हैक हो जाती है और जिन राज्यों में उनकी सरकार बनती है वहां की ईवीएम मशीन ठीक रहती है। ईवीएम मशीन से चुनाव होने पर कांग्रेस पार्टी को फर्जी जीत नहीं मिल पाएगी इसलिए कांग्रेस पार्टी हमेशा ईवीएम के बजाय बैलेट पेपर से चुनाव कराने की मांग करती है। श्री श्रीवास्तव ने कहा, कांग्रेस पार्टी ने लोकसभा चुनाव में जो 99 सीटों में जीत मिली हैं क्या वे फर्जी तरीके से इन लोकसभा सीटों में जीते हैं। ईवीएम से चुनाव न हो इसके लिए कांग्रेस नेता राहुल गांधी बार-बार बयान दे रहे हैं। कांग्रेस पार्टी पूरी तरह से हताशा में चली गई है।

उन्होंने कहा, जिस तरह छत्तीसगढ़ की जनता ने विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को सबक सिखाया है उसी तरह आगामी निकाय चुनाव में भी कांग्रेस पार्टी का सूपड़ा साफ होने वाला है। कांग्रेस का निकाय चुनाव में हारना तय है। इसको लेकर अभी से महापौर एजाज ढेबर हार का बहाना ढूंढ रहे हैं। कांग्रेस पार्टी विधानसभा चुनाव एवं लोकसभा चुनाव में हार के बाद भी अभी तक हार का जिम्मेदार कौन है यह पता नहीं लगा पाई है और हर बार की तरह इस बार भी निकाय चुनाव में हार के लिए अभी से बहाना ढूंढ रही है।

राजीव युवा मितान क्लबों के खर्चों का निकला हिसाब, बाकी बची रकम जमा करने का आदेश

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार के कार्यकाल की राजीव मितान क्लब योजना का हिसाब निकाला जाना शुरू हो गया है। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव हिमशिखर गुप्ता ने सभी जिला खेल अधिकारियों की समीक्षा बैठक संचालनालय में विशेष रूप से पूर्ववर्ती योजना राजीव युवा मितान क्लबों के द्वारा पूर्व वर्षों में व्यय की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, बिल व्हाउचर्स की आडिट तथा शेष राशि को शासन के खजाने में तत्काल जमा करने संबंधी निर्देश दिए। आगामी 10 जुलाई तक सभी जिलों को अनिवार्यतः कार्यवाही के निर्देश दिए गए। पूर्ववर्ती सरकार की योजना छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक में खर्च हुई राशि की भी समीक्षा की गई है।

अफसरों से मांगा स्पष्टीकरण

बैठक में सहायक संचालक बस्तर तथा प्रभारी खेल अधिकारी जशपुर को अनुपस्थिति और जिले की प्रगति की जानकारी नहीं देने के कारण स्पष्टीकरण देने और सहायक संचालक राजनांदगांव, दुर्ग और रायगढ़ को कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया। कार्यों में लापरवाही बरतने और निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

छत्तीसगढ़िया ओलिंपिक में बंटी राशि की समीक्षा

श्री गुप्ता ने पूर्ववर्ती योजना छत्तीसगढ़िया ओलम्पिक के पुरस्कार वितरण हेतु जिलों को पूर्व में वितरित राशि की समीक्षा भी की गई। विभिन्न जिलों में विभागीय कार्यों की प्रगति धीमी होने के कारण उन जिलों में प्रभारी बदलने के लिए संबंधित कलेक्टर्स को पत्र लिखने के निर्देश दिए। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के कार्यालय और प्रत्येक जिला एवं विकासखण्ड मुख्यालय में 5 एकड़ से लेकर 20 एकड़ तक की भूमि खेल मैदान एवं खेल गतिविधियों के लिए आरक्षित करने के निर्देश दिए। इसके लिए 15 दिवस का लक्ष्य जिला खेल अधिकारियों को दिया गया।

अलंकरण पुरस्कार आवेदन अब 10 तक

भारत सरकार की खेलो इण्डिया योजनांतर्गत जिला बिलासपुर, बलौदाबाजार और रायपुर के खेल अधिकारी को शीघ्रातिशीघ्र भारत सरकार द्वारा वांछित तीन बिन्दुओं की जानकारी उपलब्ध कराने निर्देशित किया गया, ताकि भारत सरकार से अधोसंरचनाओं के लिए शीघ्रातिशीघ्र फण्ड प्राप्त हो सके। आगामी 29 अगस्त हो आयोजित होने वाले राज्य खेल अलंकरण के लिए खिलाड़ियों से आवेदन आमंत्रित किए जा रहे हैं, जिसकी अंतिम तिथि 30 जून से बढ़ाकर 10 जुलाई कर दिया गया। खेल संचालक तनुजा सलाम ने बताया कि विभाग में रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती प्रक्रिया के तहत भरे जाएंगे। इसके साथ ही विकासखण्ड मुख्यालयों और जिला मुख्यालयों में खेल के लिए भू-खण्ड आरक्षित करने पर भी जोर दिया गया।

एआईसीसी को रिपोर्ट सौंपेंगे, फिर बड़े नेता निर्णय करेंगे : मोइली

मोइली ने कहा- चुनावों में हार की समीक्षा से मजबूत होगी कांग्रेस

हरिभूमि न्यूज ⏭ रायपुर

कर्नाटक के पूर्व सीएम और पूर्व केंद्रीय मंत्री वीरप्पा मोइली ने कहा, छत्तीसगढ़ में लोकसभा चुनाव के हार की समीक्षा कर आगामी दिनों की रणनीति भी तैयार की जाएगी। फैक्ट फाइंडिंग कमेटी का उद्देश्य कांग्रेस को मजबूत करना है। बड़े चेहरों और स्थानीय चेहरों को मजबूत करने के लिए आए हैं। बैठक के बाद रिपोर्ट सौंपेंगे, फिर बड़े नेता निर्णय करेंगे।

रायपुर पहुंचने के बाद एयरपोर्ट पर संवाददाताओं से चर्चा में वीरप्पा मोइली ने कहा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस को बेहतर प्रदर्शन करना चाहिए था, क्योंकि छत्तीसगढ़ में कई बेहतरीन लीडरशिप है। छत्तीसगढ़ कांग्रेस से कहां गलती हुई, इसका पता लगाएंगे।

पहले दिन दो लोकसभा की बैठक और बड़े नेताओं के साथ अलग से करेंगे। बैठक में सचिन पायलट भी रहेंगे। उन्होंने कहा, छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने बहुत अच्छा काम किया है। हमारी लीडरशिप बहुत अच्छी है। राज्य में ग्राससूरूट लेवल पर भी हमने बेहतर काम किया है। आखिर गलती कहां हुई? इसका हम पता लगाएंगे।

लोकसभा चुनाव में मोदी का ड्रामा नहीं आया काम

लोकसभा इलेक्शन में मोदी को आईना दिखाया है। वह सोच रहे थे कि वह मेजोरिटी के साथ आएंगे, पर वह एक्सीलेंट मेजोरिटी के साथ नहीं आए, जो उन्होंने ड्रामा किया वह काम नहीं आया। कांग्रेस ने चुनाव में बेहतर काम किया है, लेकिन एनडीए ने भी कुछ खास प्रदर्शन नहीं किया। कांग्रेस अब आगामी चुनाव की ओर देख रही है।

संविधान को बचाने की कोशिश में कांग्रेस

प्रियंका गांधी के जय संविधान के नारे पर वीरप्पा मोइली ने कहा- मैं हमेशा इरिटेट होता हूं। मैं समझता हूं कि ये सोचते हैं कि कॉन्स्टिट्यूशन ऑफ इंडिया इरिटेशन है। हम हमेशा यह कोशिश करते हैं कि संविधान को कैसे बचाया जाए। हम यहां संविधान को बचा रहे हैं। प्रियंका गांधी, राहुल गांधी संविधान को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

हार का ठीकरा बड़े नेताओं पर फूटा

कांग्रेस मुख्यालय राजीव भवन पहुंचने पर दोपहर 3 बजे से प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ नेताओं की बैठक हुई। पहली बैठक में वीरप्पा मोइली और हरीश चौधरी ने वरिष्ठ नेताओं से यह जाना कि चुनाव में किस कारण हार का सामना करना पड़ा। कांग्रेस के कुछ नेताओं ने पांच साल सरकार के दौरान कार्यकर्ताओं को महत्व नहीं दिए जाने और जो कार्यकर्ता अपनी बात रखने की कोशिश करता, उन्हें प्रताड़ित करने को हार का प्रमुख कारण बताया। उन्होंने कहा, संगठन में अंदरूनी गुटबाजी हावी रही, लोग एक दूसरे पर खुलेआम आरोप लगाकर पार्टी की छवि को कमजोर करने का काम करते रहे। वरिष्ठ नेताओं ने खुलकर बड़े नेताओं पर हार का ठीकरा फोड़ा। कवासी लखमा ने बस्तर चुनाव में हार को संगठन के नेताओं में आपसी गुटबाजी को बताया। उन्होंने कहा वहां पर कांग्रेस कार्यकर्ता एक दूसरे के खिलाफ ही षड्यंत्र को जिम्मेदार बताया।

ये भी रहे मौजूद

बैठक में प्रदेश प्रभारी सचिन पायलट, पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पीसीसी अध्यक्ष दीपक बैज, नेता प्रतिपक्ष चरण दास महंत, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष धनेन्द्र साहू, सत्यनारायण शर्मा, पूर्व प्रदेश अध्यक्ष मोहन मरकाम, पूर्व मंत्री ताम्रध्वज साहू की मौजूदगी में शुरू हुई। कांग्रेस सरकार के पूर्व मंत्री जयसिंह अग्रवाल, मोहम्मद अकबर, उमेश पटेल, अमरजीत भगत, गुरू रूद्र कुमार, प्रेमसाय सिंह, डॉ. शिव डहरिया, अमितेश शुक्ला, छाया वर्मा, विकास उपाध्याय, राजेंद्र तिवारी, राजेश तिवारी, शैलेष नितिन त्रिवेदी, प्रभारी सचिव चंदन यादव, विजय जांगिड़ भी मौजूद थे।

खबर संक्षेप

विश्व हिंदू महासंघ के संयोजक का किया स्वागत

रायपुर। विश्व हिंदू महासंघ के राष्ट्रीय संयोजक महंत मुकेश नाथ का शुक्रवार दोपहर वर्धा महाराष्ट्र से आगमन हुआ, जिसका छत्तीसगढ़ प्रदेश विश्व हिंदू महासंघ के सभी कार्यकर्ताओं ने स्वागत किया, इनमें प्रमुख रूप से डॉ. स्वामी राजेश्वरानंद, विश्व हिंदू महासंघ के छत्तीसगढ़ प्रदेश अध्यक्ष व प्रदेश संयोजक भारत योगी, प्रदेश उपाध्यक्ष कायम सिंह भगत व प्रदेश सचिव आजीवन निराहार संत गौतमानंद एवं प्रदेश महिला प्रकोष्ठ व किन्नर अखाड़ा से प्रदेशअध्यक्ष साध्वी सौम्या, प्रदेश प्रवक्ता रूपेश महाराज व शुभम शर्मा, साकेत सिंह, विवेक मिश्रा, भूषण साहू, रवि साहू, प्रेम निर्मलकर व जनप्रतिनिधि उपस्थित रहे। राष्ट्रीय संयोजक का रायपुर रेलवे स्टेशन में ढोल-नगाड़े व शंख की ध्वनि करते हुए पुष्पहार से स्वागत किया गया और उन्हें अतिथि कक्ष तक पहुंचाया गया।

वाहन पार्क करने के विवाद में मारपीट

रायपुर। खम्हारडीह थाना में एक बुजुर्ग ने बाप-बेटे के खिलाफ वाहन पार्क करने के विवाद में मारपीट करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक गायत्री नगर निवासी बालचंद प्रजापति ने सीताराम प्रजापति तथा उसके बेटे नीरज के खिलाफ मारपीट करने की शिकायत दर्ज कराई है। बालचंद ने पुलिस को बताया कि सीताराम तथा उसके बेटे ने दुकान के सामने दोपहिया पार्क करने के नाम पर विवाद करते हुए उसके साथ मारपीट की है।

चाकू से हमला

रायपुर। टिकरापारा थाना में एक ई-रिक्शा के चालक ने एक अन्य व्यक्ति के खिलाफ शराब पीने पैसे नहीं देने पर चाकू से हमला करने की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस के मुताबिक सुरेंद्र निषाद ने वासु निषाद के खिलाफ चाकू से हमला करने की शिकायत दर्ज कराई है। सुरेंद्र ने पुलिस को बताया कि वह अपने ई-रिक्शा से घर जा रहा था, दावड़ा कॉलोनी के पास वासु ने उसका रास्ता रोक शराब पीने के लिए पैसों की मांग की।

पेज 11 के शेष

वेटिंग यात्रियों को...

बन रही है। ज्यादातर यात्री काउंटर से वेटिंग टिकट लेकर ट्रेन में चढ़ जाते हैं, जो रेलवे के नियमानुसार गलत है। नियमों को लेकर यात्री टीटीई से ही झगड़ा करने लग जाते हैं। ऐसी स्थिति में अब यात्रियों को कोच से बाहर निकालने के लिए आरपीएफ की मदद ली जा रही है। अधिक भीड़ होने से आरपीएफ के लिए भी अनैतिक यात्रियों को नियमों का पाठ पढ़ा कर बाहर निकालने में पसीना छूट रहा है। लगातार ट्रेनों के रद्द होने से ट्रेनों में भीड़ बढ़ रही है। इसके अलावा रेल मदद एप में यात्रियों की ओर से एसी कोच और स्लीपर में वेटिंग और बिना टिकट के यात्रियों की शिकायत भी बढ़ने लगी है। इस वजह से आरपीएफ अमला इन दिनों में ट्रेनों की भीड़ को कम करने में ही लगा हुआ है।

कोच में चढ़ने के दौरान की जांच - एसी कोच में वेटिंग यात्रियों की संख्या बढ़ती जा रही है। यात्रियों की ओर से लगातार रेल मदद से शिकायत मिल रही है। आरपीएफ का कहना है कि एसी कोच में अनावश्यक भीड़ कम करने जांच अभियान जारी है। लंबी दूरी की ट्रेनों में शिकायत अधिक रहती है। इसीलिए टीटीई के जरिए वेटिंग यात्रियों को नीचे उतारा जा रहा है। टीटीई भी अब ट्रेन में चढ़ने के दौरान ही यात्री का टिकट कन्फर्म है या वेटिंग है, इसकी जानकारी ले रहे हैं। वेटिंग होने पर सफर नहीं करने को कहा जा रहा है।

हर दिन ट्रेनों में...

बाद आरपीएफ की मदद से भीड़ वाले कोच में सभी यात्रियों का टिकट जांच की जा रही है। बिना टिकट के यात्रियों से जुर्माना वसूला जा रहा है। वहीं अपने निर्धारित कोच पर नहीं बैठने वालों को उनके कोच में भेजा जा रहा है। वेटिंग यात्रियों को ट्रेन से उतारा जा रहा है, जिसको लेकर यात्रियों का आक्रोश देखने को मिल रहा है। हर दिन एक ट्रेन में दर्जन से अधिक यात्रियों पर कार्रवाई देखने को मिल रही है।

दो दर्जन निकायों ने ऑडिट आपत्तियों का नहीं दिया जवाब, अब अंतिम चेतावनी जारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ के तीन नगर निगमों समेत दो दर्जन नगरीय निकायों ने बड़ी संख्या में ऑडिट आपत्तियों पर सरकार को अपना जवाब नहीं भेजा है। इस मामले को अत्यंत गंभीरता से लेते हुए इन निकायों को अंतिम स्मरण पत्र के रूप में अंतिम चेतावनी जारी की गई है। निकायों से कहा गया है वे तुरंत ऑडिट आपत्तियों का जवाब पेश करें। निकायों को पिछले साल दिसंबर में आवश्यक अभिलेख देने कहा गया था, फोन पर भी जानकारी दी गई थी, लेकिन जवाब नहीं मिलने को अत्यंत खेदजनक माना गया है।

अलग खबर

राज्य के नगरीय निकायों में ऑडिट का काम छत्तीसगढ़ राज्य संपरीक्षा द्वारा किया जाता है। ये मामला वर्ष 2021-22 की ऑडिट रिपोर्ट से संबंधित है। इसकी वार्षिक रिपोर्ट पिछले साल मार्च में संपरीक्षा कार्यालय द्वारा विधानसभा के पटल पर प्रस्तुत की जा चुकी है। इस रिपोर्ट में 624 ऑडिट आपत्तियों का उल्लेख है। इस रिपोर्ट में आई आपत्तियों पर विभागीय ज्ञापन शासन और विधानसभा को भेजा जाना है। इसके साथ ही विभागीय सचिव को विधानसभा में साक्ष्य के लिए प्रस्तुत होना है। लेकिन निकायों ने इसे अब तक गंभीरता से नहीं लिया है।

संचालनालय डेढ़ साल से मांग रहा है जवाब

इन निकायों को कराना है आपत्तियों का निराकरण

संचालनालय नगरीय प्रशासन एवं विकास विभाग द्वारा इस मामले में उन निकायों को अंतिम स्मरण पत्र जारी किया गया है जिन निकायों ने अब तक आपत्तियों का निराकरण नहीं कराया है। इनमें नगर पालिका धमतरी, दुर्ग, बिलासपुर, नगर पालिका परिषद बेमेतरा, कुम्हारी, नगर पंचायत कुरा, माना कैंप, राजिम, आमदी, गीदम, पखांजूर, परपोड़ी, मारो, डौंडी, थानखम्हरिया, बेरला, साजा, देवकर, उतई, डोंगरगांव, पांडातराई, चिकलाकसा, तुमगांव, लवन और पलारी शामिल हैं।

डेढ़ साल से नहीं दिया है जवाब

इन निकायों को संचालनालय ने पिछले साल दिसंबर में पत्र भेजकर जवाब देने कहा था। इसके साथ ही विभागीय वेबसाइट पर भी निर्देश प्रसारित किए गए थे। यही नहीं दूरभाष पर भी इन निकायों से संपर्क कर जवाब देने कहा जा रहा था। लेकिन निकायों के चाही गई जानकारी उपलब्ध नहीं कराई, इसकी वजह से विभागीय उत्तर तैयार नहीं हो सका। विभागीय उत्तर उपलब्ध कराने के लिए शासन, विधानसभा सचिवालय से संचालनालय को लगातार स्मरण पत्र आ रहे हैं। निकायों को बार बार याद दिलाने के बाद भी जवाब न मिल पाने पर संचालनालय ने इसे अत्यंत खेदजनक माना है। निकायों को संचालनालय ने यह भी याद दिलाय है कि उनसे कहा गया था कि ऑडिट आपत्तियों के निराकरण कर पालन प्रतिवेदन तैयार रखने एवं समिति के समक्ष साक्ष्य आयोजित होने की स्थिति में संपूर्ण जवाबदारी आपकी यानी निकाय प्रमुखों की होगी। इसके बाद भी संचालनालय को जवाब उपलब्ध नहीं कराया गया।

आय, जाति, मूल निवास सहित राजस्व संबंधी काम के लिए लंबा सफर तय नहीं करना होगा

नवा रायपुर में बनेगी उप तहसील, सभी सेक्टर सहित करीब 41 गांवों को मिलेगी बड़ी राहत

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नवा रायपुर में रहने वाले लोगों को जल्द ही एक बड़ी खुशखबरी मिलने वाली है। नवा रायपुर में जल्द ही उप तहसील बनाने की विधिवत रूप से घोषणा की जा सकती है। शासन स्तर पर इसके लिए तैयारी भी शुरू कर दी गई है। सूत्रों के अनुसार जिला प्रशासन को उप तहसील बनाने संबंधी प्रस्ताव तैयार के लिए कहा गया है, जिसके बाद इसकी प्रारंभिक प्रक्रिया शुरू कर दी है। सबसे पहले उप तहसील भवन बनाने के लिए जमीन की तलाश की जा रही है, जिसके लिए एनआरडीए को कहा गया है। जमीन फाइनल होने के बाद उपतहसील भवन के निर्माण की लागत से लेकर तहसील संबंधी सामग्री पर लगने वाला खर्च, कितनी संख्या में अधिकारी व कर्मचारी का स्टॉफ लगेगा इसका पूरा स्टीमेट तैयार किया जाएगा। स्टीमेट तैयार करने के बाद प्रस्ताव शासन को भेजा जाएगा, जिस पर अंतिम मुहर लगाई जाएगी।

खास खबर

प्रकरणों की भी होगी सुनवाई

नया रायपुर में उपतहसील बनने के बाद यहां राजस्व संबंधी प्रकरणों की सुनवाई भी हो सकेगी। अब तक नवा रायपुर क्षेत्र के कई प्रकरणों का रायपुर के अलावा अभनपुर और आरंग तहसील कार्यालय में सुनवाई हो रही है। नवा रायपुर में उपतहसील बनने के बाद इन प्रकरणों की सुनवाई भी उपतहसील में होगी।

तीन प्लानिंग लेयर में बंटा है नवा रायपुर

प्राप्त जानकारी के अनुसार रायपुर विकास योजना-2031 के अनुसार नया रायपुर को तीन प्लानिंग लेयर में बांटा गया है। लेयर-1 में नया रायपुर शहर का विकास लगभग 80.13 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में, प्लानिंग लेयर-2 में 130.28 वर्ग किलोमीटर तथा लेयर-3 एयरपोर्ट जोन है। नया रायपुर निवेश क्षेत्र में कुल 41 गांव शामिल हैं।

जिले में 8 तहसील एवं 1 उप तहसील

जिले में कुल 8 तहसील कार्यालय हैं। इनमें रायपुर, आरंग, अभनपुर, तिल्दा, खरोरा, गोबरा नवापारा, धरसीवा व मंदिर हसौद शामिल है। इसके अलावा धरसींवा के सारागांव में उप तहसील कार्यालय है। नवा रायपुर में उप तहसील बनने के बाद जिले में इसकी संख्या 2 हो जाएगी।

यहां मिलेगी राहत

आरंग तहसील के मंदिर हसौद, कुहेरा, कोटनी, तांदुल, पलौद, उमरिया व परसदा, अभनपुर तहसील के बेन्द्री, परसट्ठी, निमोरा, केन्द्री, झांकी, भेलवाडीह, पचेड़ा, कुरू, चेरिया, बंजारी, तेंदुआ व पौंता तथा रायपुर तहसील के सेरीछेड़ी, नकटी, धरमपुरा, टेमरी व बनरसी। इसके अलावा राखी, चीचा, कयाबांधा, कोटराभांठा, सेंध, नवागांव(झांझ), रीको, नवागांव(छतौना), झांझ, छतौना, उपरवारा, खंडवा, तूता, बरौदा, खपरी, रणचंडी व माना भी शामिल हैं।

उपतहसील बनने से नवा रायपुर के कर्मचारियों के साथ ग्रामीणों को मिलेगी बड़ी राहत

नवा रायपुर में लगभग सभी विभागों के दफ्तर शिफ्ट हो चुके हैं, वहीं इन विभागों में काम करने वाले कई अधिकारी-कर्मचारी नवा रायपुर में सरकारी मकानों में शिफ्ट हो चुके हैं, वहीं कई कर्मचारी खुद की जमीन या मकान लेकर यहां के रहवासी भी हो गए हैं। इसके अलावा राजधानी रायपुर व नया रायपुर परियोजना क्षेत्र से लगे लगभग 41 गांव को एनआरडीए क्षेत्र में शामिल किया गया है। इन गांवों में रहने वाले लोगों को अब तक जाति प्रमाण, मूल निवास, आय प्रमाण से लेकर राजस्व संबंधी कोई भी काम के लिए रायपुर, अभनपुर या आरंग ब्लाक के तहसील कार्यालय जाना पड़ता है, क्योंकि ये सभी गांव इन तीनों ब्लाक क्षेत्र में आते हैं। नवा रायपुर में उप तहसील खुलने के बाद एनआरडीए अंतर्गत आने वाले सेक्टर से लेकर सभी ग्राम वासियों का पूरा काम उपतहसील में होगा, जिससे उनका समय के साथ आने-जाने में लगने वाला खर्च भी बचेगा।

स्वास्थ्य शिविर में मिली थी समस्या की जानकारी

...और सीधा हो गया सार्थक का पैर चिरायु टीम की मदद से हुआ इलाज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जन्म के दौरान टेढ़े-मेढ़े पैर की समस्या से पीड़ित मासूम सार्थक साहू का पैर सीधा हो गया। चिरायु योजना के तहत चिकित्सकीय टीम ने स्वास्थ्य शिविर के दौरान उसकी पहचान कर अस्पताल में उपचार कराया और समस्या का समाधान हो गया।

आरंग ब्लाक के ग्राम बोरिद के आंगनबाड़ी कार्यकर्ता ने गांव में स्वास्थ्य शिविर लगाने वाले चिरायु टीम को कुछ दिन पहले बताया था कि गांव में एक छोटा बच्चा है जिसका पैर आपस में जुड़ा हुआ है। चिकित्सकीय टीम बच्चे के घर पहुंची और जांच में पाया कि सार्थक साहू नामक बच्चे का पैर टेढ़ा-मेढ़ा है और समस्या से ग्रसित है। अफसरों के निर्देश पर बच्चे को डीके अस्पताल लाया गया जहां जांच के बाद चिकित्सकों ने इलाज के लिए ऑपरेशन की सलाह दी। नन्हे बच्चे की सर्जरी के बारे में सुनकर उनके माता-पिता भयभीत हो गए थे, जिन्हें काफी कोशिश के बाद उन्हें समझाया गया। इसके बाद बच्चे का इलाज शुरू हुआ और लंबी प्रक्रिया के बाद उसका पैर ठीक हो गया। बच्चे के इलाज के लिए सीएमएचओ डॉ.मिथिलेश चौधरी के साथ डीपीएम मनीष मैजरवार और चिरायु योजना की नोडल अधिकारी डॉ. श्वेता सोनवानी ने गंभीरता दिखाई।

नौ साल की बच्ची के दिल का ऑपरेशन

राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम चिरायु के माध्यम से 9 साल के बच्चे को नया जीवन प्रदान करने में स्वास्थ्य टीम को सफलता मिली। प्राथमिक शाला चरौदा में स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान दूसरी कक्षा की छात्रा भेजकुमारी के हृदय में असमान्य गति पायी गई थी। पूछताछ में पता चला कि वह जल्दी थक जाती है, कभी-कभी सीने में भी दर्द होता है। चिरायु टीम ने बच्ची को नवा रायपुर सत्यसाईं संजीवनी अस्पताल पहुंचाया जहां उसका इलाज हुआ और वह पूरी तरह स्वस्थ हो गई। इस पूरी प्रक्रिया में चिरायु टीम आरंग के लीडर डॉ. भूपेश गेंडरे, डॉ. शिल्पा कटारिया, फार्मासिस्ट विनित कुमार, एएनएम प्रर्णिता बर्मन की प्रमुख भूमिका रही।

खाद्य विभाग की जांच में बिरयानी सेंटर में बासी भोजन के साथ गंदगी मिलने की बात सामने आ रही

पालक पनीर की सब्जी में निकला मांस का टुकड़ा अशोका बिरयानी में हंगामा, जांच के लिए पहुंची टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अशोका बिरयानी में वेजेटेरियन ग्राहकों की थाली में मांस परोसे जाने की घटना लगातार सामने आ रही है। इसी कड़ी में बिरयानी सेंटर के महोबाबाजार ब्रांच में एक ग्राहक की वेज थाली में मांस का टुकड़ा मिला है। वेज थाली में मांस का टुकड़ा मिलने की 10 दिन के भीतर यह दूसरी घटना है। ग्राहक की थाली में मांस मिलने के बाद खाद्य विभाग की टीम बिरयानी सेंटर जांच करने पहुंची। जांच में बिरयानी सेंटर के किचन में गंदगी मिलने से साथ ही बासी खाना मिलने की बात सामने आई है।

दुर्ग निवासी टिकेंद्र कुमार तथा केसरीनंदन भोजन करने महोबाबाजार स्थित अशोका बिरयानी सेंटर गए थे। वहां उन लोगों ने पालक पनीर के साथ रोटी का आर्डर दिया। खाना खाने के दौरान टिकेंद्र की थाली में सब्जी के साथ मांस का टुकड़ा मिला। इसके बाद टिकेंद्र ने इसकी शिकायत होटल प्रबंधन से की तो होटल प्रबंधन ने वहां से थाली को हटा दिया। साथ ही होटल प्रबंधन ने टिकेंद्र से माफी मांगने के बाद में प्लेट में मिले मांस के टुकड़े को अपने होटल का होने से इनकार कर दिया। होटल प्रबंधन अब सीसीटीवी चेक कराने की बात कह रहा है।

अशोका बिरयानी प्रबंधन ने कहा- सीसीटीवी कैमरे की कराएंगे जांच

...इसलिए मांस का टुकड़ा मिलने की आशंका

मौके पर जांच करने पहुंचे खाद्य अधिकारियों के मुताबिक अशोका बिरयानी का किचन मानक साइज से काफी छोटा है। साथ ही एक ही किचन में मांसाहारी तथा शाकाहारी भोजन तैयार किया जाता है। इसके चलते मांस का टुकड़ा शाकाहारी भोजन में मिल गया होगा। नियम के मुताबिक जिन होटलों में शाकाहारी एवं मांसाहारी भोजन पकाया जाता है, उन दोनों के किचन अलग होने चाहिए।

खाने का सैंपल लेने पहुंची खाद्य विभाग की टीम

वेज थाली में मांस मिलने की जानकारी मिलने के बाद फूड सेफ्टी ऑफिसर अहसान तिग्गा, रोशनी राजपूत, सतीश राज बिरयानी सेंटर में जांच करने के लिए पहुंचे और वहां से खाने का सैंपल अपने साथ ले गए। सैंपल लेने जाने वाले अफसरों के साथ उनकी तकनीकी टीम भी थी। बिरयानी सेंटर में सैंपल लेने के बाद खाद्य विभाग की टीम गुढ़ियारी, मंगल बाजार में ठेले में मोमोस बेचने वालों के यहां कार्रवाई करने पहुंची। खाद्य विभाग को मोमोस बेचने वालों द्वारा अमानक स्तर के खाद्य रंग उपयोग करने की जानकारी मिली थी, इसके बाद टीम सैंपल लेने पहुंची।

बलौदाबाजार में भटक रहे बाघ की निगरानी करने कुमकी हाथी के साथ रेडियो कॉलर लगाने का सुझाव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

बलौदाबाजार वनमंडल के बारनवापारा में चार माह पूर्व मार्च में महासमुंद के रास्ते भटक कर पहुंचे बाघ की सुरक्षा तथा मॉनिटरिंग करने का सुझाव देने मध्यप्रदेश के सेवानिवृत्त आ ई ए फ ए स आर. श्रीनिवास मूर्ति की मदद ली जा रही है। सेवानिवृत्त अफसर पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ सुधीर अग्रवाल के आग्रह पर वे छत्तीसगढ़ पहुंचे हैं। बाघ की सुरक्षा कैसे की जाए, इसके लिए पीसीसीएफ वाइल्ड लाइफ की अध्यक्षता में एक बैठक का आयोजन किया गया। इसके साथ ही मध्यप्रदेश से आए सेवानिवृत्त वन अफसर ने बाघ विचरण क्षेत्र का दौरा किया।

- चार माह पूर्व महासमुंद के रास्ते भटक कर बारनवापारा के जंगल में पहुंचा है बाघ

आर. श्रीनिवास मूर्ति द्वारा बाघ विचरण क्षेत्र का भ्रमण कर, उनके द्वारा आगामी कार्ययोजना के लिए बाघ में ''रेडियो कालर'' लगाये जाने का सुझाव दिया गया। श्री मूर्ति के मुताबिक बारनवापारा अभयारण्य एवं आसपास के वनक्षेत्र बाघ के रहवास के लिए उपयुक्त है एवं क्षेत्र में पर्याप्त मात्रा में प्रे-बेस तथा वाटरबॉडी (पेय जल स्थान) एवं बाघ रहवास क्षेत्र है, जिसमें बाघ आसानी से विचरण कर सकते हैं। बाघ की मॉनिटरिंग के लिए श्री मूर्ति द्वारा बारनवापारा अभयारण्य, बलौदाबाजार, देवपुर एवं परिक्षेत्र बल्दाकछार के समस्त स्टाफ को बाघ संबंधित महत्वपूर्ण प्रशिक्षण दिया गया। श्री मूर्ति ने बाघ के संबंध में किये जा रहे कार्यों की सराहना की तथा जन मानस एवं बाघ की सुरक्षा के लिए 4 कुमकी हाथी को बारनवापारा लाकर निगरानी करने सुझाव दिया।

पन्ना में बाघ की संख्या शून्य से 32 पहुंचाई

पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या बढ़ाने में आर. श्रीनिवास मूर्ति की महत्वपूर्ण भूमिका रही है। श्री मूर्ति ने पन्ना टाइगर रिजर्व में वर्ष 2009 से वर्ष 2015 के बीच बाघों की संख्या शून्य से 32 तक पहुंचाई है। वर्तमान में पन्ना टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 90 के करीब है।

न्यायालय भाड़ा नियंत्रक रायपुर, छत्तीसगढ़
// समाचार पत्र में ईश्तहार प्रकाशन//
प्रकरण क्र. 14-ब/121 वर्ष 20-21
रायपुर, दिनांक 24/6/2024
टीकम लाल वर्मा वि. अशोक कुमार सोनी
क्रमांक / आर.सी.ए./ 2024
प्रति,
श्री अशोक कुमार सोनी, पति श्री हुब्बलाल सोनी, निवासी- मकान नं. ए/122 , पांचजन्य स्कूल के पास आदर्शनगर, कुशालपुर रायपुर (छ.ग.)
विषय :- प्रकरण में पक्ष समर्थन हेतु न्यायालय में उपस्थित होने बाबत।
इस न्यायालय के विचाराधीन प्रकरण प्रकरण क्र. 14-ब / 121 वर्ष 2020-21 आवेदक टीकम लाल वर्मा पिता श्री बहल राम वर्मा निवासी मकान नं. ए/122, पांचजन्य स्कूल के पास आदर्शनगर कुशालपुर रायपुर के द्वारा आपके विरूद्ध धारा 12. छ. ग. भाड़ा नियंत्रण अधिनियम 2011 के तहत इस आशय का आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है कि अनावेदक किरायेदार से किराये की राशि रूपये 27,647/- दिलाये जाने बाबत प्रस्तुत किया गया है। उक्त प्रकरण, दिनांक 02.07.2024 को सुनवाई हेतु नियत है। अतएव आप प्रकरण में नियत सुनवाई दिनांक 02.07.2024 को स्वतः अथवा वैध प्रतिनिधि के माध्यम से न्यायालय में उपस्थित होकर अपना पक्ष रखें। अन्यथा प्रकरण में आपके विरूद्ध न्यायालय के आदेशानुसार आगे की कार्यवाही की जावेगी।
आज दिनांक 24/06/2024 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुहर से जारी किया गया।
मुहर
भाड़ा नियंत्रक अधिकारी
रायपुर, छ.ग.

कार्यालय रा.नि.मं.- रायपुर-14 (बोरियाखुर्द), तहसील- रायपुर जिला- रायपुर (छ.ग.)
// आम सूचना //
जारी दिनांक 28/06/2024
एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक रमेश केडिया पिता श्री विश्वनाथ केडिया निवासी देवेन्द्र नगर रायपुर द्वारा आवेदित ग्राम बोरियाखुर्द प.ह.नं. 71 राजस्व निरीक्षक मंडल रायपुर-14 बोरियाखुर्द स्थित भूमि खसरा नंबर 531/2, 532/7 रकबा क्रमशः 0.2510, 0.3530 हे. कुल खसरा क्रमांक 02 रकबा 0.6040 हे. भूमि का सीमांकन न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार रायपुर के आदेश दिनांक 27/06/2024 को परिपालन में दिनांक 10/07/2024 के समय अपरान्ह 1.00 PM बजे मेरे द्वारा किया जाना नियत किया गया है।
अतः उक्त सीमांकन से जिस किसी व्यक्ति या संस्था को कोई दावा/आपत्ति हो वे उक्त सीमांकन हेतु नियत तिथी में हल्का पटवारी हल्का नंबर 72 के डूण्डा स्थित पटवारी / राजस्व निरीक्षक कार्यालय में अपने दस्तावेजों सहित स्वयं अथवा अपने वैध अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। इसके उपरान्त किसी दावा/आपत्ति पर मेरे द्वारा विचार किया जाना संभव नहीं होगा।
राजस्व निरीक्षक
रा.नि.मं.-रायपुर-14
(बोरियाखुर्द)

आम सूचना
(ग्राम धरमपुरा प.ह.न. 00078 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में स्थित खसरा नंबर 32/11 एवं 59/2 रकबा क्रमशः 0.0020 हे. एवं 0.0930 हे. के संबंध में)
आम जनता को सूचित किया जाता है कि मेरे पक्षकार श्री होरीलाल पटेल के पिता श्री हरदेव पटेल पिता स्व. खोरबाहरा पटेल निवासी ग्राम धरमपुरा, भाठापारा, जिला रायपुर (छ.ग.) के नाम से ग्राम धरमपुरा प.ह.न. 00078 तहसील व जिला रायपुर छ.ग. में खसरा नंबर 32/11 एवं 59/2 रकबा क्रमशः 0.0020 हे., एवं 0.0930 हे. कुल 0.095 हे. भूमि धारित किया जाता है। उपरोक्त संपत्ति मेरे पिता को मेरे स्व. दादा से प्राप्त हुई है अर्थात उपरोक्त संपत्ति मेरे पक्षकार की पैतृक संपत्ति है जिसमें मेरे पक्षकार का भी हक व हिस्सा है। मेरे पक्षकार को यह ज्ञात हुआ है कि उसके पिता श्री हरदेव पटेल के द्वारा उक्त पैतृक संपत्ति को अपनी स्वअर्जित संपत्ति दर्शित कर एवं मेरे पक्षकार की सहमती के बिना विक्रय करने का प्रयास किया जा रहा है।
अतः उपरोक्त पैतृक संपत्ति को मेरे पक्षकार की सहमति वो रजामंदी के बिना कोई भी व्यक्ति, संस्था, निकाय, बैंक, साहूकार इत्यादि उक्त संपत्ति को क्रय करने या क्रय करने बाबत सौदा ना करे क्योंकि खरीददार को पर्याप्त स्वत्व एवं आधिपत्य प्राप्त नहीं होगा। सो सूचना जानें।
स्थानः रायपुर (छ.ग.)
दिनांक : 28.06.24
भवदीय
अमित पटेल अधिवक्ता
प्लाट नं.-14, आर.डी.ए. कॉलोनी, टिकरापारा, रायपुर (छ.ग.)
मो.-9826308346

MODEL ENGLISH HR. SEC. SCHOOL
"Education makes future better"
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
(Biology, Maths, Commerce)
Register Now at www.mesraipur.com
Highlight
- Spoken English & Personality Development Classes
- Transport & Surveillance Facility • Monthly Seminar & Discussion • Personal Attention on each students
- Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90% • Robotics and Science laboratory • Sports and Curriculum Activities

Highlight
Civil lines, Katora Talab Road, Raipur (C.G.) Contact:- 0771-4000123, 9425214413, 9329621221

ROYAL PUBLIC SCHOOL
Play Group Nursery Pre Primary Class I to XII (Science, Commerce, Bio, Arts)
Special Discount For BPL Card Holder
ADMISSION OPEN
Nursery to 12th
Register Now at www.rpsraipur.com
Silent Features
- Extra curricular activities • Personal attention to each student Limited student in each class • Music, Dance, personality development classes • Yoga
- Scholarship will be provided for students coming from other schools who score above 90%

Mathpurena, Chourasiya Colony, Raipur, (C. G.) 0771-4913336, 9425214413, 9329621221 Email:- rpsraipur123@gmail.com

खबर संक्षेप

राज्यपाल के विधिक सलाहकार सेवानिवृत्त, दी विदाई

रायपुर। राज्यपाल विश्वभूषण हरिचंदन के विधिक सलाहकार राजेश श्रीवास्तव अपनी अर्धवार्षिकी सेवा पूर्ण कर सेवानिवृत्त हो रहे हैं। इस अवसर पर उन्हें शुक्रवार को राजभवन में भावभीनी विदाई दी गई। राज्यपाल श्री हरिचंदन ने उनके उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

नारद जयंती समारोह आज

रायपुर। संस्कृति विभाग में आज नारद जयंती समारोह रखा गया। यहां डिजिट क्रांति के समय पत्रकारिता विषय पर चर्चा होगी। मुख्य अतिथि छग शासन के जनसंपर्क विभाग आयुक्त मयंक श्रीवास्तव होंगे। मुख्य वक्ता माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विवि के कुलपति प्रो.केजी सुरेया होंगे। इस अवसर विविध क्षेत्रों में उत्कृष्ट कार्य के लिए पत्रकारों का सम्मानभी किया जाएगा। छत्तीसगढ़ प्रांत आयोजन समिति द्वारा यह कार्यक्रम रखा गया है।

डायमंड क्लब कार्निवल कल से

रायपुर। पं.दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम में डायमंड क्लब कार्निवल का आयोजन किया जा रहा है। यह आयोजन रविवार शाम 4 बजे से प्रारंभ होगा। इसमें टेलीविजन अभिनेत्री पूजा गौर भी शामिल होंगी। एटी ज्वेलर्स के सदर बाजार ब्रांच द्वारा यह आयोजन किया जा रहा है। डायरेक्टर सौरभ बरडिया न बताया, शोरूम द्वारा संचालित डायमंड क्लब के मेंबर्स के लिए यह आयोजन किया जा रहा है। इनमें ज्वेलरी फैशन शो के साथ ऐश्वर्या पंडित द्वारा अपने म्यूजिकल बैंड संग प्रस्तुति भी दी जाएगी।

प्राचार्यों की बैठक आज

रायपुर। उच्च शिक्षा संचालनालय द्वारा 29 जून को जिले के सभी शासकीय एवं अशासकीय महाविद्यालयों के प्राचार्यों की बैठक आयोजित की गई है। आज दोपहर 12:30 बजे साइंस कॉलेज में यह बैठक होगी। यहां राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के संबंध में चर्चा की जाएगी। सभी महाविद्यलयों के प्राचार्यों को बैठक में शामिल होने निर्देश दिए गए हैं।

बीए-बीएससी बीएड के मॉडल आंसर जारी

रायपुर। व्यावसायिक परीक्षा मंडल द्वारा बीए-बीएड और बीएससी-बीएड के मॉडल आंसर जारी कर दिए गए हैं। व्यापम द्वारा ये प्रवेश परीक्षाएं 9 जून को आयोजित की गई थी। 28 जून को इनके मॉडल आंसर जारी करने के बाद 5 जुलाई तक दावा-आपत्ति मांगे गए हैं। इसके पश्चात दावा-आपत्ति का निराकरण करते हुए अंतिम उत्तर जारी कर दिए जाएंगे।

एमए हिंदी के परिणाम जारी

रायपुर। पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा एमए हिंदी प्रथम वर्ष के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। परीक्षा में 2 हजार 958 छात्र शामिल हुए थे। इनमें से 2 हजार 330 छात्रों ने परीक्षा उत्तीर्ण कर ली है, जबकि 622 छात्र अनुत्तीर्ण रहे हैं। 6 छात्रों के परिणाम विविध कारणों से रोके गए हैं। वहीं 353 छात्र अनुपस्थित रहे। परिणाम 78.77 प्रतिशत रहे हैं, जिसे रविवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दिए गए हैं।

डीआरयूसीसी के केवल 7 सदस्यों ने रेलवे को भेजा एजेंडा, बैठक स्थगित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे ने कहा- समय पर डीआरयूसीसी बैठक करने को तैयार, लेकिन सदस्य ही समय पर नहीं भेजते एजेंडा

रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति, डीआरयूसीसी की तीसरी बैठक को स्थगित किया गया है। इसके पीछे रेलवे ने सदस्यों द्वारा समय पर एजेंडा प्राप्त नहीं होना मुख्य कारण बताया है। अभी तक केवल 2 बार ही डीआरयूसीसी की बैठक हुई है। छत्तीसगढ़ राज्य में विधानसभा व लोकसभा चुनावों की आचार संहिता की समाप्ति के बाद तीसरी 7 जून, 2024 को सभी सदस्यों को एजेंडा प्राप्ति के लिए सूचना दी गई। 11 दिनों में 18 जून 2024 तक मात्र 4 सदस्यों का एजेंडा प्राप्त हुआ था, उसके बाद सदस्यों से संपर्क कर एजेंडा मंगाया गया। 25 जून 2024 तक 3 सदस्यों ने और एजेंडा भेजा, कुल 7 सदस्यों का एजेंडा प्राप्त हुआ। अपर्याप्त एजेंडा होने के कारण 27 जून, 2024 को होने वाली बैठक स्थगित की गई। सीनियर डीसीएम ने बताया कि हम समय अनुसार डीआरयूसीसी की बैठक करना चाहते हैं, लेकिन सदस्य ही समय पर एजेंडा नहीं देते। ऐसी स्थिति बार-बार निर्मित हो रही है। एजेंडा अधिक होने से बैठक में रेल से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर चर्चा और विचार-विमर्श किया जाएगा।

ढाई साल में डीआरयूसीसी की मात्र 2 बैठक, न सुझावों पर अमल, न कामों की जानकारी

पहली बैठक में 86 मुद्दों पर चर्चा

रेल मंडल में 30 जून 2022 में नामित मंडल रेल उपभोक्ता सलाहकार समिति डीआरयूसीसी के सदस्यों की बैठक के लिए 4 अगस्त 2022 को सभी सदस्यों को एजेंडा प्राप्ति के लिए सूचना दी गई थी, जिसमें लगभग 11 सदस्यों का एजेंडा प्राप्त हुआ। बैठक 21 सितंबर 2022 को की गई। इसमें कुल 86 मुद्दों पर चर्चा की गई। डीआरयूसीसी सदस्यों की दूसरी बैठक के लिए 19 अप्रैल, 2023 को सभी सदस्यों को एजेंडा प्राप्ति के लिए सूचना दी गई, जिसमें 10 सदस्यों का एजेंडा प्राप्त हुआ। एजेंडा देर से प्राप्त होने के कारण बैठक 25 अगस्त 2023 को की गई, जिसमें कुल 61 मुद्दों पर चर्चा की गई।

नॉन-इंटरलाकिंग कार्य के फलस्वरूप पूर्व में रद्द की गई गाड़ियों को किया यथावत

तीन दिन पहले रेलवे ने 14 ट्रेनों को किया रद्द, अब फिर चलाने का फैसला

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रेलवे की कार्य व्यवस्था ने यात्रियों को परेशान कर डाला है। बुधवार को दक्षिण पूर्व रेलवे के खड़गपुर रेल मंडल में नॉन-इंटरलॉकिंग कार्य के कारण 14 ट्रेनों को रद्द करने का फैसला लिया गया था, जिसके बाद यात्रियों ने टिकट का रिफंड लेकर दूसरी ट्रेनों में अपना आरक्षण कराया, लेकिन शुक्रवार को रेलवे ने सभी 14 ट्रेनों को फिर से रद्द हुई तारीख में चलाने का फैसला लिया है। अब यात्रियों को फिर से कन्फर्म सीट के लिए अपना टिकट रद्द कर फिर से रिजर्वेशन कराना होगा। वर्तमान में ज्यादातर ट्रेनों में वेटिंग अधिक है। यात्रियों को कन्फर्म सीट नहीं मिल रही है। इस बीच रेलवे ट्रेनों को रद्द कर फिर चलाने के फैसले से यात्रियों को बेवजह परेशान कर रहा है। यात्री चार महीने पहले कन्फर्म सीट के लिए रिजर्वेशन कराते हैं।

पूरी प्लानिंग होने के बाद रद्द करने का नियम

रेलवे पिछले साल सभी जोन को पत्र लिखकर कहा था कि ट्रेनों को रद्द पूरी प्लानिंग होने के बाद रद्द करें, ताकि यात्रियों को दिक्कत न हो, लेकिन दो महीने में ऐसी दूसरी बार हो रहा है कि रेलवे ने पहले ट्रेन रद्द किया, फिर उसे चलाने का फैसला लिया है। 14 रद्द ट्रेनों में पुणे, हावड़ा, गुजरात व दिल्ली को जाने वाले प्रमुख ट्रेन शामिल थी। अचानक रद्द होने से यात्रियों को परेशानी हुई थी, लेकिन अब फिर से उसी ट्रेन में यात्रियों को रिजर्वेशन कराना होगा।

पूर्व में रद्द की गई गाड़ियां, जिन्हें यथावत किया गया

- 4 से 06 जुलाई 18029 एलटीटी- शालीमार एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी।
- 6 से 08 जुलाई 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी।
- 4 से 06 जुलाई 12129 पुणे-हावड़ा आजाद हिन्द एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी।
- 6 से 08 जुलाई, 12130 हावड़ा-पुणे आजाद हिन्द एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी।

- 4 जुलाई, 12905 पोरबंदर-शालीमार एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 6 जुलाई, 12906 शालीमार-पोरबंदर एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 6 जुलाई 20971 उदयपुर-शालीमार एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी।
- 7 जुलाई, 20972 शालीमार-उदयपुर एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 5 जुलाई 12949 पोरबंदर-सांतरागाछी एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 7 जुलाई, 12950 सांतरागाछी-पोरबंदर एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 6 जुलाई 22512 कामाख्या-एलटीटी एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 09 जुलाई, 22511 एलटीटी-कामाख्या एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 06 जुलाई, 12101 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।
- 8 जुलाई, 12101 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस को पूर्व में रद्द की गई थी, अब यह गाड़ी अपने समयानुसार चलेगी ।

जून बीतने को... प्रदेश में 36 प्रतिशत कम वर्षा, पहली बार 31 जिलों में माइनस की स्थिति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जोरदार मानसूनी सिस्टम नहीं बनने की वजह से प्रदेश में व्यापक रूप से बारिश नहीं हुई है। जून का महीना 36 फीसदी कम वर्षा के साथ बीतने को है। अभी रायपुर समेत 31 जिलों में स्थिति माइनस की है। पहली बार समूचे बस्तर में केवल बीजापुर में ही सामान्य से 29 मिमी. ज्यादा बारिश हुई है। मौसम विशेषज्ञों की मानें तो पिछले चार-पांच साल से बारिश का प्रभाव 15 जुलाई के बाद ही नजर आता है और सितंबर के अंत तक अपना कोटा पूरा करता है। राज्य में व्यापक बारिश के लायक अभी सिस्टम नहीं बना है, जिसकी वजह से जून का महीना भी काफी कमी के साथ बीतने वाला है। मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार 1 जून से 28 जून तक राज्य में 172.5 मिमी. की तुलना में 110.2 मिमी. यानी 36 प्रतिशत कम वर्षा हुई है। पहली बार ऐसा हुआ है कि बस्तर, जो जून का महीना समाप्त होने तक पानी से लबालब हो जाता था, वहां सूखे जैसे स्थिति बनी हुई है। केवल बीजापुर ही ऐसा जिला है, जहां सामान्य से 14 प्रतिशत अधिक वर्षा हुई है। इसी तरह बलौदाबाजार में वर्षा का आंकड़ा 18 प्रतिशत अधिक है, इसके बाद शेष 31 जिले सामान्य वर्षा के कम वर्षा का संकट झेल रहे हैं। अगले दो दिन तक प्रदेश में झमाझम बारिश की संभावना कम है, कहीं-कहीं यह स्थिति हो सकती है। आने वाले दिनों में भी जुलाई के कुछ दिन ड्राई रहने के आसार हैं।

- बस्तर के एकमात्र बीजापुर जिले में 29 मिमी. ज्यादा बारिश

गंगालूर में बरसे 23 सेमी.

मौसम विभाग के अनुसार पिछले चौबीस घंटे में बीजापुर के गंगालूर में 23 सेमी. तक बारिश हुई है। इसके अलावा नगरी में 9, भाटापारा में 8, बलौदाबाजार, जगदलपुर, पाटन में 7, दोरनापाल, तोंगपाल, छिंदगढ़ में 6, अंबिकापुर सुहेला सहित अनेक स्थानों में पांच सेमी. तथा अन्य इलाकों में चार से एक सेमी. तक बारिश हुई।

प्रमुख जिलों में अब तक बारिश

जिला	अब तक	सामान्य वर्ष	अंतर
रायपुर	125.6	147.6	-15
बिलासपुर	103.3	140.4	-26
बीजापुर	238.1	208.9	+14
बलौदाबाजार	153.8	130.6	+18
सरगुजा	52.7	194.5	-73
जगदलपुर	161.8	214.8	-25

छाए रहने काले बादल, हुई बूंदाबांदी

राजधानी रायपुर में शुक्रवार को सुबह से काफी मात्रा में बादल छाए रहे, मगर बारिश के नाम पर केवल बूंदाबांदी ही हुई।

अचानक बलौदाबाजार पहुंचे मुख्य सचिव और डीजीपी, अधिकारियों का बढ़ाया मनोबल

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के मुख्य सचिव अमिताभ जैन एवं पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा शुक्रवार देर शाम अचानक जिला मुख्यालय बलौदाबाजार पहुंचे। उन्होंने आगजनी की घटना के बाद कलेक्ट्रेट बिल्डिंग के पूर्ण हो चुके रेस्टोरेशन कार्य का जायजा लिया तथा अधिकारियों की बैठक लेकर बेहतर दायित्व निर्वहन के लिए उनका मनोबल बढ़ाया। इस अवसर पर अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक अमित गुप्ता, रायपुर रेंज के पुलिस महानिरीक्षक अमरेश कुमार मिश्रा भी उपस्थित थे।

मुख्य सचिव ने कहा, घटना बहुत ही दुर्भाग्यजनक है। आम जनता को तथा कार्यालय के अधिकारी-कर्मचारियों को इससे भौतिक नुकसान भी पहुंचा है और इस अप्रिय घटना के चलते सभी को भावनात्मक दुख भी पहुंचा है। जो आर्थिक नुकसान हुआ है, वो जल्द ठीक हो जाता है। भावनात्मक मनोदशा को ठीक करने में समय लगता है। जिला प्रशासन ने भवन का रेस्टोरेशन बहुत कम समय में पूर्ण कर लिया है और सभी अधिकारी-कर्मचारी सामान्य रूप से काम कर रहे हैं। घटना के बाद वे पुनः इससे उबरकर उत्साह से काम में जुटे हैं, यह प्रशसनीय बात है। उन्होंने कहा, जो भी क्षति हुई है, उसकी पूर्ति के लिए शासन पूरा सहयोग करेगा।

संवादहीनता की स्थिति न आने दें

पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा ने कहा, इस घटना की पुनरावृत्ति न हो। कलेक्टर एवं पुलिस अधीक्षक द्वारा जो भी निर्देश दिए जा रहे हैं, उसका पालन सुनिश्चित करें। घटना से अधिकारी-कर्मचारियों के मनोबल पर निश्चित ही असर हुआ है, लेकिन आप सभी संकल्पित हैं और जल्द इससे उबर जाएंगे। उन्होंने कहा, लोकसेवक का कर्तव्य है कि उसका लोगों के साथ संपर्क व संवाद होता रहे। संवादहीनता बिलकुल न आने दें। अधिकारी अपने कक्ष में कम से कम 2-से 3 घंटे लोगों से मिलें।

कलेक्टर ने दिया पॉवर पाइंट प्रजेंटेशन

कलेक्टर दीपक सोनी ने पॉवर पॉइंट प्रेजेंटेशन के माध्यम से अब की गई कार्रवाई की सिलसिलेवार जानकारी दी। उन्होंने मुख्य सचिव को विश्वास दिलाया कि बैठक में जो भी निर्देश दिए गए हैं, उसका पालन सुनिश्चित किया जाएगा। बेहतर कार्य करने सभी का प्रयास होगा। पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने बताया कि मुख्य आयोजक एवं उसके सहयोगियों सहित अब तक 153 आरोपियों की गिरफ्तारी हो चुकी है। संदेहियों की लगातार जांच की जा रही है। 24 घण्टे सोशल मीडिया की मॉनिटरिंग की जा रही है। नकारात्मक पोस्ट वाले एकाउंट को ब्लॉक किया जा रहा है।

आत्मानंद विद्यालय का प्रोजेक्ट निरस्त, नई बिल्डिंग बनाने अब दोबारा बनेगा प्रस्ताव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दो साल पहले शासन के आदेश पर बिरगांव निगम क्षेत्र में स्वामी आत्मानंद विद्यालय तो शुरू करवा दिया गया, लेकिन नई बिल्डिंग की कार्ययोजना निरस्त हो गई है। अब दोबारा प्रक्रिया के चलते नई बिल्डिंग के लिए क्षेत्र के लोगों को इंतजार करना पड़ेगा। वहीं सैकड़ों विद्यार्थियों को अडवानी ऑर्लिकॉन उच्चर माध्यमिक विद्यालय के पीछे संचालित हो रहे शहीद नंद कुमार पटेल शासकीय महाविद्याल की बिल्डिंग में ही पढ़ाई करनी होगी। निगम क्षेत्र के लोगों को सरकार की अनुशंसा पर सालभर पहले की गई पहल पर नई बिल्डिंग मिलने का उम्मीद थी। स्कूल शिक्षा विभाग ने लोक निर्माण विभाग से 7.52 करोड़ का प्रस्ताव बनवाने के बाद शासन को भेजा था। नई बिल्डिंग बनवाने के लिए अडवानी स्कूल के पिछे पटवारी रिकार्ड में ढाई एकड़ सरकारी जमीन भी तय की गई थी। इसके आस-पास लोगों का कब्जा होने से जमीन का रिकार्ड भेजने में विलंब होने से बजट को मंजूरी नहीं मिली। सरकार बदलने से उस प्रोजेक्ट को मंजूरी भी नहीं मिली है। निगम के सूत्रों ने बताया कि नई बिल्डिंग का निर्माण कराने के लिए अब नए सिरे से प्रस्ताव बनाने की जानकारी जिम्मेदारों से मिली है। इससे क्षेत्र में शुरू किए गए पहले आत्मानंद विद्यालय को बिल्डिंग की सुविधा के लिए अभी इंतजार करना पड़ेगा।

नए सिरे से बनेगा प्रोजेक्ट

आत्मानंद विद्यालय के लिए तय जमीन को खाली करवाने के बाद वहां बाउंड्री करवाई गई है। नई बिल्डिंग निर्माण को लेकर स्कूल शिक्षा एवं पीडब्ल्यूडी से जानकारी मिली है, कि प्रोजेक्ट निरस्त हो गया है। अब नए सिरे से प्रोजेक्ट बनाया जाएगा।

- **बृजेश सिंह क्षत्रिय,** आयुक्त, नगर निगम, बिरगांव

इसलिए नहीं मिला था फंड

मामले की पड़ताल में पता चला कि जिस जमीन का चिन्हांकन सालभर पहले किया गया था, वहां लोगों ने मकान बनाकर रहना शुरू कर दिया है। इससे उस जमीन को खाली करवाने और उसकी रिपोर्ट शासन को भेजने में विलंब होने से बिल्डिंग का प्रोजेक्ट फाइलों का हिस्सा बनकर रह गया। इसके चलते पूर्व सरकार से फंड भी नहीं मिला और नई सरकार ने प्रोजेक्ट को भी निरस्त कर दिया। इससे 5 सौ से ज्यादा विद्यार्थियों को सर्व सुविधा युक्त नई बिल्डिंग अभी तक नहीं मिली है।

व्यवस्थापन में विलंब के

निगम के जिम्मेदारों ने स्कूल की नई बिल्डिंग के लिए तय जमीन को खाली करवाने के लिए वहां बसे 120 परिवारों को उरला में बीएसयूपी कॉलोनी बनवाने के बाद वहां व्यवस्थापन दिया है। इसके साथ ही जमीन पर दोबारा कब्जा न होने पाए इसके लिए जमीन को बचाने के लिए बाउंड्री का निर्माण करवाया है। यहां पहले लोगों ने बाउंड्री को तोड़ने के बाद स्कूल की जमीन पर मकान बनाकर रहना शुरू कर दिया था। नोटिस के बाद व्यवस्थापन में विलंब के चलते निर्माण भी अटक गया।

बिजनेस साइट

श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के शहरी नेत्र सेवा प्रोग्राम की शानदार शुरुआत

रायपुर। श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल और गणेश विनायक फाउंडेशन ने शुक्रवार को शहरी नेत्र सेवा प्रोग्राम की शुरुआत की। इस प्रोग्राम के तहत रायपुर के अलग-अलग वार्डों में नेत्र जांच की जाएगी। शुक्रवार को लालपुर के पटेल चौक में कार्यक्रम की शुरुआत हुई, जिसमें स्थानीय पार्षद रवि ध्रुव का सहयोग मिला। कार्यक्रम में विधायक मोतीलाल साहू ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई और इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम में श्री गणेश विनायक आई हॉस्पिटल के निदेशक और गणेश विनायक फाउंडेशन के अध्यक्ष डॉ. अनिल गुप्ता भी अपनी टीम और वैन के साथ उपस्थित रहे। उन्होंने वैन का उद्घाटन किया, यह सभी सुविधाओं से लैस है और रायपुर के सभी वार्डों में जाकर निशुल्क इलाज किया जा सकेगा। डॉ. अनिल गुप्ता ने कहा कि हम रायपुर के विभिन्न स्थानों पर और अधिक नेत्र जांच शिविर आयोजित करेंगे। गणेश विनायक आई हॉस्पिटल और हमारी टीम शहरवासियों की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है।

सुब्रतो मुखर्जी फुटबॉल में विवेकानंद विद्यापीठ का दबदबा कायम

रायपुर। छग शालेय शिक्षा विभाग द्वारा आयोजित क्षेत्रीय सुब्रतो मुखर्जी फुटबाल प्रतियोगिता में बालक 15 व 17 वर्ष में आयोजित फुटबाल प्रतियोगिता में महासमुंद, धमतरी को पछाड़कर रायपुर जिले की टीम ने दोनों वर्गों में जीतकर अपना वर्चस्व कायम किया। बालक 15 वर्ष फाइनल में स्कोर रहा रायपुर 9 गोल - धमतरी 0 गोल व बालक 17 वर्ष फाइनल में रायपुर 5 गोल - धमतरी 0 गोल। मैच के दौरान रायपुर जिला खेल अधिकारी आईपी वर्मा, राकेश प्रधान व रेड्डीजी उपस्थित थे। निर्णायक मंडल बृजभूषण ठाकुर, गजभूषण टेंडी, रफीक खान, विमल साहू , परिहार व एसआर ध्रुव रहे।

नेताम बोले- जंगल बचेगा तो आजीविका के साधन बढ़ेंगे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

आदिम जाति विकास मंत्री रामविचार नेताम ने कहा कि ईश्वर ने हमें प्रकृति के गोद में जन्म दिया है। राज्य के विशेषकर बस्तर और सरगुजा के बहुतायत आदिवासियों का जीवन वन संसाधन पर आश्रित है। यदि जंगल नहीं बचेगा तो हमारी आजीविका के साधन भी कम हो जाएंगे। उन्होंने कहा कि जंगल बचेगा तो आजीविका के साधन बढ़ेंगे। हमें कर्तव्यनिष्ठा के साथ जंगलों का संरक्षण करना चाहिए। वनों का सुरक्षा हमारा अधिकार ही नहीं, कर्तव्य भी है। मंत्री श्री नेताम शुक्रवार को नवा रायपुर स्थित आदिवासी अनुसंधान संस्थान में सामुदायिक वन संसाधन अधिकार प्राप्त ग्राम सभाओं के लिए आजीविका संवर्धन विषय पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला के समापन सत्र को संबोधित कर रहे थे। कार्यशाला को विभाग के संचालक पीएस एल्मा ने भी संबोधित किया।

- आजीविका संवर्धन पर दो दिवसीय कार्यशाला

खेल अधिकारियों की समीक्षा बैठक, दिए निर्देश

रायपुर। खेल एवं युवा कल्याण विभाग के सचिव हिम शिखर गुप्ता ने सभी जिला खेल अधिकारियों की समीक्षा बैठक संचालनालय में ली। इसमें विशेष रूप से पूर्ववर्ती योजना राजीव युवा मितान क्लबों के द्वारा पूर्व वर्षों में व्यय की गई राशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र, बिल व्हाउचर्स की ऑडिट तथा शेष राशि को शासन के खजाने में तत्काल जमा करने संबंधी निर्देश दिए गए। आगामी 10 जुलाई तक सभी जिलों को अनिवार्यतः कार्यवाही के निर्देश दिए गए। सहायक संचालक बस्तर तथा प्रभारी खेल अधिकारी जशपुर को अनुपस्थिति और जिले की प्रगति की जानकारी नहीं देने के कारण स्पष्टीकरण देने और सहायक संचालक राजनांदगांव, दुर्ग और रायगढ़ को कार्यों में अपेक्षित प्रगति नहीं होने के कारण 7 दिवस के भीतर स्पष्टीकरण प्रस्तुत करने कहा गया। कार्यों में लापरवाही बरतने और निर्देशों की अवहेलना करने वाले अधिकारियों पर तत्काल अनुशासनात्मक कार्यवाही के निर्देश दिए गए।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को

अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

हरिभूमि

रायपुर, शनिवार 29 जून 2024

लाइव

Email id- zindgi.live.hb@gmail.com

0771- 4242222, Message at - 9630172937

अब गोबर व फूलों से बनी धूप बत्ती व ....

लाइव इवेंट

हरियाणा में बिखरी छत्तीसगढ़ की कला, नृत्य का अद्भुत प्रदर्शन

हरियाणा के छात्रों ने जुटाई जानकारी

रायपुर। हरियाणा के अंबाला छावनी में क्षेत्रीय योगोत्सव फेस्ट का आयोजन किया गया है। यहां प्रदेश के भी स्काउट एंड गाइड के बच्चों ने हिस्सा लिया। छत्तीसगढ़ का प्रतिनिधित्व करने वाली टीम में गुजराती विद्यालय के छात्र भी शामिल रहे। रायपुर की 8 गाइड छात्राओं का दल प्रस्तुति पश्चात रायपुर पहुंचा। अंबाला शिविर में विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। योगोत्सव फेस्ट में जहां बालिकाओं ने शिरकत की, वहीं स्वास्थ्य जागरण के तहत महिलाओं और बच्चों को दवाई वितरण किया, स्वस्थ रहने के टिप्स दिए तथा पर्यावरण सुरक्षा अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया।

सांस्कृतिक आदान प्रदान के तहत छत्तीसगढ़ राज्य की गौरवशाली संस्कृति की झलक वेशभूषा और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की। हरियाणा के छात्रों ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति की जानकारी प्राप्त की। गाइड दल में खुशबू साहू, प्राची नायक, श्वेता बघेल, दीक्षा साहू, पूनम मानिकपुरी, शिवानी साहू, युवरानी साहू, तारणी नायक एवं गाइड प्रभारी आरती सिंह राजपूत शामिल रहीं। शाला प्रबंधन समिति ने छात्राओं को बधाई देते हुए उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

लाइव इवेंट

'फन विद लर्निंग' थीम पर काम करेंगे शहर के क्लब

क्लब का कार्य फन विद लर्निंग के साथ

रायपुर। रोटरी क्लब ऑफ रायपुर एलिगेंस ने अपने स्थापना दिवस के अवसर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया। यहां सदस्यों ने बताया, क्लब की शुरुआत 85 सदस्यों के साथ की गई थी, जिसके पश्चात प्रत्येक वर्ष नवीन सदस्यों को क्लब में जोड़ा जाता है। क्लब की शुरुआत का मुख्य उद्देश्य समाजिक गतिविधियों में हिस्सा लेना रहा। शुक्रवार को एक दिवसीय आयोजन में मुख्य अतिथि के रुप में डीजी रोटेरियन मंजीत सिंह अरोड़ा उपस्थित रहे। कार्यक्रम की शुरुआत शहर स्थित निजी होटल में शाम 7:30 बजे हुई।

इस अवसर पर फेलोशिप डिनर का आयोजन किया गया, जिसमें सदस्यों ने अपने एक साल के कार्य एवं सामाजिक गतिविधियों पर चर्चा की। वही मौजूदा लोगों को क्लब की जानकारी दी। समारोह अवसर पर विशिष्ट अतिथि के रुप में एजी रोटेरियन मीनाक्षी जैन और रोटेरियन विनय अग्रवाल मौजूद रहे। अध्यक्ष मनीषा अग्रवाल ने अपने संबोधन में कहा, क्लब सदस्यों द्वारा प्रत्येक माह लक्ष्य निर्धारिक किया जाता है। 'फन विद लर्निंग' थीम के साथ सदस्यों को काम करने के लिए प्रेरित किया जा रहा है। इस दौरान क्लब में शामिल नए सदस्यों को शामिल किया गया और बैच देकर सम्मानित किया गया।

बड़े पर्दे पर आज क्रिकेट का रोमांच, गार्डन से लेकर मॉल, कैफे और रेस्त्रां में लाइव स्क्रीनिंग

आज का मेन्यू... बुमराह फटाफट मैगी, विराट स्पेशल आइसक्रीम, रोहित एनर्जी ड्रिंक, जीत पर स्पेशल छूट

भारत और साउथ अफ्रीका के बीच आज वर्ल्ड कप फाइनल का मैच देखने हर कोई बेताब है। युवाओं ने दोस्तों के साथ इस मुकाबले को देखने तैयारी पूरी कर ली है। आज बड़े पर्दे से लेकर मॉल, कैफे, रेस्तरां व सड़कों में भी फाइनल का मैच का रोमांच देखने को मिलेगा।

रायपुर। क्रिकेट प्रेमियों के लिए यहां लाइव स्क्रीनिंग की जा रही है। लोग घर के बाहर भी मैच का लुत्फ उठा सकते हैं। इसके अलावा इंडिया की जीत के लिए मंदिर में यज्ञ पूजा करने की तैयारी है। इंडिया के फाइनल में पहुंचते ही शुक्रवार को कैफे, बार और रेस्तरां में मैच को लेकर खास मेन्यू तैयार किया गया है, जिसमें युवाओं को भारत की जीत पर स्पेशल ऑफर भी मिलेगा। नया रायपुर स्थित एक कैफे संचालक कृष्णा राठी ने बताया, क्रिकेट खिलाड़ियों के नाम भी व्यंजन परोसा जाएगा, जिसमें बुमराह फटाफट मैगी व विराट स्पेशल आइसक्रीम के साथ रोहित एनर्जी ड्रिंक जैसी व्यंजन मेन्यू में नजर आएंगे। मैच को लेकर युवाओं में उत्साह देखने को मिला रहा है। कई लोगों ने शुक्रवार को ही टेबल बुक करावा लिया है। क्लब और कैफे में देर रात तक मैच का लुत्फ उठाएंगे।

जीत के लिए मंदिरों में यज्ञ-पूजन की तैयारी, होटल में परोसे जाएंगे खास तरह के व्यंजन

रात 8 बजे सभी जगह क्रिकेट का उत्सव

2023 वर्ल्ड कप फाइनल की तरह आज भी सड़क किनारे दुकानों में मैच की लाइव स्क्रीनिंग देखने को मिलेगी। क्रिकेट प्रेमियों के लिए दुकानदारों ने बड़ी टीवी व पर्दे में मैच दिखाने की तैयारी की है। आजाद चौक, सदर बाजार समेत रेलवे स्टेशन में भी मैच देख सकते हैं। शहर में रात 8 बजे सभी जगह क्रिकेट का उत्सव नजर आएगा।

थिएटर में मैच देखने बढ़ी दिलचस्पी

आज शहर के तीन प्रमुख मॉल के थिएटर में भारत और साउथ अफ्रीका का मैच दिखाया जाएगा। सिटी सेंटर, मैग्नेटो और 36 मॉल में शाम 7:20 बजे बड़े पर्दे में लाइव स्क्रीनिंग होगी। यहां मैच देखने के लिए बड़ी संख्या में लोगों ने बुकिंग कराई है। तीनों जगह रात 10 बजे तक 50 फीसदी सीटें भर चुकी थी। यहां लाइव स्क्रीनिंग देखने 350 से लेकर 900 रुपए का टिकट है, जिसमें खास व्यंजन भी परोसे जाएंगे। फाइनल मैच को लोग क्रिकेट का महापर्व के रूप में ले रहे हैं। पिछली बार बड़े पर्दे पर इंडिया-पाकिस्तान मैच देखने जमकर क्रिकेट प्रेमियों की भीड़ पहुंची थी।

जीत के बाद जयस्तंभ चौक में होगा जश्न

मैच को लेकर क्रिकेट प्रेमियों ने पूरी तैयारी कर ली है। डब्ल्यूआरएस क्रिकेट समूह के युवाओं ने शिव मंदिर में हवन पूजा का आयोजन दोपहर में रखा गया। समूह के निशांत साहू ने बताया कि मैच में भारत के जीतने की पूरी संभावना है। पानी के कारण मैच प्रभावित न हो इसलिए हवन पूजन किया जाएगा। इसके अलावा जीत के बाद देर रात तक जयस्तंभ चौक में भारत की जीत पर जश्न मनाया जाएगा। शहर के मैदान में लाइव स्ट्रीमिंग के दौरान हर चौके-छक्के पर पटाखे फोड़कर जश्न मनाने की तैयारी है।

सोसायटी में बड़ी एलईडी स्क्रीन का रोमांच

क्रिकेट प्रेमी अपने दोस्तों, परिवार व भीड़ के साथ मैच देखने की अलग-अलग योजना तैयार कर रहे हैं। कई स्थानों पर सामूहिक रूप से एलईडी स्क्रीन लगाकर मैच देखने की तैयारी हो रही है। कई क्लब की ओर से होटल के सभागारों को भी बुक किया जा रहा है। यहां पर क्लब के सदस्य अपने पूरे क्लब परिवार के साथ मैच देखने की तैयारी में हैं। शहर के सभी मॉल में भी लोग बड़ी स्क्रीन पर परिवार व दोस्तों के साथ लाइव मैच का आनंद उठा सकते हैं। सिटी सेंटर, मैग्नेटो और 36 मॉल व अंबुजा में लाइव स्ट्रीमिंग किया जाएगा। टीम इंडिया को चीयर अप करने के लिए बड़ी स्क्रीन का इंतजाम किया गया है। इसके अलावा गांधी मैदान, मरीन ड्राइव और बीटीआई ग्राउंड में भी लाइव स्ट्रीमिंग में मैच दिखाया जाएगा।

नाक, कान व गला रोग चिकित्सक बनने आवेदन अब 12 जुलाई तक

रायपुर। पं. जवाहर लाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय के नाक, कान व गला रोग विभाग (ई.एन.टी) के अंतर्गत संचालित बैचलर ऑफ ऑडियोलॉजी स्पीच लैंग्वेज पैथोलॉजी (बीएएसएलपी) पाठ्यक्रम 2024-25 में प्रवेश लेने के लिए आवेदन फॉर्म 28 मई 2024 से ऑनलाइन प्रारंभ किया गया था। आवेदन पत्र स्पीड पोस्ट, रजिस्टर्ड पोस्ट अथवा सामान्य डाक द्वारा 27 जून तक तथा विलंब शुल्क के साथ 29 जून तक जमा किए जा सकते थे, परंतु 27 जून को हुए विभागीय बैठक के निर्णय अनुसार फार्म जमा करने की अंतिम तिथि बढ़ाकर 10 जुलाई एवं विलंब शुल्क के साथ 12 जुलाई तक कर दी गयी है।

दावा आपत्ति 25 जुलाई तक

आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की सूची 18 जुलाई को वेबसाइट **raipurbaslp.org** में जारी की जाएगी। उपरोक्त जारी किए हुए मेरिट सूची में दावा आपत्ति के लिए अभ्यर्थी 25 जुलाई तक आवेदन कर सकते हैं। उक्त दिनांक के पश्चात दावा आपत्ति के लिए किए गए आवेदन स्वीकार नहीं किए जाएंगे। आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों की दावा-आपत्ति उपरांत अंतिम मेरिट सूची दिनांक 29 जुलाई को वेबसाइट **www.raipurbaslp.org** में जारी की जाएगी। बीएएसएलपी पाठ्यक्रम में प्रवेश के लिए काउंसलिंग 31 जुलाई से की जाएगी। पाठ्यक्रम, प्रवेश संबंधी विवरणिका, आवेदन पत्र, प्रवेश संबंधी नियम, आवेदन प्रारूप एवं अन्य जानकारी के लिए वेबसाइट **raipurbaslp.org** का अवलोकन कर सकते हैं।

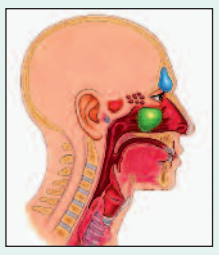

10वीं के पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन परीक्षा परिणाम जारी

*रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल रायपुर द्वारा आयोजित हाई स्कूल मुख्य परीक्षा वर्ष-2024 के पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन के परीक्षा परिणाम शुक्रवार को जारी कर दिया गया है। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल की सचिव पुष्पा साहू के अनुसार, पुनर्गणना के लिए 709 आवेदन एवं पुनर्मूल्यांकन के लिए 5 हजार 122 आवेदन प्राप्त हुए थे। इस प्रकार पुनर्गणना और पुनर्मूल्यांकन मिलकार 5 हजार 831 आवेदन प्राप्त हुए थे। मंडल द्वारा जारी परिणाम के अनुसार पुनर्गणना के बाद 125 एवं पुनर्मूल्यांकन के बाद 2 हजार 379 के परिणाम परिणाम परिवर्तित हुए हैं। इस प्रकार कुल 2 हजार 504 आवेदकों के अंकों में परिवर्तन हुआ है। पुनर्गणना एवं पुनर्मूल्यांकन के परीक्षा परिणाम माध्यमिक शिक्षा मंडल की वेबसाइट **www.cgbse.nic.in** पर उपलब्ध हैं।*

कला केन्द्र से निखर रही है हर आयु वर्ग के कलाकारों की कला

105 दिन में 1890 कलाकारों ने लिया 23 अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षण

रायपुर। मार्च में प्रारंभ हुए कलाकेंद्र में अब तक 1890 कलाकार 23 अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं। वर्तमान में 900 से अधिक प्रशिक्षणार्थियों के साथ नियमित रूप से सुबह 6 से 10 बजे एवं शाम 4 बजे से रात्रि 8 बजे तक अलग-अलग तीन पालियों में कला केन्द्र संचालित हो रहा है। इसमें हर एक विधा में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा संबंधित विधा को बारीकी से सिखाई जाती है और प्रैक्टिकल रूप से ट्रेनिंग दी जाती है। गौरतलब है कि नालंदा परिसर स्थित कला केंद्र का संचालन हो रहा है।

इस केंद्र में बच्चे और युवाओं को कुल 23 विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। गाने की रिकॉर्डिंग के लिए कक्ष का निर्माण भी किया गया है। ओपन मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समय-समय पर प्रस्तुतियां हो रही हैं।

5 से 60 वर्ष तक के प्रशिक्षार्थी

कला केंद्र का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर किया जा रहा है। प्रशिक्षार्थियों के लिए सौ रूपये में पंजीयन एवं पांच सौ रूपये प्रतिमाह की दर से प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। केंद्र में न्यूनतम पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 60 वर्ष से अधिक वरिष्ठ व्यक्ति भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। परिसर में अलग-अलग प्रशिक्षण कक्ष तैयार किए गए है। जहां प्ले आर्ट मेहंदी, बासुरी, तबला, हारमोनियम, बैंजो वादन आदि कलाओं का प्रशिक्षण के साथ साथ लोक संगीत, पियानो और गिटार का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है। यहां डांस, जुंबा इत्यादि भी प्रशिक्षण मिल रहा है। कला केन्द्र के माध्यम से प्रशिक्षकों को रोजगार के अवसर मिल रहे हैं और लोगों को विभिन्न विधिओं का किफायती दर पर प्रशिक्षण प्राप्त हो रहा है।

सिटी लाइव

न्योता भोज संग बच्चों को वितरित की पाठ्य सामग्री

रायपुर। विगत कई सालों से लगातार जेसीआई द्वारा सामाजिक कार्यों में भागिदारी बनी रहती है। शुक्रवार को जेसीआई रायपुर कैपिटल द्वारा 'सौजन्य से सौभाग्य अन्न योजना' कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इसके अंतर्गत शाला प्रवेश दिवस पर पुरैना स्थित शासकीय पूर्व माध्यमिक शाला में लगभग 300 विद्यार्थियों को भोजन कराया गया। इस अवसर पर किताब, कॉपी, पेन जैसे स्टेशनरी वस्तुओं का वितरण किया गया। शाला प्रवेश उत्सव के दौरान छात्र-छात्राओं द्वारा रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया, जिमसें बच्चों ने फिल्मों गीतों में प्रस्तुति दी।

स्टेशनरी वस्तुओं का वितरण

इस दौरान मुख्य अतिथि के रूप मे ग्रामीण विधायक मोतीलाल साहू उपस्थित रहे। जेसीआई के सदस्यों ने बताया, सौजन्य से सौभाग्य अन्न योजना के अंतर्गत भोजन वितरण का कार्य किया जाता है। जिसमें संस्थान के सदस्यों के सहयोग से इसका संचालन किया जाता है, बीते कई वर्षों से इस प्रकार का आयोजन किया जा रहा है। इससे आर्थिक रुप से कमजोर विद्यार्थियों को स्टेशनरी और भोजन का वितरण किया जाता है। जिससे उनके भविष्य में शिक्षा संबंधित गतिविधियों में किसी प्रकार की बाधा ना आए। उन्होंने संस्थान के इस पहल की सराहना की। कार्यक्रम जेसीआई सदस्य चित्रांक चोपड़ा, श्रीकांत पारख, विक्रम गिरडकर के मार्गदर्शन में किया गया। सुधीर अग्रवाल, रवि गोयल, कल्पना गुप्ता के परिजनों द्वारा भी इसमें सहयोग किया गया।

कैंपस लाइव

मिलेट को लेकर बढ़ी है जागरुकता अब कोदो-कुटकी भा रही लोगों को

रायपुर। कृषि महाविद्यालय में छत्तीसगढ़-मध्यप्रदेश के कृषि विज्ञान केन्द्रों की तीन दिवसीय 31वीं क्षेत्रीय कार्यशाला शुक्रवार से प्रारंभ हुई। इस मौके पर कृषि मंत्री रामविचार नेताम ने कहा, देश में कृषि के विकास में कृषि वैज्ञानिकों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। उन्होंने कहा कि आजादी के पहले देश में भूखमरी की स्थिति थी। आवश्यकता अनुरूप अनाज का उत्पादन नहीं हो पाता था, जिसके कारण हमें अन्य देशों पर निर्भर रहना पड़ता था। हमारे देश के कृषि वैज्ञानिकों, अनुसंधानकर्ताओं द्वारा नित नई तकनीकों की खोज और उत्पादन में वृद्धि के प्रयास का प्रतिफल है कि आज हमारे पास अन्न का पर्याप्त भंडार है और दूसरे देशों को निर्यात भी करते हैं। कृषि विज्ञान केंद्र और कृषि विश्वविद्यालय विकसित नवीन अनुसंधानों और तकनीकों को किसानों तक पहुंचाने का कार्य करते हैं और इस तरह कृषि के विकास तथा किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं।

देशभर से जुटे कृषि वैज्ञानिक

कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. गिरीश चंदेल ने कहा कि कृषि के विकास और किसानों को समृद्ध बनाने में कृषि विज्ञान केन्द्रों का महत्वपूर्ण योगदान रहा है। मिलेट फसलों कोदो-कुटकी का अच्छा बाजार भी उपलब्ध हो रहा है। मिलेट फसल के अच्छे भाव मिलने से किसान आर्थिक रूप से समृद्ध हो रहे हैं। कार्यशाला में भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद के एवं विभिन्न संस्थानों के निदेशक, जवाहर लाल नेहरू कृषि विश्वविद्यालय जबलपुर, राजमाता विजया राजे सिंधिया कृषि विश्वविद्यालय ग्वालियर के विशेषज्ञ तथा छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश के अंतर्गत कार्यरत कृषि विज्ञान केंद्रों के प्रमुख एवं वैज्ञानिक शामिल हुए।

आराधना

लोगों का दुख बांटना ही मोक्ष मार्ग ना करें दिखावे के लिए भंडारा

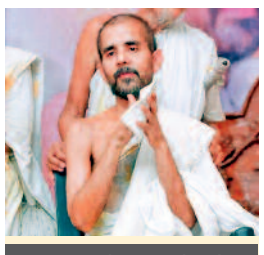

रायपुर। जिनवाणी प्रवचन के क्रम में शुक्रवार को विरागमुनिजी के श्रीमुख से न्यू राजेंद्र नगर स्थित महावीर स्वामी जिनालय में श्रावकों ने प्रवचन का लाभ लिया। प्रवचन के दौरान उन्होंने कहा, आप लोग खूब धर्म करते हो, खूब भंडारा करते हो। सड़क पर लोगों को रोक-रोककर भोजन और शरबत बांटते हो। उस एक दिन के इतर क्या कभी आपने राह चलते व्यक्ति को कभी रोकर पानी पूछा है, कभी उसे 5 रुपए देकर चाय पीने को कहा है? ऐसा आप कभी नहीं कर सकते, कभी ऐसा करके देखो। कभी अपने वर्कर को बिना मांगे 500 रुपए देकर देखो, तब किस सुख की अनुभूति होगी उसका अनुभव आपने अब तक शायद ना किया हो। चलो पैसे देना तो बहुत दूर की बात है अगर आप किसी का दुख देखकर, उसका दुख समझ कर उसके प्रति अगर आपको अंदर से सहानुभूति भी आ जाए तो आप मोक्ष मार्ग में आगे बढ़ जाएंगे।

प्रवचन के प्रसंगों को जीवन में उतारना होगा

आप जब प्रवचन सुनने आते हैं तो आप मन में दृढ़ संकल्प करते हैं और यह आपको विश्वास रहता है कि आप प्रवचन के प्रसंगों को अपने जीवन में उतारेंगे, लेकिन ऐसा होता नहीं है। क्योंकि प्रवचन के दौरान आपका मन कहीं और रहता है। हमने केवल प्रवचन सुनने मात्र का लक्ष्य बना रखा है कि सुबह हमें एक घंटे प्रवचन सुनने जाना है। इसी के चलते अक्सर हम जीवन की बड़ी-बड़ी परीक्षाओं में फेल हो जाते हैं। चातुर्मास समिति के प्रचार प्रसार संयोजक नीलेश गोलछा और तरुण कोचर ने बताया कि जिनवाणी की वर्षा के क्रम में 29 और 30 जून को देवेंद्र नगर स्थित शीतलनाथ जिनालय में मुनिश्री का प्रवचन होगा।

● महिलाओं ने बनाया संगठन, सुगंध के लिए हानिकारक वस्तुएं मिलाने के स्थान पर प्राकृतिक चीजों की मदद

अब गोबर व फूलों से बनी धूप बत्ती व दशांग से महकेगा पूजा घर, इसके लिए मंदिरों से फूल एकत्र कर रहीं महिलाएं

"अब गोबर व फूलों को सूखाने और उसे पिसने के बाद उससे धूपबत्ती व दशांग के साथ दीए जलाने के लिए बत्ती बनाने का काम रामकुंड व गंगाराम नगर की गृहणियों ने शुरू किया है। इसके लिए वे आपस में पैसे जमा करके उससे जरूरी सामग्री लेने के बाद होम मेड प्रोडक्ट तैयार करने के लिए संसाधन भी जुटा रही हैं। समृद्धि महिला एवं स्व सहायता समूह द्वारा तैयार प्रोडक्ट को थोक में खरीदने के लिए व्यापारियों ने भी सहमति दी है।

रायपुर। समूह की गुड्डन ठाकुर व मीरा साहू ने बताया कि आस-पास में आमापारा व शीतला तालाब स्थित है। जहां शिव एवं हनुमान मंदिर स्थित है। भगवान को अर्पित होने वाले फूलों को तालाब में विसर्जित किया जाता था। इससे तालाब में गंदगी होती थी। इसे देखते हुए हमने फूलों को सूखाने के बाद दोबारा उपयोगी बनाने के लिए प्रशिक्षण लेने के बाद इससे धूपबत्ती एवं दशांग बनाना शुरू किया है।

रसायन मुक्त पूजा सामग्री

समूह की सुमन मानिकपुरी व हेमलता जंघेल ने बताया कि अभी बाजार में मिलने वाली धूपबत्ती व दशांग में कई ऐसी चीजें मिक्स की जाती हैं, जिसका धुंआ स्वास्थ्य के लिए हानिकारक होता है। इससे लोगों को बचाने और गोबर व फूलों की पंखुड़ियों को सूखाने के बाद उसे पिसते हैं। इससे पूजाघर में देवी-देवताओं की आराधना में उपयोगी धूपबत्ती एवं दशांग में हर्बल सुंगध सामग्री मिलाते हैं। इसे तैयार करने में किसी प्रकार के उपकरण का इस्तेमाल नहीं किया जाता है। सालभर से तैयार की जा रही पूजा सामग्री को खरीदने में लोग रुचि ले रहे हैं। कई थोक व्यापारी तैयार किए गए प्रोडक्ट को खरीदने के लिए आगे आने लगे हैं।

दीया जलाने बना रहे बत्ती

इस ग्रुप को गृहणियों द्वारा ही संचालित किया जाता है। इसे देखते हुए घर-परिवार की जिम्मेदारी निभाने के बाद समूह से जुड़ी गृहणी एक जगह प्रोडक्ट बनाने के लिए जुटती हैं। इनमें 8 सदस्यों द्वारा धूपबत्ती व दशांग तैयार किया जाता है। साथ ही 10, 20 एवं 50 रुपए में बेचने के लिए पैकिंग भी करती हैं। महिलाओं का दूसरा ग्रुप रूई से दीया जलाने के लिए गोल एवं लंबी बत्ती बनाने में जुटता है। अभी तैयार होने वाली सामग्री को समुह की महिलाएं आस-पास के लोगों तक पहुंचा रही है। इस होम मेड प्रोडक्ट को बनाने और जरूरी सामग्री तैयार करने के लिए समूह की महिलाओं ने काम बांटा है, ताकि समय पर प्रोडक्ट बना सकें।

10 किलो धूपबत्ती तैयार होती है दो दिन में

अभी वे 8 से 10 किलो दशांग व धूपबत्ती बनाने में दो दिन लग रहे हैं। तैयार होने वाले होम मेड प्रोडक्ट को आस-पास की दुकानों के माध्यम से बेच रही है। इसके पीछे वजह यह है कि सभी गृहणी होने के साथ ही स्वावलंबन के लिए प्रयासरस हैं। इसे देखते हुए किराना स्टोर्स व पूजा सामग्री बेचने वाले भी प्रोडक्ट अच्छा होने से रिस्पांस दे रहे हैं। खर्च व होने वाली कमाई का आंकलन को लेकर समूह के मेंबर्स ने बताया कि अभी हम लोग इस प्रोडक्ट को जन-जन तक पहुंचाने के लिए खुद प्रयास कर रहे हैं, ताकि प्रयास सफल हो जाए।

पैसे एकत्र कर खरीदेंगी मशीन

करीब सालभर पहले आपस में पैसे जमा करके स्वावलंबन की ओर कदम बढ़ाने वाली महिलाओं ने अभी तक इस काम से होने वाले फायदे को बांटने की बजाय व्यवसाय को बढ़ाने सामग्री खरीदी है। महिलाओं ने अब तैयार होने वाले प्रोडक्ट को बाजार में लाने से पहले निर्माण की रफ्तार बढ़ाने पर फोकस किया है। फूलों की पंखुड़ियों व गोबर को सूखाने के बाद उसका पाउडर बनाने के लिए मशीन खरीदने की तैयारी में हैं। इस तरह का प्रयास वे इसलिए भी कर रही है, ताकि डिमांड को पूरा करने के लिए प्रोडक्ट ज्यादा बना सकें।

खरीद रही गोबर, जुटाती हैं फूल

आस-पास के मंदिरों से संपर्क करने के बाद समूह की महिलाएं वहां से निकलने वाले फूलों को जुटाने व सुखाने के बाद उसे कुटती हैं। इसी तरह मवेशी पालकों से गोबर खरीदने के बाद उसे सूखाने और पिसने के बाद दोनों को मिक्स करने के बाद हर्बल सुगंध मिला रही हैं। अभी वे हाथ से ही धूपबत्ती व दशांग तैयार कर रही हैं। इसे अलग-अलग रेंज में पैकिंग करने के बाद खुद बेचने की जिम्मेदारी निभाती रही हैं। अब व्यापारियों ने खरीदने के लिए संपर्क शुरू किया, तो सामग्री बनाने के लिए जरूरी सामान खरीदने की तैयारी है।

हारमोनियम व तानपूरा की मरम्मत के मिले टिप्स, तार लगाने की समझाई बारीकियां

रायपुर। कमलादेवी संगीत महाविद्यालय में शुक्रवार को संगीत वाद्य हारमोनियम एवं तानपूरा के मरम्मत, रखरखाव, एवं टयूनिंग आदि पर कार्यशाला का आयोजन किया गया। महाविद्यालय के व्याख्याता डॉ. दीपक बेड़ेकर ने इन वाद्यों के समस्त जानकारी विस्तार पूर्वक दी। तानपूरा की जवारी को ट्यून करना, तानपूरा के तार लगाना, मिलाना, जवारी और सूत मनका का प्रयोग को प्रायोगिक रुप से जिज्ञासु विद्यार्थियों को दिखाकर अवगत कराया। हारमोनियम की तीनों रीड को कैसे ट्यून करना है, इसके बारे में बताया गया। संगीत छात्रों ने इससे जुड़े सवाल भी पूछे, जिसका उत्तर उन्हें प्रयोग के माध्यम से दिया गया।

मोबाइल ऐप की ले सकते हैं मदद

इस मौके पर विद्यार्थियों को ना केवल पारंपरिक ज्ञान दिया गया, बल्कि उन्हें आधुनिक तकनीक के माध्यम से भी इन वस्तुओं के मरम्मत की जानकारी दी गई। मोबाइल ऐप की मदद से आधुनिक उपयोग संबंधित टिप्स कार्यशाला की विशेषता रही। इस दौरान कई विद्यार्थियों की उत्सुकता को देखते हुए उन्हें कई तरह के उदाहरण देकर चीजों को समझाया गया। कार्यशाला में करीब 50 विद्यार्थियों ने भाग लेकर इसका लाभ उठाया। सोनाली गोलदार एवं शिवानी बानी ने सहयोग प्रदान किया। इस अवसर पर हारमोनियम के प्रचलन में कमी आने एवं इसका स्थान कीबोर्ड वाद्य द्वारा लेने पर भी चिंता व्यक्त की गई।

हैदराबाद संग मिलकर प्राकृतिक संसाधनों से ऊर्जा निकालने पर शोध करेगा एनआईटी

रायपुर। एनआईटी द्वारा भूभौतिकी, भूविज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों से ऊर्जा निकालने के क्षेत्र में रिसर्च किया जाएगा। इसके लिए हैदराबाद की राष्ट्रीय भूभौतिकीय अनुसंधान संस्थान के साथ अनुबंध किया गया है। इस दौरान एनआईटी निदेशक प्रो.एनवी रमना राव और हैदराबाद के डॉ.प्रकाश कुमार सहित दोनों संस्थानों प्रमुख फैकल्टी मेम्बर्स और साइंटिस्ट उपस्थिति रहे। दोनों पक्षों द्वारा हस्ताक्षरित समझौते में सहयोग के कई प्रमुख क्षेत्रों की रूपरेखा तय की गई है। एनआईटी प्रबंधन के मुताबिक, यह अनुबंध भूभौतिकी, भूविज्ञान और प्राकृतिक संसाधनों से ऊर्जा निकालने के क्षेत्र में शोध कार्यों की संयुक्त रूप से पहचान करने और उन्हें आगे बढ़ाने पर केंद्रित होगा। दोनों संस्थान अनुसंधान कार्यक्रमों को बढ़ावा देने और उन्हें आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करेंगे।

विशेषज्ञता का लेंगे लाभ

इस समझौते में दोनों संस्थानों की संयुक्त विशेषज्ञता का लाभ उठाते हुए एक-दूसरे को सहायता प्रदान करने के प्रावधान शामिल है। दोनों संस्थानों द्वारा सहयोगात्मक प्रयासों से परिणामों की प्राप्ति के लिए दिशा-निर्देश तय किए जाएंगे, ताकि दोनों ही संस्थान निष्पक्ष और न्यायसंगत लक्ष्यों को प्राप्त कर सकें। यह समझौता उन क्षेत्रों में भी सहयोग की अनुमति देता है जिसमें दोनों संस्थान परस्पर काम कर सकते हैं। इससे नवाचार को बढ़ावा मिलने, अकादमिक आदान-प्रदान में वृद्धि होने और भूभौतिकी और भूविज्ञान क्षेत्र में रिसर्च और उसके एप्लीकेशन में महत्वपूर्ण चुनौतियों का समाधान करने में योगदान मिलेगा।

छग समाजशास्त्रीय एसोसिएशन के वार्षिक सम्मेलन में जुटे देशभर के विद्वान

विकास के बाद भी जारी है आदिवासी महिलाओं का संघर्ष शोध से सशक्तिकरण के लिए बन सकती है बेहतर नीति

कार्नर न्यूज

रायपुर। वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर मंथन करना आज के दौर में बेहद आवश्यक और प्रासंगिक विषय है। इसमें कोई दो मत नहीं है कि स्वतंत्रता के 75 वर्ष बाद हम देखें तो आदिवासी महिलाओं का विकास हुआ है, लेकिन उनका संघर्ष पूरी तरह खत्म नहीं हुआ, अभी भी जारी है। आदिवासी महिलाओं पर यदि अध्ययन किया जाता है तो वह पूरी ईमानदारी के साथ फील्ड पर जाकर किया जाना चाहिए, जिससे वास्तविक रूप से वस्तुस्थिति का पता लगाया जा सके और सरकार बेहतर नीति बना सके। यह बातें छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन और पं.रविशंकर शुक्ल विवि के समाजशास्त्र एवं समाजकार्य अध्ययनशाला द्वारा संयुक्त रूप से वैश्विक परिदृश्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर आयोजित प्रथम वार्षिक सम्मेलन में अतिथियों एवं विद्वानों ने कही। रविवि विश्वविद्यालय के सभागृह में आयोजित इस सम्मेलन में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा सचिव प्रसन्ना आर ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में आदिवासी महिलाओं की स्थिति पर मंथन करना आवश्यक है और यह महत्वपूर्ण विषय है जिस पर गंभीरता से कार्य करने की जरूरत है। बेहतर होगा कि आदिवासी क्षेत्रों में जाकर हम अध्ययन करें और वास्तविक स्थिति का पता लगाएं। शोध कार्यों के आधार पर उनके सशक्तिकरण के लिए बेहतर नीति बनाई जा सकेगी।

समाज की मुख्य धारा से जुड़ नहीं पाए

इसके पूर्व छत्तीसगढ़ समाजशास्त्रीय एसोसिएशन की अध्यक्ष और सम्मेलन की समन्वयक प्रो.प्रीति शर्मा ने कहा कि हमारा प्रयास रहेगा कि हम शोधार्थियों के लिए एक ऐसा प्लेटफार्म स्थापित करें, जहां निरंतर विभिन्न अकादमिक गतिविधियों को बढ़ावा मिले। आयोजन सचिव प्रो. एल.एस. गजपाल ने कहा कि आदिवासी महिलाओं से संबंधित तमाम योजनाओं के बाद भी वे समाज की मुख्य धारा से जुड़ नहीं पाए हैं जिसकी आज नितांत आवश्यकता है। कार्यक्रम में रविवि कुलपति प्रो. सच्चिदानंद शुक्ला, समाज कार्य अध्ययनशाला के अध्यक्ष प्रो. एन. कुजूर, प्रो. गजपाल, प्रो सुचित्रा शर्मा, प्रो.सुनीता सत्संगी, प्रो. श्रद्धा गिरोलकर, प्रो. पुष्पा तिवारी, प्रो. मंजू झा, हर्ष पांडे, सुशील गुप्ता सहित अन्य पदाधिकारीगण, प्राध्यापकगण, शोधार्थी, विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ करें अध्ययन

हेमचंद विश्वविद्यालय दुर्ग की कुलपति प्रो. अरुणा पलटा ने राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और छत्तीसगढ़ राज्य की पूर्व राज्यपाल अनुसुइया उइके का उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि जनजातीय महिलाओं में प्रतिभाओं की कमी नहीं है। उनमें पर्याप्त संभावनाएं हैं, आवश्यकता उन्हें जागरुक करने की है। उन्होंने सीजीएसए के प्रथम वार्षिक सम्मेलन के विषय को वर्तमान परिप्रेक्ष्य में प्रासंगिक बताया। समारोह के मुख्य वक्ता संबलपुर यूनिवर्सिटी ओडिशा के समाज विज्ञान के पूर्व अधिष्ठाता प्रो. सुखदेव नायक ने कहा कि आदिवासी महिलाओं की स्थिति को लेकर अध्ययन की पर्याप्त संभावनाएं हैं, जरूरत है कि पूरी निष्ठा और ईमानदारी के साथ अध्ययन करें जिससे वास्तविक तथ्यों का पता लगाया जा सके।

सिटी स्पोर्ट्स

अंडर-19 एलिट ग्रुप क्रिकेट में भिलाई को मिली बढ़त

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट क्रिकेट संघ द्वारा अंडर-19 एलिट ग्रुप इंटर डिस्ट्रिक्ट टुर्नामेंट में छत्तीसगढ़ की विभिन्न 10 टीम हिस्सा ले रही हैं। प्रतियोगिता का फायनल मुकाबला 27 से 30 जून तक जारी है। दुसरे दिन के खेल में शुक्रवार को रोमांचक मुकाबले हुए। प्लेट कंबाइंड तथा भिलाई के मध्य शहीद वीर नारायण सिंह अंर्तराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, रायपुर में मुकाबला हुआ। जिसमें प्लेट कंबाइंड ने टॉस जीतकर पहले क्षेत्ररक्षण करने का निर्णय लिया। भिलाई ने अपनी पहली पारी में 58.5 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 239 रन बनाये। जिसमें आलोक गुप्ता ने 60 रन तथा इशांत राव ने 55 रनों का योगदान दिया। प्लेट कंबाइंड की ओर से आशीष कोरी ने 5 विकेट हासिल किये। प्लेट कंबाइंड ने अपनी पहली पारी में 72.3 ओवरों में 10 विकेट के नुकसान पर 197 रन बनाये। प्लेट कंबाइंड की ओर से आशीष कोरी ने 48 रन तथा क्षितिज तिवारी ने 37 रन बनाये। वहीं भिलाई की ओर से गर्व कुमार सिंह ने 4 विकेट तथा कुमार इशान ने 3 विकेट चटकाये। दुसरे दिन की समाप्ति तक भिलाई ने अपनी दूसरी पारी में 33 ओवरों में 3 विकेट खोकर 98 रन बना लिये हैं। भिलाई की ओर से गर्व कुमार सिंह ने 50 रन तथा रुबल साहु ने 31 रनों का योगदान दिया। वहीं प्लेट कंबाइंड की ओर से रुद्र प्रताप ने 2 विकेट तथा ओम कोशले ने 1 विकेट लिए। दुसरे दिन की समाप्ति तक भिलाई ने 140 रनों की बढत प्राप्त कर ली है।

सीनियर नेशनल रग्बी चैंपियनशिप के लिए राज्य की टीम पुणे रवाना

रायपुर। रग्बी फुटबाल सेवंस ए साइड चैंपियनशिप पुणे के बालेबाडी खेल मैदान में 29 व 30 जून को आयोजित होने जा रही है। प्रतियोगिता में हिस्सा लेने छत्तीसगढ़ की टीम रवाना हो गई है। राज्य टीम में बिलासपुर जिले से मार्क थामस, ऋतिक श्रीवास्तव,अभिनव यादव व ललित राठिया का चयन हुआ है। टीम के साथ मैनेजर के रूप में बिलासपुर से शुभम मानिक टीम में शामिल है। जिला टीम के कोच शुभम मानिक ने बिलासपुर से चयनित खिलाड़ियों के साथ सभी खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दी है।

गुजराती स्कूल का गाइड दल योगोत्सव से लौटा

रायपुर। गाइड छत्तीसगढ़ के माध्यम से स्टेट ट्रेनिंग सेन्टर, अम्बाला छावनी (हरियाणा) में 19 से 23 जून तक आयोजित क्षेत्रीय योगोत्सव फेस्ट एवं हेल्थ हाइजिन में छत्तीसगढ़ राज्य का प्रतिनिधित्व श्री गुजराती उ मा शाला रायपुर की 08 गाइड छात्राओं ने किया। शाला की गाइड प्रभारी आरती राजपूत के नेतृत्व में यह दल आयोजन के उपरांत रायपुर लौटा।अम्बाला शिविर में श्री गुजराती स्कूल के विद्यार्थियों ने प्रभावशाली प्रदर्शन किया। योगोत्सव फेस्ट में जहाँ शिरकत की वही स्वास्थ्य जागरण के तहत महिलाओं, बच्चों को दवाई वितरण किया, स्वस्थ रहने के टिप्स दिए तथा पर्यावरण सुरक्षा अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया। सांस्कृतिक आदान प्रदान के तहत छत्तीसगढ़ राज्य की गौरवशाली संस्कृति की झलक वेशभूषा और नृत्य के माध्यम से प्रस्तुत की। इस दल में खुशबू साहू , प्राची नायक, श्वेता बघेल, दीक्षा साहू, पूनम मानिकपुरी, शिवानी साहू, युवरानी साहू, तारणी नायक एवं आरती सिंह राजपूत (गाइड प्रभारी) गाइड दल ने प्राचार्य अनीस मेमन के माध्यम से गाइड प्रभारी आरती राजपूत के नेतृत्व में प्रबन्ध समिति के अध्यक्ष नारायण भाई पटेल और उपाध्यक्ष अशोक भाई पटेल से शुक्रवार को सौजन्य भेंट कर अम्बाला शिविर की जानकारी दी। अध्यक्ष नारायण भाई पटेल ने गाइड दल और प्रभारी की भूरी भूरी प्रशंसा करते हुए शाला का नाम राष्ट्रीय स्तर पर गौरवान्वित करने पर सभी को बधाई दिए और भविष्य में हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया। इस अवसर पर हिंदी माध्यम प्राचार्य अनीस मेमन, अंग्रेजी माध्यम प्राचार्य डॉ शैलेष शर्मा, प्राथमिक विभाग प्रभारी श्रीमती योगिता टांक, प्रशासक वी के मिश्रा आदि उपस्थित थे।

अपने साथ कई तरह की बीमारियां लेकर आता है बारिश का मौसम

मानसून में होने वाले रोगों से रहे सतर्क सेहत पर नहीं पड़ेगा बारिश का असर

मानसून के आगमन के साथ ही सर्दी, जुकाम और बुखार होना सामान्य है। बच्चों से लेकर बड़ों कर किसी भी आयु के व्यक्ति को मौसमी बीमारी हो सकती है। मानसून में सामान्य और गंभीर दोनों तरह के रोगों का खतरा रहता है। बारिश के पानी में भीगने पर अक्सर लोगों को बुखार और जुकाम हो जाता है। वहीं मानसून में कीचड़ और पानी जमा होने के कारण डेंगू के मच्छर बढ़ जाते हैं। बारिश के मौसम में डेंगू मलेरिया के मरीज बढ़ जाते हैं। बारिश में त्वचा संबंधी कई तरह के रोग होने की संभावना भी बढ़ जाती है। खुजली, जलन और रूखी त्वचा की समस्या होने लगती है। मानसून में होने वाले संभावित रोगों के बारे में जानिए। जिससे बारिश के मौसम में बीमारियों से बचने के लिए आप सही वक्त पर सही उपाय कर सकें।

बारिश के मौसम में होने वाले रोग

त्वचा रोग

बारिश में व्यक्ति को चर्म रोग हो सकता है। इस मौसम में घमौरी, फोड़े-फुंसी आदि होना सामान्य बात है। त्वचा संबंधी ये बीमारियां फंगल इंफेक्शन होती हैं, जो नमी की वजह से समस्या खड़ी कर देती हैं। ऐसे में अक्सर लोगों को बारिश में खुजली, लाल त्वचा और जलन होती है। बचाव- मानसून में त्वचा संबंधी रोग की समस्या से बचाव के लिए बारिश में भीगने पर तुरंत कपड़े बदल लेने चाहिए। अधिक देर बारिश में भीगने पर त्वचा में नमी के कारण बीमारी होती है, इसलिए कपड़े बदलने से साथ ही त्वचा को अच्छे से सुखा लें। वहीं साफ सुथरे रहें।

पेट की समस्या

बारिश के मौसम में अक्सर लोगों का पेट खराब हो जाता है। बरसात में पाचन क्रिया कमजोर हो सकती है, जिसके कारण पेट की समस्या हो जाती है। मानसून में डायरिया, उल्टी और दस्त होना आम बात है। बचाव- मानसून में खान पान का विशेष ख्याल रखें। हल्का भोजन करें और बाहर का गलत खाने से बचें। खाने के बाद टहलने की आदत डालें ताकि भोजन पच सके।

मलेरिया और डेंगू

बारिश में डेंगू और मलेरिया के मामले सबसे अधिक बढ़ जाते हैं। तेज बारिश होने से जगह जगह बारिश का पानी जमा हो जाता है। इस गंदे पानी से मच्छर फैलते हैं जो डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी बीमारियां फैलाते हैं। डेंगू में ब्लड प्लेटलेट काउंट तेजी से कम होने से मरीज के लिए जान का जोखिम बढ़ जाता है बचाव- इन बीमारियों से बचाव के लिए बारिश के पानी को भरने न दें। साफ सफाई रखें। मच्छर भगाने की दवाइयों का इस्तेमाल करें।

खाना खाते वक्त इन बातों का रखें ध्यान, नहीं होगी कोई भी परेशानी

सेहतमंद रहने के लिए क्या खाना चाहिए, किस समय खाना चाहिए....यह सब बातें हमें पता होना चाहिए। हमें पता होना चाहिए कि खाना बनाते वक्त हमें किन बातों का ध्यान रखना चाहिए और किन बातों को फॉलो करना चाहिए।

हमेशा मौसमी सामग्री का इस्तेमाल करें

हमेशा ताजे फलों, सब्जियों और सामग्रियों के इस्तेमाल पर जोर देना चाहिए। इसमें ताजी और मौसमी सामग्री का इस्तेमाल करने को कहा जाता है। इससे पौष्टिक और स्वस्थ भोजन में मदद मिलेगी। महीनों तक स्टोर करके रखी गई सामग्रियों का इस्तेमाल करने के बजाय फ्रेश सामग्रियों का इस्तेमाल करें।

गर्मियों में इस मौसम की सब्जियों और फलों का इस्तेमाल करें, क्योंकि गर्मियों में, खीरा और तरबूज जैसे ठंडे खाद्य पदार्थ गर्मी को शांत करने में मदद करते हैं। वहीं, सर्दियों में, मजबूत अनाज और गर्म मसाले आराम और पोषण लाते हैं, तो आप इनका इस्तेमाल करें।

मसाले पर दें ध्यान

मसाले अपने चिकित्सीय प्रभावों के साथ-साथ अपने स्वाद की वजह से भी काफी अहम माने जाते हैं। हालांकि, कुछ मसाले पेट को खराब करने का काम भी करते हैं। इसलिए हमेशा ऐसे मसालों का इस्तेमाल करें, जो पाचन और स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हैं। आप हल्दी, जीरा और धनिया का ज्यादा से ज्यादा इस्तेमाल कर सकते हैं। इससे आपको काफी फायदा होगा, लेकिन मात्रा का ध्यान रखें वरना आपको परेशानी हो सकती है।

घी का इस्तेमाल करें

घी को खानपान में अत्यधिक महत्व दिया जाता है, क्योंकि यह पाचन में सुधार, पोषक तत्वों के अवशोषण को बढ़ाने और जोड़ों को मजबूती देने में मदद करता है। इसे शुद्ध माना जाता है, जो एक अच्छी लाइफ को बढ़ावा देने का काम करता है।

यह हमारे पेट के स्वास्थ्य को स्वस्थ रखता है और बेहतर पाचन में सहायता करता है। घी हमारे शरीर में वात और पित्त को शांत करता है।

तुलसी की माला पहनकर न जाएं इन जगहों पर

हिंदू धर्म में तुलसी की कंठी माला पहने का बहुत महत्व है, साथ ही कंठी माला धारण करने के कई सारे लाभ भी हैं। अक्सर मथुरा-वृंदावन के लोग गले में कंठी माला पहनते हैं। क्या आप जानते हैं कि तुलसी माला पहनने का एक नियम है, हर कोई तुलसी का माला नहीं पहन सकता साथ ही तुलसी माला पहनने वाले हर जगह नहीं जा सकते हैं।

अंतिम संस्कार में न जाएं

तुलसी की माला पहनकर लोगों को अंतिम संस्कार में नहीं जाना चाहिए, साथ ही श्मशान घाट पर भीतुलसी की कंठी माला धारण कर नहीं जाना चाहिए। यदि आपको जाना जरूरी है, तो आप उसे उतारकर गंगा जल में डुबोकर रखें फिर अंतिम संस्कार में शामिल हो। साथ ही वापस आने के बाद नाखून काट लें बाल धोकर स्नान करें और यदि पुरुष हैं, तो जनेऊ बदल लें। इसके बाद गंगाजल पीकर शुद्ध हो और तुलसी की माला पहनें।

मांस के सेवन से बचें

कंठी माला पहने हुए व्यक्ति को चाहिए कि वह कंठी माला पहने हुए हैं, तो तामसिक चीजों का सेवन न करें। कंठी माला पहनकर तामसिक या मांस का सेवन करने से तुलसी माला का अपमान होता है और आपको पाप चढ़ सकता है। यदि आपको मांस-मछली खाना ही है या ऐसी जगहों पर जाना है जहां मांस-मछली का सेवन किया जाता, तो आपको तुलसी की माला नहीं पहननी चाहिए।

धूम्रपान और शराब के सेवन से करें परहेज

मांस-मछली के साथ-साथ तुलसी माला पहने हुए लोगों को चाहिए कि वे शराब और सिगरेट का सेवन भी न करें। कंठी माला पहनने का अर्थ है तन और मन का पवित्र होना। इसके अलावा सनातन धर्म में सिगरेट शराब को अशुद्ध माना गया है। ऐसे में यदि आप तुलसी माला पहनकर मदिरालय या शराब खाना जाते हैं, तो इससे भीभगवान विष्णु, माता लक्ष्मी और तुलसी माता का अपमान होता है।

गुस्से पर नहीं काबू उठाइए जरूर कदम

ऐसा शायद ही कोई इंसान होगा, जिसे कभी गुस्सा न आता हो। क्रोध या गुस्सा इंसान की एक ऐसी भावात्मक अवस्था है, जिससे सभी मनुष्य किसी न किसी समय पर जरूर गुजरते हैं। क्रोध को चार बुनियादी भावनाओं में से एक माना जाता है। ये चार भावनाएं हैः क्रोध, उदासी, खुशी और भ्रम/भय। रिसर्च के अनुसार गुस्सा धीरे से तेज होता जाता है और कई बार यह निराशा और झुंझलाहट का कारण भी बन जाता है।

गुस्सा क्या है?

अमेरिकन साइकोलॉजिकल एसोसिएशन के अनुसार, ₹गुस्सा एक ऐसी भावना है, जो किसी के प्रति आपके विरोध को दर्शाता है या उन लोगों के प्रति आपकी भावना को व्यक्त करता है, जिन्होंने आपके साथ गलत किया है।₹

गुस्सा कुछ खास अनुभवों और स्थितियों में प्रकट होता है और यह आपको आपकी पॉजिटिव लाइफस्टाइल से दूर ले जाता है। यह आपकी भावनात्मक दुनिया को तोड़ने का काम भी करता है।

किसी के गुस्से का जवाब गुस्से से देने आपके अच्छे संबंध खराब हो सकते हैं और आपका वातावरण नकरात्मक हो जाता है। दूसरे शब्दों में, क्रोध आपके कार्यों को पॉजिटिव या विनाशकारी दिशा में निर्देशित करने का काम करता है।

एंगर मैनेजमेंट में मददगार टिप्स

प्रोडक्टिव तरीके से अपने क्रोध को नियंत्रित करने के लिए हम आपको कुछ सुझाव बताने जा रहे हैं:

गुस्से से जुड़े हुए अनुभवों को लिखिए

इससे आपको पता लगेगा कि आपको कब गुस्सा आता है और क्या चीज आपको ट्रिगर करती है, कौन सी घटनाएं आपको परेशान कर सकती हैं। जर्नलिंग के माध्यम से अपने गुस्से के अनुभवों को लिखना खुद को जानने का एक प्रयास है। इसकी मदद से आप तर्क और स्वयं के मूल्यांकन के लिए जगह बना सकते हैं और कार्यों का निर्धारण कर सकते हैं।

बॉडी स्कैन एक्टिविटी का उपयोग करना

शरीर के जिस हिस्से पर आपको सबसे पहले गुस्सा आता है, उस पर ध्यान रखना शुरू करें। उस क्षेत्र या शरीर के अन्य क्षेत्रों पर अपना ध्यान आकर्षित करें। अगर आपका गुस्सा आपके शारीरिक तनाव का कारण बन रहा है, तो याद रखिए आगे चलकर ये आपको भावनात्मक रूप से भी नुकसान पहुंचा सकता है।

एरोबिक एक्सरसाइज करें

कई बार गुस्सा हमें शारीरिक रूप से भी नुकसान पहुंचाता है। एरोबिक एक्सरसाइज जैसी फिजिकल एक्टिविटी में शामिल होने से किशोरों और वयस्कों दोनों में गुस्सा कम हो जाता है।

क्या आप भी रील्स देखकर करते हैं अपना रिलेशनशिप टेस्ट, पहले जानें इसका असर

हम हमेशा यह जानने की इच्छा रखते हैं कि सामने वाले के दिल में क्या चल रहा है। सोशल मीडिया पर इसके कई तरीके भी बताए जाते हैं। इनको अपनाने के बाद जब मन-मुताबिक नतीजे नहीं आते तो मन दुखी हो जाता है और रिश्तों में गलतफहमियां होने लगती हैं। सोशल मीडिया ने आपकी जिंदगी काफी हद तक आसान कर दी है। आप भी इसकी आदी हो चुकी हैं। जैसे-जैसे नई-नई तकनीक विकसित होती जा रही है, वैसे-वैसे यह आपका मनोरंजन भी कर रही है।

टेस्ट का बढ़ता ट्रेंड: सोशल मीडिया का सबसे नकारात्मक प्रभाव आपके रिश्तों पर पड़ता है। यह बात आपने कई जगहों पर पढ़ी और सुनी होगी, लेकिन इसे जानने का प्रयास कभी नहीं किया होगा। इन दिनों सोशल मीडिया पर अजीबो-गरीब रिलेशनशिप टेस्ट छाए हुए हैं। इनमें से लोकप्रिय रिलेशनशिप टेस्ट हैं- इमेज टेस्ट, ऑरेंज पील टेस्ट, केचप टेस्ट आदि। इसके अलावा लोग रिलेशनशिप के लिए टैरो कार्ड रीडिंग, ऑरेकल कार्ड रीडिंग, एंजेल नंबर, कैंडल वैक्स रीडिंग, रूम्स रीडिंग, नंबर सिलेक्शन आदि को सोशल मीडिया पर सुनते हैं।

कमाल की बात यह है कि ये रिलेशनशिप टेस्ट

और रीडिंग सब लोगों के लिए एक समान ही होते हैं। ऐसे में इन पर विश्वास करना कहां की समझदारी होगी? आप पढ़ी-लिखी हैं, समझदार हैं, अच्छा-बुरा सब समझती हैं, फिर क्यों इन टेस्ट या रीडिंग्स में उलझकर अपने रिश्तों को खराब करती हैं?

खतरनाक भी है: सोशल मीडिया महज नाम से ही सोशल है। इसे वास्तविक रिश्तों से कभी मत तौलिए। सोशल मीडिया के भीतर सुख-दुख, क्रोध, अपमान, निराशा का एक वृहद संसार भी रचा जाता है। आप वहां जो देखती हैं, वो आपको वही दिखाने लगता है। आप दुखी हैं तो आपको केवल दुख भरा कंटेंट ही दिखाता है, जिससे आप जुड़ा हुआ महसूस करती हैं। इस कारण आप नकारात्मक भी होती जाती हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

अब नहीं टूटेगा मर्लिन मुनरो का घर, बनाया सांस्कृतिक धरोहर

अमेरिकी अभिनेत्री और मॉडल मर्लिन मुनरो के लॉस एंजिल्स स्थित घर को लॉस एंजिल्स सिटी काउंसिल ने ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्मारक नामांकन में मंजूरी दे दी है। इसी घर में अभिनेत्री ने अपनी अंतिम सांस ली थी। इस पदनाम का उद्देश्य इस ऐतिहासिक स्थल को टूटने से बचाने में मदद करना है। दरअसल, मुनरो ने जिस घर में आखिरी सांस ली थी, उसे ब्रिना मिलस्टीन और उनके पति, रियलिटी टीवी निर्माता रॉय बैंक ने पिछले साल खरीद लिया था, जिसे वह तोड़ना चाहते थे, लेकिन अब इसे ऐतिहासिक सांस्कृतिक स्मारक का नाम दे दिया गया है। एल.ए. कंजर्वेंसी ने एक्स पर साझा करते हुए लिखा, 'ब्रेंटवुड में मर्लिन मुनरो का घर अब एक ऐतिहासिक-सांस्कृतिक स्मारक है! आज, एल.ए. सिटी काउंसिल ने सर्वसम्मति से मर्लिन मुनरो के अंतिम घर के लिए नामांकन को मंजूरी दे दी। उन सभी का धन्यवाद जिन्होंने अपना समर्थन व्यक्त किया और काउंसिल वुमन ट्रेसी पार्क और टीम को बहुत-बहुत धन्यवाद!' अमेरिकी अभिनेत्री और बोल्ड मॉडल मर्लिन मुनरो 1929 में चार बेडरूम वाले एक घर में लगभग छह महीने रहीं। इसी घर में साल 1962 में उनकी मृत्यु हो गई थी। एल.ए. कंजर्वेंसी ने ऐतिहासिक स्थान के लिए अपने प्रस्ताव में लिखा कि यह घर वह पहली जगह थी जिसे उन्होंने 1962 में सक्रिय रूप से काम करते हुए खुद के लिए खरीदा था। बाद में इस घर को ब्रिना मिलस्टीन और उनके पति, रियलिटी टीवी निर्माता रॉय बैंक ने पिछले साल 69 करोड़ 72 लाख रुपये में खरीदा लिया, फिर इसे तोड़ने की योजना बनाई। उन्होंने ऐतिहासिक नामकरण को रोकने के लिए एक साल तक लड़ाई लड़ी, जिसके बारे में उन्होंने कहा कि इससे अधिक उपद्रवी लोग आएंगे।

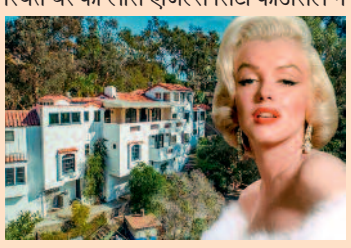

टॉलीवुड

धनुष की फिल्म 'रायन' का नया पोस्टर जारी, फैंस हुए उत्साहित

साल 2024 की शुरुआत में 'कैप्टन मिलर' की सफलता के साथ धनुष ने धमाकेदार शुरुआत की। अब वह 'रायन' के साथ दर्शकों को मंत्रमुग्ध करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। फिल्म रिलीज से पहले निर्माताओं ने दर्शकों को एक और बड़ा तोहफा दिया है। धनुष के निर्देशन में बनी आगामी फिल्म के मुख्य किरदारों का दिलचस्प पोस्टर साझा किया गया है, जिसे देखकर प्रशंसकों का उत्साह सातवें आसमान पर पहुंच गया है। नए पोस्टर में धनुष के साथ कालिदास जयराम, संदीप किशन और दुशारा विजयन भी हैं, जो कैमरे की ओर देखते हुए एक साथ खड़े नजर आ रहे हैं। कथित तौर पर सितारे फिल्म में धनुष के भाई-बहन की भूमिका निभा रहे हैं। नए पोस्टर में उन सभी को एक बाल्टी पकड़े हुए दिखाया गया है, जबकि धनुष केंद्र में खड़े हैं। जानकारी हो कि 'रायन' 26 जुलाईको सिनेमाघरों में दस्तक देगी। मुख्य कलाकारों के अलावा आगामी गैंगस्टर ड्रामा में प्रकाश राज, एसजे सूर्या, वरलक्ष्मी सरथकुमार और अपर्णा बालमुरली भी प्रमुख भूमिकाओं में हैं। अब तक 'रायन' के लिए बॉक्स ऑफिस पर प्रतिस्पर्धा करने के लिए कोई अन्य बड़ी रिलीज नहीं है, जिसका अर्थ है कि धनुष स्टार को 26 जुलाई, 2024 को एकल रिलीज मिल सकती है। हालांकि, अल्लू सिरीश की 'बडी' भी उसी दिन बड़े स्क्रीन पर आ रही है इससे 'रयान' के व्यवसाय पर असर पड़ने की बहुत कम संभावना है। इसके अलावा एक और बड़ी रिलीज 'थंगालान' है, जिसकी रिलीज डेट अभी तय नहीं हुई है। 28 जुलाई को धनुष का जन्मदिन है।

भोजपुरी

निरहुआ और आम्रपाली के 'मरून कलर सड़िया' गाने का कारनामा, 14 करोड़ से ज्यादा ने देखा

दिनेश लाल यादव 'निरहुआ' और आम्रपाली दुबे की फिल्म 'फसल' के गाने 'मरून कलर सड़िया' ने तहलका मचा दिया था। यह गाना निरहुआ और आम्रपाली के करियर का सबसे बड़ा हिट बन चुका है। यही नहीं, यह यूट्यूब पर टॉप-10 गानों में छठे नंबर पर ट्रेंड कर रहा है। इस गाने को अभी तक 140 मिलियन से ज्यादा लोग देख चुके हैं और 10.7 मिलियल रील्स बनाई जा चुकी हैं। रील्स में यह गाना नंबर वन पर ट्रेंड कर रहा है। भोजपुरी के फैंस के बीच 'मरून कलर सड़िया' का क्रेज कम होने का नाम ही नहीं ले रहा है। 'फसल' इस साल मार्च में थिएटर्स में रिलीज हुई थी, और इसे अच्छा रिस्पॉन्स मिला। फिल्मी पर्दे पर रोमांटिक किरदारों में नजर आए निरहुआ इस बार आम्रपाली दुबे के साथ किसानों की कहानी लेकर आए। फिल्म को पराग पाटिल ने डायरेक्ट किया, जबकि प्रोड्यूसर प्रेम राय थे। फिल्म के गाने 'मरून कलर सड़िया' को नीलकमल सिंह और कल्पना ने गाया। फैंस गाना देखकर इसकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं। एक फैन ने यूट्यूब पर कमेंट किया है, 'ऐसा लगता है कि ये गाना कभी खत्म ही न हो, सुनते रहो, पर अफसोस इतने अच्छे गाने सिर्फ 3 या 4 मिनट के ही होते हैं।'

क्रिस्टिना का जादू

मिस वर्ल्ड को व्यापक रूप से सबसे पुरानी अंतरराष्ट्रीय सौंदर्य प्रतियोगिता माना जाता है, जिसकी शुरुआत पहली बार 1951 में यूनाइटेड किंगडम में ₹बिकनी प्रतियोगिता₹ के रूप में हुई थी। दुनिया भर की 111 अन्य प्रतिभागियों को पछाड़ते हुए चेक गणराज्य की क्रिस्टीना पिस्ज़कोवा को पिछले दिनों मुंबई में मिस वर्ल्ड 2024 का ताज पहनाया गया। यहां तस्वीर में प्रतियोगिता के प्रारंभिक दौर में ₹बेस्ट डिज़ाइनर अवार्ड₹ प्रतियोगिता के दौरान मॉडल के रूप में मिस वर्ल्ड बनीं क्रिस्टीना पिस्ज़कोवा नजर आ रही हैं।

कॉफी स्क्रब आपके पैरों को बनाएंगे मुलायम और खूबसूरत

पैरों की खूबसूरती को बरकरार रखने के लिए आप भी अपने पैरों को कॉफी से बने स्क्रब से साफ कर सकती हैं। बाजार में आपको फुट केयर के लिए बहुत कुछ मिल जाएगा, मगर आप घरेलू नुस्खों की तलाश में हैं तो घर पर कॉफी फुट स्क्रब बना सकती हैं।

कॉफी और नारियल तेल से बना स्क्रब

एक कटोरी में कॉफी पाउडर, नारियल का तेल, चीनी आदि को मिक्स करें और दरदरा पेस्ट बना लें। इस स्क्रब को अपने पैरों पर लगाएं और सर्कुलर मोशन में मसाज करें। 5 से 7 मिनट मसाज करने के बाद गुनगुने पानी से पैरों को धो लें।इससे पैरों की डेड स्किन रिमूव हो जाएगी और आपके पैर मुलायम नजर आने लग जाएंगे।

कॉफी, ओट्स और शहद स्क्रब

कॉफी, ओट्स, शहद और जैतून का तेल एक कटोरी में मिलाएं। इस स्क्रब को अपने पैरों पर लगाकर सर्कुलर मोशन में मसाज करें। 10-15 मिनट के बाद गुनगुने पानी से पैरों को धो लें। ऐसा करने से पैरों की गंदगी साफ होती है और जो डेड स्किन है, वो भी रिमूव हो जाती है।

कॉफी, सूजी और दूध स्क्रब

एक बाउल में कॉफी पाउडर, सूजी, दूध और ब्राउन शुगर लें। सभी सामग्री को मिलाकर एक गाढ़ा पेस्ट बना लें। इस मिश्रण से अपने पैरों को साफ करें। 5 से 10 मिनट तक आपको इस मिश्रण से पैरों में सर्कुलर मोशन में मसाज करनी है। 10 मिनट के बाद गुनगुने पानी से पैरों को धो लें।

कॉफी फुट स्क्रब के लाभ

कॉफी के ग्रैन्यूल्स डेड स्किन को हटाने में मदद करते हैं। नारियल तेल, जैतून का तेल और शहद त्वचा को नमी प्रदान करते हैं। मसाज करने से रक्त संचार बढ़ता है, जिससे त्वचा स्वस्थ और चमकदार बनती है। कॉफी एंटीएजिंग होती है और इससे त्वचा पर आए रिंकल्स दूर होते हैं। इन स्क्रब का नियमित उपयोग करने पर आपके पैर मुलायम, स्वस्थ और खूबसूरत बने रहते हैं। अगर आपकी स्किन सेंसिटिव है, तो ऊपर बताए गए किसी भी नुस्खे को आजमाने से पहले एक बार पैच टेस्ट जरूर कर लें। किसी भी नुस्खे से आपको तुरंत रिजल्ट नहीं मिलेगा। यह उपाय केवल आपकी त्वचा की अच्छी सेहत के लिए हैं।

पार्टी में पहनने के लिए बेस्ट हैं ये रेडीमेड स्कर्ट साड़ी

साड़ी पहनना हम सभी को पसंद होता है। लेकिन अक्सर ऐसा होता है जब इसे बांधने की बात आती है, तो हम अक्सर पार्लर जाते हैं या घर के उस सदस्य को ढूंढते हैं, जो अच्छे से साड़ी पहना सके। इसकी वजह से कई बार ज्यादा समय तैयार होने में लग जाता है। अगर आपके साथ भी यही परेशानी होती है, तो इसके लिए आप रेडीमेड स्कर्ट साड़ी को वियर कर सकती हैं। इससे आपका लुक अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा। चलिए आपको बताते हैं किस तरह की स्कर्ट साड़ी को आप वियर कर सकती हैं।

लाइट ब्लू रफल स्टाइल स्कर्ट साड़ी

अगर आपको कुछ नया और ट्रेंडी ट्राई करना है, तो इसके लिए आप इस ब्लू कलर की रफल स्कर्ट साड़ी को वियर कर सकती हैं। इस तरह की रेडीमेड साड़ी आपको मार्केट में 1,000 से 1,500 रुपये में आसानी से मिल जाएगी। जिसे आप डिजाइनर ब्लाउज के साथ वियर कर सकती हैं। इसके साथ आप चाहें तो बेल्ट या किसी फैंसी एक्सेसरीज को एड कर सकती हैं।

रेड कलर फ्रिल स्टाइल स्कर्ट साड़ी

अगर आप किसी नाइट पार्टी में जा रही हैं, तो इसके लिए एथनिक वियर ऑप्शन में इस रेड कलर की फ्रिल साड़ी को स्टाइल कर सकती हैं। इस तरह की साड़ी काफी क्लासी और स्टाइलिश लगती है। इसमें आपको स्कर्ट के नीचे नहीं बल्कि पल्लू में हैवी डिजाइन मिलेगा। इससे आपका लुक भी अच्छा लगेगा। साथ ही, आपको कुछ नया ट्राई करने को मिलेगा। इस तरह की साड़ी आपको मार्केट में 1,000 रुपये में मिल जाएगी।

पर्पल कलर स्कर्ट साड़ी डिजाइन

अगर आपको पार्टी में कुछ स्टाइल साड़ी पहनने का मन है, तो इसके लिए आप इस ऑप्शन को ट्राई कर सकती हैं। इसमें आपको स्कर्ट में थोड़ा सा घेर वाला डिजाइन मिलेगा। इसके साथ पल्लू पर रफल डिजाइन मिलेगा। इससे साड़ी और भी सुंदर लगेगी। इसी के साथ ब्लाउज थोड़ा हैवी डिजाइन में मिलेगा। इस तरह की साड़ी के साथ आपको ज्यादा एक्सेसरीज ऐड करने की जरूरत नहीं पड़ेगी।

बारिश के मौसम में चेहरे के लिए घरेलू नुस्खे

बारिश के मौसम में सबसे ज्यादा स्किन खराब होती है। ऐसे में जरूरी है कि आप अपने रूटीन और घरेलू नुस्खों को ट्राई करें।

एलोवेरा जेल का करें चेहरे पर इस्तेमाल

अगर आपको चेहरे पर जलन या लाली नजर आ रही है, तो इसके लिए आप फ्रेश एलोवेरा जेल का इस्तेमाल कर सकती हैं। इसमें एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटीऑक्सीडेंट गुण भी होते हैं जो लाली और जलन को कम करने में मदद करते हैं। इसलिए आप एलोवेरा की ताजी पत्तियों को तोड़कर इन्हें चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। इसे आप चेहरे पर करीब 15 मिनट लगाएं। फिर पानी से चेहरे को साफ कर लें। इससे चेहरे को ठंडक मिलेगी। साथ ही, स्किन हेल्दी रहेगी।

दही और ओट्स का करें इस्तेमाल

जब हम रोजाना बारिश में बाहर निकलते हैं, तो इससे चेहरे का ग्लो गायब हो जाता है। ऐसे में आप घर पर रखे दही और ओट्स का फेस पैक बनाकर चेहरे पर अप्लाई कर सकती हैं। यह दोनों चीजें चेहरे के लिए अच्छी होती हैं। साथ ही, इससे चेहरे का ग्लो दोगुना हो जाता है। इसके लिए आपको ओट्स को भीगोकर मिक्सी में दही के साथ मिक्स करना

है। फिर इसमें आधा चम्मच शहद को मिक्स करें। इसे अपने चेहरे पर अप्लाई करें। इसे करीब 30 मिनट चेहरे पर लगा रहने दें। फिर पानी से चेहरे को साफ कर लें। इससे आपकी स्किन बारिश के मौसम में हेल्दी रहेगी।

नीम का करें चेहरे पर इस्तेमाल

नीम का चेहरे पर होने वाले कील-मुंहासों के लिए अच्छा होता है। इसलिए आप इसका इस्तेमाल भी चेहरे पर कर सकती हैं। लेकिन इसे लगाने से पहले आप एक बार एक्सपर्ट की सलाह जरूर लें। इसके बाद इसे अप्लाई करें। आप इसका फेस पैक बनाकर चेहरे पर लगा सकती हैं। इससे चेहरे का ग्लो अच्छा रहेगा। साथ ही, आपको पिंपल्स की समस्या नहीं होगी।

आंखों की खूबसूरती बढ़ाएंगे आई पैक्स

चेहरे की खूबसूरती आंखों की बनावट पर भी निर्भर करती है। मगर बनावट खूबसूरत होने के बाद भी अगर पफी आइज या डार्क सर्कल्स की समस्या है, तो चेहरे की सुंदरता प्रभावित होती है। बाजार में आपको बहुत सारे प्रोडक्ट्स मिल जाएंगे, जो आंखों की सुंदरता को कायम रखने का दावा करते हैं, मगर आंखों की खूबसूरती बढ़ाने के लिए कई प्राकृतिक और घरेलू उपाय भी हैं, जो न सिर्फ आपकी आंखों को आराम देंगे, बल्कि उनकी चमक भी बढ़ाएंगे।

खीरे का आई पैकः

खीरे में विटामिन-सी होता है और यह त्वचा चमक देता है और डार्कनेस को कम करता है। खीरे में आंखों को ठंडक और ताजगी देने वाले गुण होते हैं और इससे आंखों को बहुत आराम मिलता है। आप खीरे के स्लाइस काटकर अपनी आंखों पर रखें और 15-20 मिनट तक रखें। इससे आंखों की सूजन कम होगी और उन्हें ठंडक मिलेगी। खीरे में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट आपकी त्वचा को नमी देने के साथ-साथ उसमें कसाव लाएंगे।

आलू का आई पैकः

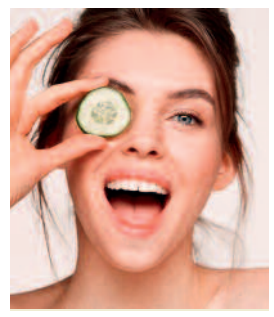

आलू में ब्लीचिंग प्रॉपर्टीज होती हैं। डार्क सर्कल्स के कारण आंखें खराब नजर आती हैं, तो आलू के आई पैक से आपको बहुत फायदा मिलता है। आप कच्चे आलू को छीलकर उसकी पतली स्लाइस काटें और उन्हें अपनी आंखों पर रखें। आलू का रस आंखों के आसपास की त्वचा को चमकदार और बेदाग बनाएगा। साथ ही, आंखों की सूजन को कम करने में भी मदद करेगा।

ग्रीन टी बैग्सः

ग्रीन-टी एंटीऑक्सीडेंट से भरपूर होती है और त्वचा के लिए किसी वरदान से कम नहीं होती है। आप त्वचा को तरोताजा रखने की कोशिश कर रही हैं, तो ग्रीन-टी के बैग्स को यूज करने के बाद फ्रीजर में रख दें और फिर इनका इस्तेमाल आंखों पर करें।

कार्नर न्यूज

रंगों और पैटर्न का ध्यान रखते हुए चुनें अपना फैशन

'ड्रेस वेल' रहना नौजवानों के लिए आसान, हाजिर है टिप्स

अपने कपड़ों को लेकर हो सकता है कि आप चूजी कहलाते हों। हो सकता है कि आप महंगे कपड़े भी खूब खरीदते हों। इसके अलावा ये भी हो सकता है कि आप रंगों और पैटर्न का भी ध्यान रखते हों। लेकिन इतनी मेहनत के बाद क्या आपको ड्रेस वेल कभी भी बोला गया है? नहीं न। ऐसा इसलिए क्योंकि आपने ड्रेसिंग के बेहतरीन और जरूरी नियमों को इग्नोर कर दिया है। 'ड्रेस वेल' कहलवाना इतना भी कठिन नहीं है, बस कुछ बातों का ध्यान रखिए और आपको भी लोग बेस्ट ड्रेस पाएंगे।

'ड्रेस वेल' कैसे कहलाएं ऐसेः बढ़िया ड्रेसिंग गैर डिजाइनर और सस्ते कपड़ों में भी की जा सकती है। लेकिन इसके लिए आपको कुछ टिप्स याद रखने होंगे-

फिटिंग कैसी हैः कपड़े सस्ते से ही हों लेकिन उनकी फिटिंग सही हो तो मानिए कि ये आप पर अच्छे लगेंगे ही। इसलिए सूट जैसे कपड़ों में तो खासतौर पर फिटिंग का ध्यान रखना जरूरी हो जाता है। सूट में तो कंधों की फिटिंग जांचना जरूरी होता है।

घड़ियों में भी करें निवेशः घड़ी को हाथ के हिसाब से चुनें। ये न ज्यादा बड़ी हो और ना ही छोटी। इसलिए आप घड़ी बस सुंदरता या फिर दूसरों के स्टाइल को कॉपी करके न लें। ये अगर सही से चुनी जाए तो स्टाइल स्टेटमेंट बन जाएगी।

रंग भी बनें स्टाइलः पुरुष आज भी कपड़े खरीदते हैं तो रंगों से दूर भागते हैं। उन्हें अपने लिए सफ़ेद, काले, भूरे और नीले जैसे रंग ही समझ आते हैं। लेकिन अब रंगों को पुरुषों की स्टाइल से भी जोड़ा जाता है, हो सकता है आप पर टिपिकल पुरुषों वाले रंग सूट ही न करते हों। जबकि हल्का गुलाबी, हल्के पीले जैसे रंग भी अपने स्टाइल में शामिल कीजिए और फिर देखिए आपका स्टाइल कैसे चमक उठता है।

आप अपने कलर कॉम्प्लेशन के हिसाब से रंगों पर प्रयोग करें और फिर अपने लिए चुनें भी। आप ये भी कर सकते हैं कि शुरुआत में एक कपड़े में रंग का चुनाव करें और बाकि कपड़े वही पारम्परिक रंगों में चुनें। बाद में आप पूरी ड्रेस अलग तरह के रंगों में चुन सकते हैं।

सिर्फ खरीदारी से काम नहीं चलेगाः आपने महंगे-महंगे कपड़े खरीदें हैं और इनको खरीदने के लिए आप मेहनत भी खूब करते हैं। लेकिन इसके बावजूद इन कपड़ों को दूसरी बार पहनने में ही आपका लुक बिगड़ जाता है। दूसरी बार पहनने में ही सबको लगता है कि ये आपके पुराने कपड़े हैं। दरअसल सिर्फ कपड़े खरीद लेने से काम नहीं चलता है।